



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

आधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 4]

नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 22, 1977/साध 2, 1898

No. 4]

NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 22, 1977/MAGHA 2, 1898

इस भाग में सिव पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-Section (I)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संव राज्य और प्रशासनों को छोड़कर)

केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गये साधारण नियम

जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उपनियम आदि सम्मिलित हैं

General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc., of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

प्रधान मंत्री सचिवालय

नई दिल्ली, 23 दिसम्बर, 1976

सा०का०वि० 100—राष्ट्रपति, मंत्रिधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और प्रधान मंत्री सचिवालय (अनुसंधान सहायक) भर्ती नियम, 1972 को अधिस्तान करने हुए, प्रधान मंत्री के सचिवालय में अनुसन्धान सहायक के पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्—

1 सक्षिप्त नाम और प्रारम्भ — (1) इन नियमों का नाम प्रधान मंत्री सचिवालय (अनुसंधान सहायक) भर्ती नियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2 पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान — उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वे होंगे जो इससे उपाखण्ड अनुसूची के स्तम्भ 2 में 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

3 भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अन्य अर्हताएँ — उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएँ और उससे सम्बंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

परन्तु उक्त अनुसूची के स्तम्भ 6 में विनिर्दिष्ट अधिकतम आयु-सीमा, केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार, किसी भी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों या व्यक्तियों के किसी विशेष प्रवर्ग के सम्बंध में शिथिल की जा सकेगी।

4 निरहताएँ — वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होने हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

5 शिथिल करने की शक्ति — जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वहाँ, उसके लिए जो कारण उन्हें लेखबद्ध करके तथा सच लोक सेवा आयोग से परामर्श करके इन नियमों के किसी उपखण्ड की किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति :- इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों और अन्य रियासतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिसका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रयोगों के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

प्रधान मंत्री सचिवालय, नई दिल्ली में अनुसंधान सहायक के पद के लिए भर्ती नियम

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	चेतनमान	चयन पद अथवा अभ्ययन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
अनुसंधान सहायक	1	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ख' अराजपत्रित अलिपि के वर्गीय	550-25-750-द०रो०- 30-900	लागू नहीं होता	30 वर्ष से अधिक (सरकारी सेवकों के लिए शिथिलनीय) टिप्पण. आयु-सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख, भारत में पढ़ने वाले अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न जो अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप में रहते हैं) से आवेदनों से रहते हैं, आवेदनों की प्राप्ति की अन्तिम तारीख होगी।	आवश्यक :- (1) किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय से उपाधिक या समतुल्य। (2) किसी समाचार-पत्र या समाचार-अभिकरण या प्रतिष्ठित विज्ञापन संगठन में 3 वर्ष का पत्रकारिता संबंधी अनुभव। (अर्हताएं, अन्यथा सुअर्हित अभ्यर्थियों की दशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिलनीय, विशेषतया, अनुभव संबंधी अर्हता, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित पदों की दशा में, शिथिल की जा सकती है।)

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोत्तति की दशा में लागू होगी या नहीं	परिबीक्षा की अवधि, यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधी होगी या प्रोत्तति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिपात	प्रोत्तति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में ये श्रेणियां प्रोत्तति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण की जागृती/किया जाएगा क्या है	यदि कोई विभागीय पदोन्नति समिति हो तो उसकी संरचना क्या है	परिस्थितियां जिनमें भर्ती के लिए संघ लोक सेवा आयोग का परामर्श लिया जाना है।
---	-------------------------------	--	---	--	---

8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	2 वर्ष	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा, जिसके न होने पर सीधी भर्ती द्वारा	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण :- केन्द्रीय सरकार के अधीन सशुभ पद धारण करने वाले अधिकारी या ऐसे अधिकारी जिन्होंने 425—700 रु० या समतुल्य चेतनमान वाले पदों पर कम-से-कम 5 वर्ष की सेवा की हो और जो स्तम्भ 7 के अधीन सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विनिर्दिष्ट अर्हताएं रखते हों। (प्रतिनियुक्ति की अवधि सामान्यतया 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी)	लागू नहीं होता	सीधी भर्ती करने समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श आवश्यक

[म० एक 61/138/71-सी० एम० ए०]

न० म० श्रीरामन, प्रधान मंत्रीजी के निजी सचिव

PRIME MINISTER'S SECRETARIAT

New Delhi, the 23rd December, 1976

G. S. R. 100.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Prime Minister's Secretariat (Research Assistant) Recruitment Rules, 1972, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Research Assistant in the Prime Minister's Secretariat, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Prime Minister's Secretariat (Research Assistant) Recruitment Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, classification and scale of pay.—The number of post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed hereto.

3. Method of recruitment, age limit and other qualifications.—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters relating thereto, shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule :

Provided that the upper age limit, specified in column 6 of the said Schedule, may be relaxed in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time.

4. Disqualifications.—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Recruitment Rules for the post of Research Assistant in the Prime Minister's Secretariat, New Delhi

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Research Assistant	One	General Central Service, Group 'B', Non-Gazetted Non-Ministerial.	Rs. 500-25-750-EB-30-900.	Not applicable	Not exceeding 30 years (Relaxable for Government servants). Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).	Essential : (i) Degree of a recognised University or equivalent. (ii) 3 years' journalistic experience in a newspaper or a news agency or a Publicity Organisation of standing. (Qualifications relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well-qualified ; in particular, the qualification regarding experience is relaxable in case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes for posts reserved for them).

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees	Period of probation, if any	Method of rectt. whether by direct rectt. or by promotion or by deputation/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods.	In case of rectt. by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists what is its composition	Circumstances in which U.P.S.C. is to be consulted in making recruitment.
8	9	10	11	12	13
Not applicable	2 years	By transfer on deputation failing which by direct recruitment.	Transfer on deputation : Officers under the Central Government holding analogous posts or with at least 5 years' service in posts in the scale of Rs. 425-700 or equivalent and possessing qualifications as specified for direct recruits under column 7. (Period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years).	Not applicable	Consultation with Union Public Service Commission is necessary while making direct recruitment.

[No. F. 61/138/71-PMA]

N. S. SREERAMAN, Private Secy. to the Prime Minister

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 5 जनवरी, 1977

सं० का० वि० 101.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, भारत-निम्न सीमा पुलिस में अनुभाग अधिकारी के पद की भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्—

1. शिक्षित नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का नाम भारत-निम्न सीमा पुलिस (अनुभाग अधिकारी) भर्ती नियम, 1977 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान.—पद की संख्या, वर्गीकरण और उसका वेतनमान वे होंगे जो इससे उपाग्रह अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और ग्रहणाएँ आदि.—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, ग्रहणाएँ और उनसे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरहंताएँ :—वह व्यक्ति,—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुये किसी व्यक्ति से विवाह किया हो,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीयविधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिये अन्य आधार मौजूब हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती।

5. शिथिल करने की शक्ति.—जहां केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उसके लिये जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोकसेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की भावत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकती।

6. व्यावृत्ति.—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संधि से समय-समय पर निकासे गये आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिये उपबन्ध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	अथवा पद अथवा अथवा पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य ग्रहणाएँ
1	2	3	4	5	6	7
अनुभाग अधिकारी	5	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह 'ख' राज-पश्चित निपिक वर्गीय	650-30-740-35- 810-40-800-35- 880-40-1000- 100- 1200-40- 1200-40	अथवा	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

सीधे भर्ती किए जाने परीक्षा की जाने वाली व्यक्तियों के लिए अवधि यदि कोई विहित प्रायु और हो शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति की दशा में लागू होंगी या नहीं	भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियाँ जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण की जाएगी/किया जाएगा	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी मरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में सश लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा
---	---	--	--	--

8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	2 वर्ष	50 प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा , 50 प्रतिशत सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा, जिसके न होने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा। टिप्पणी:— सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा अन्वेषण ब्यूरो द्वारा उसी पाठ्य विवरण से ली जाएगी जिसमें अन्वेषण ब्यूरो में अनुभाग अधिकारी का पद भरने के लिये समरूप परीक्षा ली जाती है। परिणाम, अन्वेषण ब्यूरो से पृथक घोषित किये जायेंगे।	1 प्रोन्नति :— भारत तिब्बत सीमा पुलिस के ऐसे सहायक जिन्होंने उस श्रेणी में 8 वर्ष की सेवा की हो। 2. सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा :— भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के ऐसे सहायक जिन्होंने उस श्रेणी में कम-से-कम पांच वर्ष सेवा की हो। 3. प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : केन्द्रीय सरकार के अर्थात् सश्रृण पद धारण करने वाले या 425-800 रु० वेतनमान के पदों में कम-से-कम 8 वर्ष सेवा वाले या सम-तुल्य अधिकारी और जिन्हें स्थापन संबंधी विषयों का अनुभव हो। (प्रतिनियुक्ति की अवधि साधारणतया 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी)	समूह 'ख' विभागीय प्रोन्नति समिति	सश लोक सेवा आयोग (परामर्श से छूट) विनियम, 1958 द्वारा यथा अपेक्षित।

[म० आई० टी० बी० पी०-3/प्रशासन/69(4)-पर्स 1]

पी० के० जी० काईमल, अवर सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 5th January, 1977

G.S.R. 101.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Section Officer in the Indo-Tibetan Border Police, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Indo-Tibetan Border Police (Section Officer) Recruitment Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, classification and scale of pay.—The number of post, classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed hereto.

3. Method of recruitment, age limit and qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

SCHEDULE

Name of the Post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Section Officer	5	General Central Service Group 'B' Gazetted Ministerial.	Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.	Non-Selection.	Not Applicable	Not applicable

4. Disqualification.—No person,—

- who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Powers to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, be order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation if any	Method of rectt. whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of rectt. by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists what is its composition	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment
8	9	10	11	12	13
Not applicable	2 years	50% by promotion ; 50% by limited departmental competitive examination failing which by transfer on deputation. Note :— The limited departmental competitive examination will be held by the Intelligence Bureau with the same syllabus as for the similar examination for filling up the posts of Section Officer in the Intelligence Bureau. The result shall be announced separately from that of the Intelligence Bureau	1. Promotion : Assistants of the Indo-Tibetan Border Police with 8 years' service in the grade. 2. Limited departmental competitive examination : Assistants of the Indo-Tibetan Border Police with minimum of five years' service in the grade. 3. Transfer on Deputation : Officers holding analogous posts or with at least 8 years' service in posts in the scale of Rs. 425-800 or equivalent under the Central Government and having experience of Establishment matters. (Period of deputation ordinarily not exceeding 3 years).	Group 'B' Departmental Promotion Committee	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulations, 1958

[No. I T.B.P.-3/Admn./69(4)—Pers I]
P. K. G. KAIMAL, Under Secy.

वित्त मंत्रालय
राजस्व और बैंकिंग विभाग
(राजस्व पक्ष)

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1976

प्रधान कार्यालय संस्थापन

सां. कां. निं. 102—धन कर अधिनियम, (1957 का 27) की धारा 22 ख द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारत सरकार, राजस्व और बैंकिंग विभाग (राजस्व पक्ष) की विनांक 30 अप्रैल, 1976 की अधिसूचना संख्या सां. कां. निं. 309 (ई) में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिनियम में—

(क) मद (2) में “उसका, और” शब्दों के स्थान पर “और सर्वे श्री आरं. एमं. चट्टा और के. श्रीनिवासन, उनके सदस्यों के रूप में” शब्दों और अक्षरों को प्रतिस्थापित किया जायेगा।

(ख) मद (3) हटा दिया जायेगा।

2. यह अधिसूचना 31 दिसम्बर, 76 (अपराह्न) से लागू होगी।

[कां. सं. एं. 32014/8/76-प्रशां.]

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue & Banking)
(Revenue Wing)

New Delhi, the 31st December, 1976

HEADQUARTERS ESTABLISHMENT

G.S.R. 102.—In exercise of the powers conferred by section 22B of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957), the Central Government hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India in the Depart-

ment of Revenue and Banking (Revenue Wing) No. G.S.R. 309(E) dated, the 30th April, 1976, namely:—

In the said notification—

(a) in item (ii), for the words “thereof; and”, the words and letters, and “Sarvashri R. S. Chadda and K. Srinivasan as members thereof” shall be substituted.

(b) item (iii) shall be omitted.

2. This notification shall come into force on the 31st day of December, 1976 (A.N.).

[F. No. A. 32014/8/76-Ad.I]

प्रधान कार्यालय संस्थापन

सां. कां. निं. 103.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 245 ख द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा, भारत सरकार के राजस्व और बैंकिंग विभाग (राजस्व पक्ष) की विनांक 30 अप्रैल, 1976 की अधिसूचना सं. सां. कां. निं. 310 (ई) में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिनियम में—

(क) मद (2) में “उसका, और” शब्दों के स्थान पर “और सर्वे श्री आरं. एमं. चट्टा और के. श्रीनिवासन, उनके सदस्यों के रूप में” शब्दों और अक्षरों को प्रतिस्थापित किया जायेगा।

(ख) मद (3) को हटा दिया जायेगा।

2. यह अधिसूचना 31 दिसम्बर, 76 (अपराह्न) से लागू होगी।

[कां. सं. एं. 32014/8/76-प्रशां. I]

के. आरं. नरसिम्हन, अवर सचिव

HEADQUARTERS ESTABLISHMENT

G.S.R. 103.—In exercise of the powers conferred by section 245B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India in the Department of Revenue and Banking (Revenue Wing) No. G.S.R. 310(E) dated, the 30th April, 1976, namely :—

In the said notification—

(a) in item (ii), for the words "thereof; and", the words and letters, and Sarvashri R. S. Chadda and K. Srinivasan as members, thereof." shall be substituted;

(b) item (iii) shall be omitted.

2. This notification shall come into force on the 31st day of December, 1976 (A.N.).

[F. No. A. 32014/8/76-Ad. I]
K. R. NARASIMHAN, Under Secy.

MINISTRY OF INDUSTRY
(Department of Industrial Development)

CENTRAL BOILERS BOARD

New Delhi, the 28th December, 1976

G.S.R. 104.—The following draft for regulations further to amend the Indian Boiler Regulations, 1950, which the Central Boilers Board proposes to make in exercise of the powers conferred by section 28 of the Indian Boilers Act, 1923 (5 of 1923), is published, as required by sub-section (1) of section 31 of the said Act, for the information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration at the end of three months from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

2. Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft within the period so specified will be considered by the Central Boilers Board. Such objections or suggestions should be addressed to the Secretary, Central Boilers Board, Ministry of Industry, Department of Industrial Development, Udyog Bhavan, New Delhi.

DRAFT REGULATIONS

1. These regulations may be called the Indian Boiler (.....Amendment) Regulations, 1976.

2. In the Indian Boiler Regulations, 1950, in regulation 607, for clause (b), the following shall be substituted, namely :—

"(b) Re-validation of certificate—The certificate may be extended from time to time for a period not exceeding twenty-four months at a time on completion of a requalification test (see regulation 610) to the satisfaction of the competent authority. In case the Welder is employed in another State at the time of revalidation of a certificate, he may appear for a re-qualification test before the competent authority of that State for extension of his certificate."

[F. No. 6(15)/73-Boilers]

New Delhi, the 5th January, 1977

G.S.R. 105.—The following draft of certain regulations further to amend the Indian Boiler Regulations, 1950, which the Central Boilers Board proposes to make in exercise of the powers conferred by section 28 of the Indian Boilers Act, 1923 (5 of 1923), is published, as required by sub-section (1) of section 31 of the said Act, for the information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration after three months from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

2. Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft within the period so specified will be considered by the Central Boilers Board. Such objections or suggestions should be addressed to the Secretary Central Boilers Board, Ministry of Industry, Department of Industrial Development, Udyog Bhavan, New Delhi.

DRAFT REGULATIONS

1. These regulations may be called the Indian Boiler (.....Amendment) Regulations, 1977.

2. In the Indian Boiler Regulations, 1950, in regulation 546, for clause (c), the following clause shall be substituted, namely :—

"(c) Longitudinal welds shall be placed at the lower part of the furnace and shall break joint in successive sections at least by 150 mm."

[F. No. 6(9)/74-Boilers]

S. C. DEY, Secy.

नागरिक पूति और सहकारिता मंत्रालय

नई दिल्ली, 10 नवम्बर, 1976

सा० का० जि० 106—राष्ट्रपति, मंत्रिधन के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए नागरिक पूति और सहकारिता मंत्रालय में अनुसंधान अधिकारी और ज्येष्ठ अन्वेषक के पदों पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम नागरिक पूति और सहकारिता मंत्रालय (अनुसंधान अधिकारी और ज्येष्ठ अन्वेषक) भर्ती नियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागू होना :—ये नियम इससे उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 1 में निर्दिष्ट पदों को लागू होंगे।

3. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :—उन पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और उनके वेतनमान वे होंगे जो इससे उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

4. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अर्हताएं आदि :—उन पदों पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा अर्हताएं और उनसे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 में 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

परन्तु उन अनुसूची के स्तम्भ 6 में विहित अधिकतम आयु-सीमा अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों के अल्पवियों और अन्य विशेष प्रश्नों के व्यक्तियों की वशा में केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार शिथिल की जा सकती है।

5. निरहंताएँ :—वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होने हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो;

उपपदों में से किसी पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

6. निधिल करने की शक्ति :—जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, जहाँ वह उसके लिए जो कारण है उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबध्द को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों या पदों की बाबत आदेश द्वारा निधिल कर सकेगी

7. व्यावृत्ति :—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबध्द में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों के अध्येक्षियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबध्द करना अपेक्षित है।

अनुसूची

वर्ष का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पर अथवा अचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु सीमा	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएँ
1	2	3	4	5	6	7
1. अनुसंधान अधिकारी	2	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ख' राज-पत्रित	650-30-740-35- 810-द०रो०35- 880-40-1000-द०रो०- 40-1200 रु०	चयन	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए बिहित आयु और शैक्षिक अर्हताएँ/प्रोन्नति की दशा में लागू होगी या नहीं	परिबीक्षा की अवधि यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियाँ जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण की जाएगी/किया जाएगा	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा।
---	------------------------------	---	--	---	--

8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	दो वर्ष	प्रोन्नति द्वारा जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा	प्रोन्नति : उपेष्ट अन्वेषक और सांख्यिकी अन्वेषक (श्रेणी 1) जिसने अपनी-अपनी श्रेणी में नियमित आधार पर नियुक्ति के पश्चात् 3 वर्ष सेवा की हो और जिनके पास अर्थशास्त्र/वाणिज्य/गणित/सांख्यिकी विषय के सहित कम से कम एक उपाधि हो। प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : सदृश पद धारण करने वाले अधिकारी या ऐसे अधिकारी जिन्होंने 550-900 रुपये वेतनमान वाले पदों पर 3 वर्ष सेवा की हो और जिनके पास अर्थशास्त्र/वाणिज्य/गणित/सांख्यिकी विषय सहित कम से कम एक उपाधि हो और जो अधिक अनुसंधान/अन्वेषण का अनुभव रखते हों (प्रतिनियुक्ति की अवधि सामान्यतः 3 वर्ष से अधिक होगी।)	समूह 'ख' के लिए विभागीय प्रोन्नति समिति जिसमें निम्न-लिखित होंगे— (1) प्रशासन का भार माधक संयुक्त सचिव—अध्यक्ष (2) उप सचिव निदेशक की पंक्ति के सम्बद्ध तकनीकी अधिकारी—सदस्य (3) प्रशासन का भार-माधक उप-सचिव या निदेशक—सदस्य	संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श तब तक आवश्यक नहीं जब तक किसी अवसर पर भर्ती नियमों को निधिल न किया जाना हो।

1	2	3	4	5	6	7
2 ख़रेद अभ्यर्थक	6 साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ब' अराज-पक्षित	550-25-750-ब०रो- 30-900 रु०	चयन	35 वर्ष से अधिक (सरकारी सेवकों के लिए शिथिलनीय) टिप्पण : आयु सीमा अवधारित करने की निर्णायक तारीख अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न जो अंशमान और निको-बार द्वीप समूह और लक्ष्य द्वीप में रहते हैं) आवेदन प्राप्त करने की अन्तिम तारीख होगी।)	आवश्यक:—(1) किसी माध्यम-प्राप्त विश्वविद्यालय से धर्मशास्त्र/ कृषि अर्थशास्त्र/ वाणिज्य में कम से कम द्वितीय श्रेणी में मास्टर की उपाधि या समतुल्य। (2) आधिक अनुसंधान या अन्वेषण कार्य में दो वर्ष का अनुभव (अर्हताएं अभ्यर्थियों की वरदा में सघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती हैं, विशेषरूप से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों की वरदा में उनके लिए आरक्षित पदों के लिए अनुभव संबंधी अर्हता शिथिल की जा सकती है।)	
8	9	10	11	12	13	
अनुसूच 11 में उपर्युक्त सीमा तक	50 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा 50 प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा और दोनों के न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा	प्रोन्नति—आवश्यक जिन्होंने नियमित आधार पर नियुक्ति के पश्चात उस श्रेणी में 5 वर्ष सेवा की हो और उनके पास धर्मशास्त्र/ वाणिज्य विषय के साथ कम से कम एक उपाधि हो। प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण—सदस्य पद धारण करने वाले अधिकारी या ऐसे अधिकारी जिन्होंने 425-700 रुपये का समतुल्य वेतनमान वाले पदों पर कम से कम पांच वर्ष सेवा की हो और उनके पास अनुसूच 7 में सीधे भर्ती के लिए शिथिल की गई अर्हताएं और अनुभव हो। (प्रतिनियुक्ति की अवधि सामान्यतः 3 वर्ष से अधिक होगी।)	समूह 'ख' के पदों के लिए विभागीय या पुष्टिकरण के प्रोन्नति समिति जिस समय संघ लोक सेवा में निम्नलिखित होंगे आयोग से परामर्श आवश्यक। (1) प्रशासन का भारसाधक संयुक्त सचिव—अध्यक्ष (2) उप-सचिव/निदेशक की पंक्ति के सम्बद्ध तकनीकी अधिकारी। सदस्य (3) प्रशासन का भारसाधक उप-सचिव/निदेशक—सदस्य	सीधी भर्ती के लिए पुष्टिकरण के समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श आवश्यक।		

[फा० न० ए—12011/53/75—स्थापना]

बी० एन० गार्ग अवर सचिव

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION

New Delhi, the 10th November, 1976

G.S.R. 106.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the posts of Research Officer and Senior Investigator in the Ministry of Civil Supplies and Cooperation, namely :-

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Ministry of Civil Supplies and Cooperation (Research Officer and Senior Investigator) Recruitment Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Application.—These rules shall apply for recruitment to the posts specified in Column 1 of the Schedule annexed hereto

127GI/76--2

3. Number, Classification and Scale of pay.—The number of the said posts their classification and the scales of pay attached thereto shall be as specified in Columns, 2 to 4 of the said Schedule.

4. Method of recruitment age limit and other qualifications etc.—The method of recruitment to the said posts, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid :

Provided that the upper age limit prescribed in column 6 of the said Schedule may be relaxed in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued from time to time by Central Government.

5. Disqualification.—No person,—

(a) Who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) Who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to any of the said posts :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

6. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission relax any of the provision of these rules with respect to any class or category of persons or posts.

7. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided to candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time, in this regard.

SCHEDULE

Name of the post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or non-selection post	Age limit for direct recruit	Educational and other qualifications required for direct recruits.
1	2	3	4	5	6	7
Research Officer	2	General Central Service Group 'B' Gazetted.	Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.	Selection	Not applicable	Not applicable

Whether age and educational qualifications prescribed for the direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Methods of recruitment, whether by direct recruitment or by promotion or transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/transfer, grades from which promotion to be made	If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted while making recruitment.
8	9	10	11	12	13

Not applicable	2 years	By promotion failing which by transfer on deputation.	Promotion : Senior Investigators and Statistical Investigators (Grade I) with 3 years' service in the respective grade rendered after appointment thereto on a regular basis and possessing at least a Degree with Economics/Commerce/Mathematics/Statistics as a subject. Transfer on Deputation : Officers holding analogous posts or officers with 3 years' regular service in posts in the scale of Rs.550—900 and possessing at least a Degree with Economics/Commerce / Mathematics/Statistics as a subject and having experience of Economic research/investigation. (Period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years).	Departmental Promotion Committee for Group 'B' posts as under :— (i) Joint Secretary Incharge of Administration—Chairman. (ii) Technical Officer concerned of the rank of Deputy Secretary/Director—Member. (iii) Deputy Secretary or Director incharge of Administration—Member.	Consultation with the Union Public Service Commission not necessary unless the recruitment rules are to be relaxed on any occasion.
----------------	---------	---	---	--	---

1	2	3	4	5	6	7
Senior Investigator	6	General Central Service Group 'B' Non-Gazetted	Rs. 550-25-750-EB-30-900.	Selection	Not exceeding 30 years (Relaxable for Govt. servants) Note ; The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates (other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).	Essential : (i) At least a Second Class Master's Degree in Economics/Agricultural Economics/Commerce of a recognised University or equivalent. (ii) 2 years' experience of economic research or investigation. (Qualifications relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified ; in particular the qualification regarding experience is relaxable in case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes for posts reserved for them).
8	9	10	11	12	13	
To the extent indicated in column 11	2 years	50% by direct recruitment 50% by promotion failing which by transfer on deputation and failing both by direct recruitment.	Promotion : Investigators with 5 years' service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis and possessing at least a Degree with Economics/Commerce as a subject. Transfer on deputation : Officers holding analogous posts or with at least 5 years' service in posts in the scale of Rs. 425-700 or equivalent and possessing the qualifications and experience prescribed for direct recruits in column 7. (Period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years)	Departmental Promotion Committee for Group 'B' posts as under : (i) Joint Secretary Incharge of Administration—Chairman. (ii) Technical Officer concerned of the rank of Deputy Secretary/Director—Member (iii) Deputy Secretary or Director incharge Administration—Member	Consultation with the Union Public Service Commission shall be necessary for direct recruitment and at the time of confirmation.	

[File No. A. 12011/53/75-Estt.]

B. L. GARG, Under Secy.

स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1976

गुडि-पत्र

सा.का.नि. 107.—24 जनवरी, 1976 के भारत के राजपत्र के भाग II, खंड 3, उपखंड (i) के पृष्ठ 149 से 151 पर भारत सरकार, स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय स्वास्थ्य विभाग की अधिसूचना संख्या सा. का. नि. 104 तारीख 3 जनवरी, 1976 के अंतर्गत प्रकाशित राष्ट्रीय मलेरिया उन्मुलन कार्यक्रम निदेशालय दिल्ली (सहायक मलेरिया इंजीनियर) भर्ती नियमावली 1976 में —
पृष्ठ 151 पर अनुसूची के कालम 4 में

“650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1200

(संशोधित) रुपये” के स्थान पर

“650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000-द० रो०-

40-1200 रुपये” पढ़ा जाये।

[संख्या ए/12018/2/76-मो एंड सी डी/मलेरिया]

आनन्द प्रकाश अत्री, उप-सचिव

MINISTRY OF HEALTH & FAMILY PLANNING

(Department of Health)

New Delhi, the 31st December, 1976

CORRIGENDUM

G.S.R. 107.—In the National Malaria Eradication Programme, Directorate, Delhi (Assistant Malaria Engineer) Recruitment Rules, 1976, published with the notification of the Government of India in the Ministry of Health and Family Planning, Department of Health No. G.S.R. 104, dated the 3rd January, 1976 at pages 149 to 151 of the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i) dated the 24th January, 1976,—

At page 151, in the Schedule, in column 4, for “Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1200 (revised)” read “Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200”.

[No. A. 12018/2/76-C&CD/Malaria]

ANAND PRAKASH ATRI, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 6 जनवरी, 1977

स।० क।० वि० 108.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अष्ट विधायक, आठ अनुसंधान और मानकीकरण प्रयोगशाला, गाजियाबाद के पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्—

1 संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का नाम आठ अनुसंधान और मानकीकरण प्रयोगशाला, गाजियाबाद (अष्ट विधायक) भर्ती नियम, 1977 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2 पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान.—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वे होंगे जो इससे उपाध्य अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

3 भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अन्य शर्तें.—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, शर्तें और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

5. निरवृत्ति.—बहु व्यक्ति —

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिक्षित करने की शक्ति.—जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें देखकर के तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या वर्गों के व्यक्तियों की बाबत, धारण द्वारा, स्थगित कर सकेगी।

6. व्याप्ति.—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आदेशों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों अनुसूचित जनजातियों, और अन्य विशेष वर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा अचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य शर्तें
1	2	3	4	5	6	7
अष्ट विधायक	1	माधारण केन्द्रीय सेवा समूह 'क'	700-40-900-६०० 40-1100-50- 1300 ६०	चयन	40 वर्ष से अधिक (सरकारी सेवाओं के लिए शिक्षित की जा सकती है।) टिप्पण — आयु सीमा अवधारित करने की लिए निम्नलिखित तारीख भारत में रहने वाले अभ्यर्थियों से (उनमें शिक्ष जो अर्द्धमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप में रहते हैं) धारण प्राप्त करने की अनिवार्य तारीख होगी	आवश्यक. (i) रसायन विज्ञान/जैव-रसायन में एम० एम० सी० की उपाधि; या किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय में आठ प्रौद्योगिकी में उपाधि या समतुल्य। (ii) जैव तत्त्वों विशेषकर आठ उत्पादों के विश्लेषण का 3 वर्ष का अनुभव। (iii) आठ मानकी और आठ संरचना का प्रगाढ़ ज्ञान। (शर्तें, अन्यथा, सुअहित अभ्यर्थियों की वशा से संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार स्थिति की जा सकेगी, विशेषकर अनुभव संबंधी शर्तें अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों के मामले में उनके लिए धारित पदों के लिए स्थिति की जा सकती है।)

वांछनीय

सुसंगत क्षेत्र में डॉक्टरेट की उपाधि या समतुल्य अनुसंधान का अनुभव।

सीधे भर्ती किए जाने परीक्षा की भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति / स्थानान्तरण यदि विभागीय प्रोन्नति भर्ती करने में किन	बायें व्यक्तियों के अधि यदि कोई प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/ द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियाँ जिनसे समिति है तो उसकी परिस्थितियाँ में संघ	लिए विहित धायु और न्ना म्यानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न प्रोन्नति/ प्रतिनियुक्ति /स्थानान्तरण/की संरचना लोक सेवा आयोग से	शैक्षिक ग्रहणाए प्रोन्न- पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली जागरी/क्रिया जाएगा परामर्श किया जाएगा	नि की दशा में लागू रिक्तियों की प्रतिशतता
होगी या नहीं				

8	9	10	11	12	13
धायु—नहीं। शैक्षिक ग्रहणाए—हां।	दा वर्ष।	प्रोन्नति द्वारा जिनके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा।	प्रोन्नति ऐम कनिष्ठ विध्वेषक जिन्होंने इस श्रेणी में नियमित आधार पर नियुक्ति के पश्चात् 5 वर्ष सेवा की हो।	समूह 'क' विभागीय प्रोन्नति समिति (i) अध्यक्ष या सदस्य संघ लोक सेवा आयोग—अध्यक्ष (ii) संयुक्त सचिव— सदस्य (iii) सहायक महा- निदेशक, (खाद्य आप- मिश्रण निवारण)— सदस्य। (iv) निदेशक (प्रशासन और सतर्कता— सदस्य।	सीधी भर्ती और प्रोन्नति करने समक मध्य लोक सेवा आयोग में परामर्श आवश्यक।

[सं० ए० 12018/2/76-बी० एण्ड एम० एस०]

जी० पंचापकेशन, धरर सचिव

New Delhi, the 6th January, 1977

G.S.R. 108.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Senior Analyst, Food Research and Standardisation Laboratory, Ghaziabad, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Food Research and Standardisation Laboratory, Ghaziabad (Senior-Analyst) Recruitment Rules, 1977.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.

3. Method of recruitment, age limit and other qualifications.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

4. Disqualifications.—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any Class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	Number of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Senior Analyst	1	General Central Service Group 'A'	Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300.	Selection	Not exceeding 40 years. (Relaxable for Government servants). Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).	<p>Essential :</p> <p>(i) M.Sc. degree in Chemistry/Biochemistry. OR Degree in Food Technology of a recognised University or equivalent.</p> <p>(ii) 3 years' experience of analysis of organic materials particularly food products.</p> <p>(iii) Intimate knowledge of food standards and food composition.</p> <p>(Qualifications relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well-qualified; in particular, the qualification regarding experience is relaxable in case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes for posts reserved for them).</p> <p>Desirable : Doctorate Degree or equivalent research experience in the relevant field.</p>
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a Departmental Promotion Committee exists what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment	
8	9	10	11	12	13	
Age : No Educational Qualifications : Yes	2 years	By promotion failing which by direct recruitment.	Promotion : Junior Analysts with 5 years' service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis.	Group 'A' Departmental Promotion : Committee : (i) Chairman or Member, Union Public Service Commission—Chairman. (ii) Joint Secretary—Member (iii) Assistant Director General (Prevention of Food Adulteration)—Member. (iv) Director (Administration and Vigilance)—Member.	Consultation with the Union Public Service Commission necessary while making direct recruitment and promotion.	

[No. A-12018/2/76-D & MS]

G. P. PANCHAPAKESAN, Under Secy.

कृषि व सिंचाई मंत्रालय

(कृषि विभाग)

नई दिल्ली, 13 दिसम्बर, 1976

सा० का० सि० 109.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, वन अनुसंधान संस्थान और महाविद्यालय (वर्ग 1 और वर्ग 2 अनावधिक पद) भर्ती नियम, 1966 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं? अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का नाम वन अनुसंधान संस्थान और महाविद्यालय (वर्ग 1 और वर्ग 2 अनावधिक पद) भर्ती (द्वितीय संशोधन) नियम, 1976 है।

2. वन अनुसंधान संस्थान और महाविद्यालय (वर्ग 1 और वर्ग 2 अनावधिक पद) भर्ती नियम, 1966 की अनुसूची में, क्रम सं० 32 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा; अर्थात्:—

अनुसूची

पद का नाम।	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा अचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु सीमा।	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
फोटो कलाकार	1	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ख' अराजपत्रित अतिथिक वर्गीय	550-25-750-द०रो०- 30-900 रु०।	लागू नहीं होता।	30 वर्ष से अधिक (सरकारी सेवकों के लिए शिथिलनीय)। टिप्पण:—आयु सीमा अवधारित करने की निर्णायक तारीख, भारत में रहने वाले अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न जो अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्ष द्वीप में हैं) आवेदन प्राप्त करने की अन्तिम तारीख होगी	आवश्यक : (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय/बोर्ड से मैट्रिक या समतुल्य। (ii) किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय या संस्थान से ललित कला या वाणिज्यिक कला में डिप्लोमा। (iii) मानचित्रों, भाटों और वैज्ञानिक दृष्टांतों के रेखाचित्र बनाने में विशेष ज्ञान सहित कलाकार के रूप में कम-से-कम 2 वर्ष का अनुभव। (iv) लिखित (पेन एण्ड इंक) रेखा-चित्र जलरंग (वाटर कलर) चित्रकारी में दक्षता। (अर्हताएं, अन्यथा सुवर्हित अभ्यर्थियों की दशा में आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती हैं, विशेषकर अनुभव सम्बन्धी अर्हता, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों की दशा में उनके लिए प्रारक्षित पदों के लिए शिथिल की जा सकती हैं)

बांछनीय :

- किसी मान्यताप्राप्त तकनीकी संस्थान से फोटो-ग्राफी में डिप्लोमा।
- फोटोग्राफर के रूप में अनुभव।

सीधे भर्ती किए जाने परीक्षा की भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण यदि विभागिय प्रोन्नति भर्ती करने में किन बाले व्यक्तियों के लिए अधिक यदि कोई या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/ द्वारा भर्ती की वशा में वे भेजिया समिति है तो उसकी परिस्थितियों में संघ विभिन्न आयु और हो स्थानांतरण द्वारा तथा विभन्न जिले प्रोन्नति (प्रतिनियुक्ति/स्थाना- सरजता लोक सेवा आयोग से शैक्षिक अर्हताएं पद्धतियों द्वारा भरे जाने वाली स्तरण किया जाएगा परामर्श किया जाएगा प्रोन्नति की वशा में रिक्तियों का प्रतिशत लागू होगी या नहीं

लागू नहीं होता 2 वर्ष सीधी भर्ती द्वारा लागू नहीं होता लागू नहीं होता चयन संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से किया जाएगा।"

[सं० 1-9/75-एफ० प्रार० वाई-1]

जगदीश चन्द्र, अवर सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION

(Department of Agriculture)

New Delhi, the 13th December, 1976

G.S.R. 109.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Forest Research Institute and Colleges, (Class I and Class II non-tenure posts) Recruitment Rules, 1966, namely :—

1. (1) These rules may be called the Forest Research Insti-

tute and Colleges, (Class I and Class II non-tenure posts) Recruitment (second amendment) Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Forest Research Institute and Colleges, (Class I and Class II non-tenure posts) Rules, 1966, for serial number 32 and the entries relating thereto, the following shall be substituted, namely :—

THE SCHEDULE

Recruitment rules for the post of Photo Artist at the Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun in the Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Agriculture).

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection	Age limit for direct recruits	Educational and other qualification required for direct recruitment
1	2	3	4	5	6	7
"32. Photo Artist	1	General Central Service, Group 'B', Non-Gazetted, Non-Ministerial	Rs. 550-25-750-EB-30-900.	Not applicable.	Not exceeding 30 years (Relaxable for Government Servants). Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).	Essential : (i) Matriculation of a recognised University/Board or equivalent. (ii) Diploma in Fine Arts or Commercial Arts from a recognised University or Institute. (iii) At least 2 years' experience as an Artist with Specialised knowledge in Drawing of Maps, Charts and Scientific illustrations. (iv) Proficiency in pen and ink drawing and water colour painting. (Qualifications relaxable at the Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified; in particular, the qualification regarding experience is relaxable in case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates for posts reserved for them). Desirable : (i) Diploma in Photography from a recognised Technical Institute. (ii) Experience as a Photographer.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees.	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment
8	9	10	11	12	13
Not applicable	2 years	By direct recruitment	Not applicable	Not applicable	Selection shall be made in consultation with the Union Public Service Commission

[No. 1-9/75-FRY. I]

J. CHANDRA, Under Secy.

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

नई दिल्ली, 3 जनवरी, 1977

सा० का० नि० 110.—राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (वर्ग 4 भराजपत्रित पद) भर्ती नियम, 1967 में और संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :-

1. (1) इन नियमों का नाम भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (वर्ग 4 भराजपत्रित पद) भर्ती (द्वितीय संशोधन) नियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (वर्ग 4, भराजपत्रित पद) भर्ती नियम, 1967 की अनुसूची में, चपरासी/परिचर के पद से संबंधित क्रम संख्या 23 के सामने,—

(क) स्तम्भ 7 में की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जायेगा, अर्थात् —

“75 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा और 25 प्रतिशत स्थानांतरण द्वारा।”

(ख) स्तम्भ 12 में की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जायेगा, अर्थात् :-

“ऐसे आदमियों, फारीशों आदि में से स्थानांतरण द्वारा जिन्होंने सम्बंध क्षेत्रों में न्यूनतम 5 वर्ष सेवा की हो और जो प्रारम्भिक रूप में साक्षर हो और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण में सरल लिखित परीक्षा के आधार पर हिन्दी में पढ़ सकने की योग्यता का समूह दे सके।”

[सं०/36/4/76-प्रशासन-2]

एम० एम० देशपाण्डे, सहायनियोजक

ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

New Delhi, the 3rd January, 1977

G.S.R. 110.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Archaeological Survey of India (Class IV, Non-Gazetted Posts) Recruitment Rules, 1967, namely:—

1.(1) These rules may be called the Archaeological Survey of India (Class IV, Non-Gazetted Posts) Recruitment (Second Amendment) Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Archaeological Survey of India (Class IV, Non-gazetted Posts) Recruitment Rules, 1967, against Serial No. 23 relating to the post of Peon/Attendant—

(a) for the entry in Column 7, the following shall be substituted, namely:—

“75 per cent by Direct Recruitment and 25 per cent by Transfer”;

(b) for the entry in Column 12, the following shall be substituted, namely:—

“By Transfer from amongst Sweepers, Farashes etc. who have put in a minimum of 5 years' service in respective Grades and who possess elementary literacy and give proof of ability to read in Hindi on the basis of a simple written test in the Archaeological Survey of India”.

[No. 36/4/76-Adm. II]

M. N. DESHPANDE, Dir. Gen.

विज्ञान और औद्योगिकी विभाग

नई दिल्ली, 4 जनवरी, 1977

सा० का० नि० 111.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए प्रशासन अधिकारी (राष्ट्रीय एटलस संगठन) भर्ती नियम, 1971 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं अर्थात् :-

1. सक्षिप्त नाम और प्रारम्भ — (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम प्रशासन अधिकारी (राष्ट्रीय एटलस संगठन) भर्ती (संशोधन) नियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. प्रशासन अधिकारी (राष्ट्रीय एटलस संगठन) भर्ती नियम, 1971 के नियम 6 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अन्तर्स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

“ 7. इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष वर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना अवश्य है।”

3. प्रशासन अधिकारी (राष्ट्रीय एटलस संगठन) भर्ती नियम, 1971 की अनुसूची में, प्रशासन अधिकारी के पद से संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रखी जाएंगी, अर्थात् --

अनुसूची

पद का नाम	प्रवर्ग की संख्या	प्रशिक्षण	वेतनमान	अन्य पद अथवा अचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु सीमा	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7

प्रशासन अधिकारी	साधारण केन्द्रीय सेवा	650-30-740-35	अध्यक्ष	35 वर्ष से अधिक आयु		आवश्यक
	समस्त राजपूत	810-40-1000-40		(सरकारी पत्रकारों के लिए शिपिंग की जा सकती है)		(1) किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय से कला/वाणिज्य/विज्ञान में उपाधि या समतुल्य।
	(क्षेत्रिकवर्गीय)	880-40-1000-40		द्विपक्षीय अथवा त्रिपक्षीय तत्परता के अभाव में प्रवर्तित करने की आवश्यकता नहीं है।		(2) किसी सरकारी या अर्ध-सरकारी संगठन या किसी निजी संस्थान से किसी उच्चतर शैक्षणिक/वैज्ञानिक/प्रशासनिक/वैद्यकीय/कृषि/सामरिक/अन्य क्षेत्र में 15 वर्ष का अनुभव जिसमें से 3 वर्ष कम से कम अनुभव स्थापन/वित्तीय मामलों में, जिनमें बजट/लेखा कार्य भी सम्मिलित है, होना चाहिए।
		840-40-1200-40		अनुभव और निष्पक्षता के अभाव में प्रवर्तित करने की आवश्यकता नहीं है।		सर्वोच्च श्रेणी के अधिकारियों के साथ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिपिंग की जा सकती है, विशेषकर अनुभव संबंधी अर्हताएं अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के मामले में उनके लिए निर्दिष्ट पदों के लिए शिपिंग की जा सकती है।

वांछनीय

(1) सरकारी नियमों और विनियमों का ज्ञान।

(2) किसी वैज्ञानिक/तकनीकी/प्रशासनिक विभाग या संगठन में कार्य करने का अनुभव।

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक प्रवृत्ताएं प्रोन्नति की दशा में लागू होगी या नहीं	परिबीजा की प्रवधि भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिशत	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण की जाएगी/किया जाएगा	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	यहां पर ध्यान देना कि कौन-कौन सी श्रेणियां प्रोन्नति के लिए योग्य होंगी
--	---	--	---	---

8	9	10	11	12	13
नहीं	2 वर्ष	प्रोन्नति द्वारा, जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा और दोनों के न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा।	प्रोन्नति : राष्ट्रीय ऐटलस संगठन में कार्यालय अधीक्षक, जिन्होंने उस श्रेणी में नियमित आधार पर नियुक्ति के पश्चात् 3 वर्ष सेवा कर ली हो। प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : केन्द्रीय सरकार के अधीन भव्य पद धारण करने वाले अधिकारी या ऐसे अधिकारी, जिन्होंने 550-900 रु० के वेतनमान वाले या समतुल्य पदों पर क्रमशः 3 या 8 वर्ष सेवा की हो और जिन्हें स्थापन और लेखा कार्य का अनुभव हो। (प्रतिनियुक्ति की प्रवधि सामान्यतः 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी)।	समूह 'ख' विभागीय प्रोन्नति समिति जिसमें निम्नलिखित होंगे :— क. जहां संघ लोक सेवा आयोग का प्रतिनिधित्व किया गया है वहां— 1. संघ लोक सेवा आयोग का सदस्य, 2. निदेशक, राष्ट्रीय ऐटलस संगठन, 3. संयुक्त निदेशक, राष्ट्रीय ऐटलस संगठन, 4. उपनिदेशक, राष्ट्रीय ऐटलस संगठन (चक्रा- नूक्रम में) 5. ज्येष्ठ प्रशासन अधिकारी, राष्ट्रीय ऐटलस संगठन। ख. जहां संघ लोक सेवा आयोग का प्रतिनिधित्व नहीं किया गया है वहां— 1. निदेशक, राष्ट्रीय ऐटलस संगठन, 2. संयुक्त निदेशक, राष्ट्रीय ऐटलस संगठन, 3. उपनिदेशक, राष्ट्रीय ऐटलस संगठन (चक्रा- नूक्रम में), 4. ज्येष्ठ प्रशासन अधि- कारी, राष्ट्रीय ऐटलस संगठन।	सीधी भर्ती और सीधी भर्ती किए गए व्यक्ति को पुष्टि- करण करते समय परामर्श आवश्यक।

DEPARTMENT OF SCIENCE AND TECHNOLOGY

New Delhi, the 4th January, 1977

G.S.R. 111.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Administrative Officer (National Atlas Organisation) Recruitment Rules, 1971, namely :—

1. (1) These rules may be called the Administrative Officer (National Atlas Organisation) Recruitment (Amendment) Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. After rule 6 of the Administrative Officer, (National Atlas Organisation) Recruitment Rules, 1971, the following rule shall be inserted, namely :—

“7. Saving :—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.”

3. In the Schedule to the Administrative Officer (National Atlas Organisation) Recruitment Rules, 1971, for the entries relating to the post of Administrative Officer, the following entries shall be substituted, namely :

SCHEDULE

Name of the post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Age for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Administrative Officer.	1	General Central Service, Group 'B' Gazetted (Ministerial)	Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.	Selection	Not exceeding 35 years. (Relaxable for Government servants). Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates (other than those in Andaman Islands and Nicobar Islands and Lakshadweep).	<p>Essential :</p> <p>(i) Degree in Arts/Commerce/Science of a recognised University or equivalent.</p> <p>(ii) 5 years' experience in a responsible capacity in a Government or Semi-Government Organisation or a Commercial concern of repute out of which 3 years' experience should be in establishment/financial matter including budget/accounts work.</p> <p>(Qualifications relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified; in particular, the qualifications regarding experience is relaxable in case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes for posts reserved for them).</p> <p>Desirable :</p> <p>(i) Knowledge of Government rules and regulations.</p> <p>(ii) Experience of working in a Scientific/Technical/Survey Department or Organisation.</p>

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment
8	9	10	11	12	13
No.	2 years	By promotion, failing which by transfer on deputation and failing both, by direct recruitment.	<p>Promotion :</p> <p>Office Superintendents in the National Atlas Organisation with 3 years' service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis.</p> <p>Transfer on deputation :</p> <p>Officers under the Central Government holding analogous posts or with 3 to 8 years service in posts in the scale of Rs. 550—900/ Rs. 425—700 or equivalent respectively and having experience of establishment and accounts work.</p> <p>(Period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years).</p>	<p>Group 'B' Departmental Promotion Committee consisting of :—</p> <p>A. Where Union Public Service Commission is represented :</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. Member of the Union Public Service Commission 2. Director, National Atlas Organisation. 3. Joint Director, National Atlas Organisation. 4. Deputy Director, National Atlas Organisation (by rotation). 5. Senior Administrative Officer, National Atlas Organisation. <p>B. Where Union Public Service Commission is not represented.</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. Director, National Atlas Organisation. 2. Joint Director, National Atlas Organisation. 3. Deputy Director, National Atlas Organisation (by rotation). 4. Senior Administrative Officer, National Atlas Organisation. 	<p>Consultation necessary while making direct recruitment and confirmation of a direct recruit.</p>

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, 23 दिसम्बर 1976

सां. कां. निं. 112.—केन्द्रीय सरकार, भारतीय रेल अधिनियम, 1890 (1890 का 9) की धारा 47 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए चालू लाइन (भारतीय रेल) सामान्य नियम, 1929 में और संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्—

1. (1) ये नियम चालू लाइन (भारतीय रेल) सामान्य (संशोधन) नियम, 1976 कहे जा सकेंगे।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. चालू लाइन (भारतीय रेल) सामान्य नियम, 1929 भाग I में—

(i) नियम 145 के स्थान पर, निम्नलिखित नियम रखा जायेगा, अर्थात्—

“145 पिछली तख्ती या पिछली बत्ती.—(1) सिवाय उन दशाधों के जिनमें उपनियम (2) लागू होता है, कर्मचारियों को यह बताने के लिए कि गाड़ी पूरी है, सबसे अंतिम डिब्बे की पहचान के लिए उसके, पीछे—

(क) दिन में, अनुमोदित डिजाइन की एक पिछली तख्ती (थल बोर्ड) या लाल रंग से पेंट की हुई, अनुमोदित डिजाइन की पिछली बत्ती, जो कुन्नी हुई भी हो सकती है, या

(ख) रात में अथवा धुंध, कोहरे या बूझानी मौसम में जबकि दिन में साफ दिखाने न देता हो, भी अनुमोदित डिजाइन की लाल पिछली बत्ती जो जली हुई होगी, या

(ग) कोई ऐसा अन्य चिन्ह, जो विशेष अनुदेशों द्वारा प्राधिकृत किया गया हो लगाया जायेगा।

(2) कोयला खान पाइलट, अर्थात् ऐसी गाड़ी, जो कोलियरी साइडिंगों में डिब्बे इकट्ठे करने या वितरण करने का काम करती है, जबकि किसी ब्लॉक खण्ड में या किसी ब्लॉक खण्ड से निकलने वाली कोलियरी साइडिंगों में काम कर रही हो तो उसमें पिछली तख्ती या पिछली बत्ती या विशेष अनुदेशों द्वारा यथा-प्राधिकृत कोई अन्य चिन्ह लगाने की आवश्यकता केवल तभी है, जबकि वह गाड़ी उस ब्लॉक खण्ड के दोनों और स्थित किसी भी ब्लॉक स्टेशन में दाखिल हो या वहां से चले परन्तु यह सुनिश्चित करने के लिए विशेष अनुदेश दे दिये जाये कि ब्लॉक खण्ड में तब तक किसी दूसरी गाड़ी को प्रवेश नहीं करने दिया जायेगा जब तक कि कोयला-पाइलट का गाड़ी यह प्रमाण-पत्र न दे कि जिस ब्लॉक खण्ड में वह गाड़ी चला रहा था, उसने उस ब्लॉक खण्ड में रुकावट डालने वाला कोई डिब्बा नहीं छोड़ा है।

(3) पिछली तख्ती या कुन्नी हुई पिछली बत्ती की जगह लाल झंडी का इस्तेमाल केवल आपात् स्थितियों में और प्रत्येक बार, विशेष अनुदेशों के अधीन ही किया जा सकेगा”।

(ii) नियम 280 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जायेगा, अर्थात्—

“280 स्वचाल सिगनलिंग वाले खण्ड में रुकी हुई गाड़ी का बचाव—

(1) जब कोई गाड़ी किसी स्वचाल सिगनलिंग वाले खण्ड में रुक जाये, तो गाड़ी तुरन्त पीछे की और ‘खतरे’ का हथ-सिगनल दिखायेगा और देखेगा कि पिछली तख्ती या बत्ती ठीक से लगी हुई है।

(2) यदि गाड़ी बुर्बटना, खराबी या रुकावट के कारण रुकी हो और वह आगे नहीं बढ़ सकती तो ड्राइवर निर्धारित कोड में सीटी बजाएगा और गाड़ी का बचाव तुरन्त नियम 166 के अनुसार किया जाएगा, परन्तु जिस लाइन पर वह गाड़ी रुकी है, उस लाइन के बचाव के लिए एक पटाखा, जिधर से

वह गाड़ी आयी हो, उस दिशा में गाड़ी से 90 मीटर के फासले पर रखा जायेगा और उसके बाव गाड़ी से कम से कम 180 मीटर के फासले, या उतने फासले पर जितना विशेष अनुदेशों द्वारा नियत किया गया हो, या पटाखे, 10-10 मीटर के फासले पर रखे जायेंगे।”

[मं. 70/सेफ्टी (एं. एण्ड. आर.) 29/13/68]

[सं. 75/सेफ्टी (एं. एण्ड. आर.) 29/26/68]

बी० एम० कौल, सदस्य यासायात, रेलवे बोर्ड,

और भारत सरकार के पदेन सचिव

MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

New Delhi, the 23rd December, 1976

G.S.R. 112.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 47 of the Indian Railways Act, 1890 (9 of 1890), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Open Lines (Railways in India) General Rules, 1929, namely :—

1. (1) These rules may be called the Open Lines (Railways in India) General (Amendment) Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Open Lines (Railways in India) General Rules, 1929, in Part I—

(i) for rule 145, the following rule shall be substituted, namely :—

“145. Tail board or tail lamp.—(1) In order to indicate to the staff that a train is complete, the last vehicle shall, except as provided for in sub-rule (2), distinguished by affixing to the rear of it—

(a) by day, a tail board of approved design or a red printed tail lamp of approved design which may be unlit, or

(b) by night, as well as in thick, foggy or tempestuous weather impairing visibility during day, a red tail lamp of approved design which shall be lit, or

(c) such other device as may be authorised by special instructions.

(2) A colliery pilot, i.e., a train used for collecting or distributing vehicles in colliery sidings, when working in a block section or in the colliery sidings taking off from a block section, need carry a tail board or tail lamp, or such other device as may be authorised by special instructions, only as it enters or leaves the block station at either end of such block section, provided that special instructions are issued to ensure that no other train is permitted to proceed into the block section until the Guard of the colliery pilot certifies that he has left no vehicle obstructing the block section in which he has been working.

(3) In emergencies only, and under special instructions in each case, a red flag may be used in lieu of a tail board or an unlit tail lamp.”

(ii) for rule 280, the following rule shall be substituted, namely :—

“280. Protection of a train stopped in an Automatic Signalling Section.—(1) When a train is stopped in an Automatic Signalling Section, the Guard shall immediately exhibit a ‘Danger’ hand signal towards the rear and check up that the tail board or tail light is correctly exhibited.

(2) If the stoppage is on account of accident, failure of obstruction and the train cannot proceed, the Driver shall should the prescribed code of whistle and the train shall be protected immediately as per rule 166 except that for the protection of the occupied line, one detonator shall be placed at 90 metres from the train on the way out and similarly two detonators, 10 metres apart, not less than 180 metres from the train or at such distance as has been fixed by special instructions.”

[No. 70/Safety(A&R)/29/13/68]

[No. 75/Safety(A&R)/29/26/68]

B. M. KAUL, Member

Traffic Railway Board,

and Ex-officio Secy. to the Govt. of India

सई विल्ली, 30 दिसम्बर, 1976

पञ्च

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT
(Transport Wing)

New Delhi, the 30th December, 1976

PORTS

G.S.R. 113.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, and in supersession of the Mangalore and Tuticorin Harbour Projects (Class I and Class II posts) Recruitment Rules, 1965, in so far as they relate to the post of Chief Engineer and Administrator, the President hereby makes the following rules Regulating the method of recruitment to the Group 'A' post of Chief Engineer and Administrator in the port of New Mangalore under the Ministry of Shipping and Transport, namely:—

1. Short Title and commencement.—(1) These Rules may be called the Port of New Mangalore (Chief Engineer and Administrator) Recruitment Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of the said posts, classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed hereto.

3. Method of recruitment, age limit and qualifications, etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

4. Liability to serve in any Defence Service or posts connected with the Defence of India.—Any person appointed to the said post shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or posts connected with the defence of India

for a period of not less than four years including the periods spent on training, if any :

Provided that such person,—

(a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of 10 years from the date of appointment;

(b) shall not be ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of 40 years.

5. Disqualification.—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

6. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do it may, by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

7. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for candidates belonging to the Scheduled castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	Number of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or non-selection post	Age limit of direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Chief Engineer and Administrator	1	General Central Service Group 'A'	Rs. 2000-125/2-2250.	Not applicable	Not applicable	Not applicable
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation or transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion or deputation or transfer grades from which promotion or deputation or transfer to be made.	If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment	
8	9	10	11	12	13	
Not applicable	Not applicable	By transfer on deputation or (including short term contract) or transfer.	Transfer on deputation (including short term contract) or transfer : Officers holding analogous posts under the Central Government or State Government, Major Ports or Public Sector Undertakings. (Period of deputation or contract shall ordinarily not exceed 5 years).	Not applicable	Selection shall be made in consultation with the Union Public Service Commission.	

सा० का० वि० 114.—राष्ट्रपति, सचिवालय के सन्तुष्टि 309 के परन्तुक्त द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और मगसौर और तृतीकारित बम्बरगाह परियोजना (वर्ग 1 और वर्ग 2) भर्ती नियम, 1965 का अन्तर्गत आका सम्बन्धी अधिकार के पद पर है, अधिमान्त करते हुए, नौकरान और परिवर्तन मंत्रालय के अधीन नवमगलौर पत्तन में सचिव के समूह 'क' पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्—

1 सञ्चित नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का नाम नवमगलौर पत्तन (सचिव) भर्ती नियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2 पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान.—उक्त पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और उनके वेतनमान वे होंगे जो हमसे उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

3 भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अर्हताएं आदि.—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

4 निरर्हताएं.—वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होने हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो,

उक्त पदों में से किसी पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5 शिथिल करने की शक्ति.—जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके तथा मंत्र लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा, शिथिल कर सकेगी।

6 व्यावृत्ति.—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	अन्य पद अथवा अचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
सचिव	1	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'क'	700-40-900-६० १००-40-1100-50- 1300 ₹०	चयन	35 वर्ष से अधिक (सरकारी सेवाओं के लिए शिथिलनीय) टिप्पण :—आयु सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख भारत के अध्यापिका (उनसे भिन्न जो अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप संघ राज्य क्षेत्रों में रहते हैं) से आवेदनों की प्राप्ति की अंतिम तारीख होगी	आवश्यक. (1) किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय से उपाधि या समतुल्य। (2) किसी सरकारी विभाग या लोक निकाय या औद्योगिक समुदाय से स्थापन और लेखा कार्य का 5 वर्ष का अनुभव। (अर्हताएं अन्यथा सुअहित अभ्यापिका की वशा में, संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिलनीय, विशेषतया अनुभव संबंधी अर्हता अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अभ्यापिका की वशा में उनके लिए आरक्षित पद की बाबत शिथिल की जा सकती है)। बांछनीय— (1) परतन प्रबंध और कार्यकरण का ज्ञान। (2) सरकारी नियमों और विनियमों का ज्ञान।

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित प्रामु और शैक्षिक अर्हताएँ प्रोन्नति की वशा में लागू होगी या नहीं	परिकीर्षा की अवधि, यदि कोई हो	भर्तियों की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिशत	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियाँ जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण की जाएगी/किया जाएगा	यदि विभागीय पोस्टानि समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में सघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा
--	-------------------------------	--	--	--	--

8	9	10	11	12	13
---	---	----	----	----	----

प्रोन्नति :—

नहीं	दो वर्ष	प्रोन्नति द्वारा जिसके न होने पर प्रतिनियुक्ति (जिसमें अल्प-कालिक संधिदा सम्मिलित है) पर स्थानान्तरण द्वारा और दोनों के न होने पर सीधी भर्ती द्वारा	नेसे अधीनस्थ जिनमें उम्र श्रेणी में 5 वर्ष नियमित सेवा की हो। प्रतिनियुक्ति (अल्प-कालिक संधिदा सम्मिलित है) पर स्थानान्तरण केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार या महापत्तन न्यायो या पब्लिक सेक्टर उपक्रमों में मनुष्य पद धारण करने वाले अधिकारी या ऐसे अधिकारी जिन्होंने 650-1200 रु० के या समतुल्य वेतनमान के पदों पर 3 वर्ष सेवा की हो और जिनके पास सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित अर्हताएँ और अनुभव हों।	समूह 'क' विभागीय प्रोन्नति समिति, जिसमें निम्नलिखित होंगे :— (1) सघ लोक सेवा आयोग का सदस्य—सदस्य (2) संयुक्त सचिव, नीवहन और परिवहन मंत्रालय—सदस्य (3) मुख्य इंजीनियर और प्रशासक नवमंगलौर पत्तन—सदस्य	चयन सघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से किया जाएगा।
------	---------	---	---	---	--

(प्रतिनियुक्ति या संधिदा की अवधि, सामान्यतया 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी)।

[सं० पी० ई० एल-55/75-II]

PORTS

G.S.R. 114.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, and in supersession of the Mangalore and Tuticorin Harbour Projects (Class I and Class II posts) Recruitment Rules, 1965, in so far as they relate to the post of Secretary, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the Group A post of Secretary in the Port of New Mangalore under the Ministry of Shipping and Transport, namely:—

1. Short Title and commencement.—(1) These Rules may be called the port of New Mangalore (Secretary) Recruitment Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of the said posts, classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed hereto.

3. Method of recruitment age limit and qualifications, etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

4. Disqualification.—No person—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to any of the said posts :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for candidates belonging to the Scheduled castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	Number of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or non-selection post	Age limit of direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits.
1	2	3	4	5	6	7
Secretary	1	General Central Service Group 'A'	Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300.	Selection	Not exceeding 35 years (Relaxable for Government servants). Note :—The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in the Union territories of the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).	Essential : (i) Degree of a recognised University or equivalent. (ii) 5 years' experience of establishment and accounts work in a Government Department or a Public Body or industrial concern. (Qualifications relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified in particular the qualification regarding experience is relaxable in case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes for post reserved for them). Desirable : (i) Knowledge of Port Management and working. (ii) Knowledge of Government Rules and Regulations.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation or transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion or deputation or transfer grades from which promotion or deputation or transfer to be made	If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment
8	9	10	11	12	13

Promotion :

No	2 years	By promotion failing which by transfer on deputation (including short-term contract) and failing both by direct recruitment.	Superintendent with 5 years' regular service in the grade. Transfer on deputation (including short-term contract) Officers holding analogous posts or with 3 years' service in posts in the scale of Rs. 650—1200 or equivalent under the Central Government or State Government Major Port Trusts or Public Sector Undertakings and possessing the qualifications and experience prescribed for direct recruits. (Period of deputation or contract shall ordinarily not exceed 3 years).	Group 'A' Departmental Promotion Committee consisting of :— 1. A member of the Union Public Service Commission—Chairman 2. Joint Secretary Ministry of Shipping & Transport—Member 3. The Chief Engineer and Administrator, Port of New Mangalore—Member.	Selection shall be made in Consultation with the Union Public Service Commission.
----	---------	--	---	--	---

[No. PEL-55/75-II]

पलन

सा० का० नि० 115 —राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक्त द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और मंगलौर और तूतीको-रिन बन्दगाह परियोजना (वर्ग 1 और वर्ग 2 पद) भर्ती नियम, 1965 को जहाँ तक उनका संबंध सामुद्रिक सर्वेक्षक के पद से है, अधिग्रहण करते हुए, नौबहन और परिवहन मंत्रालय के अधीन नवमंगलौर पलन में सामुद्रिक सर्वेक्षक के समूह 'ख' पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का नाम नवमंगलौर पलन (सामुद्रिक सर्वेक्षक) भर्ती नियम, 1976 है ।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख की प्रवृत्त होंगे।

2 पद सञ्चालन, वर्गीकरण और वेतनमान—उक्त पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और उनके वेतनमान वे होंगे जो इससे उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अर्हताएं आदि—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उसमें संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरुद्धताएं—वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होने हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का मतभेद हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद हों तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति—जहां केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह, उसके लिए जो कारण हैं, उन्हें लेखबद्ध करके तथा सचलाक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा, शिथिल कर सकेगी।

6. व्याख्या:—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे प्रारक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा प्रचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
सामुद्रिक सर्वेक्षक	1	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ख' राजपत्रित अलिपिक-वर्गीय	650-30-740-35- 810-२० रो०-35- 880-40-1000- २० रो०-40-1200 २०	चयन	35 वर्ष से अधिक (सरकारी सेवकों के लिए शिथिलनीय) टिप्पण:—आयु सीमा अवधारित करने की निर्णायक तारीख, भारत में रहने वाले अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न जो अर्हमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप सच राज्य क्षेत्रों में रहते हैं) आवेदन प्राप्त करने की अनिवार्य तारीख होगी	आवश्यक (1) किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय से सिविल इंजीनियरी में उपाधि या सम-तुल्य या इफरिन या 'राजेन्द्र' की अंतिम पासिंग-आउट परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाणपत्र या (ii) भारतीय नौसेना या वाणिज्यिक नौसेना या जलराशिक सर्वेक्षण संगठन में तीन वर्ष का व्यवहारिक अनुभव, जिसमें से लगभग 2 वर्ष का व्यवहारिक अनुभव जलराशिक सर्वेक्षण में हो। (अर्हताएं, अन्यथा मुद्राहृत अभ्यर्थियों की दशा में, सचलाक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिलनीय, विशेषतया अनुभव सम्बन्धी अर्हता अनुसूचित जातियों अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों की दशा में, प्रारक्षित पदों के सम्बन्ध में, शिथिल की जा सकती है।

सीधे भर्ती किए जाने पर किसी भी व्यक्ति के लिए अवधि, यदि विहित प्रायः सीमा कोई है और वैश्विक महत्वात् प्रोत्सर्ग की वृत्ति में लागू होगी या नहीं	भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोत्सर्ग द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रणिजन	प्रोत्सर्ग/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियाँ जिनसे प्रोत्सर्ग/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा/की जाएगी	यदि विभागीय प्रोत्सर्ग समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने से कितनी परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा
---	--	--	--	--

8	9	10	11	2	13
नहीं	दो वर्ष	50 प्रतिशत प्रोत्सर्ग द्वारा, जिसके न होने पर प्रतिनियुक्ति (जिसमें अल्प-कालिक सविदा भी सम्मिलित है) पर स्थानान्तरण द्वारा और दोनों के न होने पर सीधी भर्ती द्वारा।	ऐसे सहायक सामूहिक सर्वेक्षक जिन्होंने उस श्रेणी में 3 वर्ष निरन्तर सेवा की है। प्रतिनियुक्ति (जिसमें अल्प-कालिक सविदा भी सम्मिलित है) पर स्थानान्तरण या स्थानान्तरण केन्द्रीय सरकार, राज्य सरकारों, महा पत्तनों, पत्तन व्याप्त पञ्चक संस्कार उपक्रमों और मत्स्य पत्तन डेजिंग और सर्वेक्षण संगठनों के सदस्य पद धारण करने वाले अधिकारी या ऐसे अधिकारियों जिन्होंने 550-900 रु के या समतुल्य वेतनमान के पदों पर कम से कम 3 वर्ष सेवा की है और जिनके पास सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित अहंताएँ और अनुभव हों। (प्रतिनियुक्ति या सविदा की अवधि मामान्यतया 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी)	समूह 'ख' विभागीय प्रोत्सर्ग समिति में निम्नलिखित होंगे: (1) मुख्य इंजीनियर और प्रशासक—अध्यक्ष (2) उपसंरक्षक या बन्दरगाह मास्टर या यातायात प्रबंधक या कार्यपालक इंजीनियर (मुख्य इंजीनियर और प्रशासक द्वारा नामनिर्दिष्ट किया जाएगा)—सदस्य (3) कित्त सलाहकार और मुख्य लेखाधिकारी—सदस्य (4) अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का प्रतिनिधित्व करने वाले केन्द्रीय सरकार के अन्य विभाग का अधिकारी—सदस्य (5) सचिव—सदस्य सचिव	सीधी भर्ती और स्थानान्तरण या प्रतिनियुक्ति या सविदा द्वारा नियुक्ति के लिए चयन, संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से किया जाएगा।

(5) सचिव—सदस्य सचिव

[सं० पी० ई० एन-55/75-III]

PORTS

G.S.R. 115.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, and in super-session of the Mangalore and Tuticorin Harbour projects (Class I and Class II posts) Recruitment Rules, 1965, in so far as they relate to the post of Marine Surveyor, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the Group B post of Marine Surveyor in the Port of New Mangalore, under the Ministry of Shipping and Transport, namely :—

1. Short Title and commencement—(1) These Rules may be called the port of New Mangalore (Marine Surveyor) Recruitment Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of posts, classification and scale of pay—The number of the said posts, classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of Schedule annexed hereto.

3. Method of recruitment, age limit and qualifications, etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule annexed hereto.

4. Disqualification.—No person,—

- who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- who having a spouse living, has entered into or contracted marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for candidates belonging to the Scheduled castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	Number of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or Non-Selection Post	Age limit of direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Marine Surveyor	1	General Central Service, Group 'B' Gazetted Non-Ministerial	Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200	Selection	Not exceeding 35 years (Relaxable for Government servant). Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in the Union Territories of the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).	Essential : (i) Degree in Civil Engineering of a recognised University or equivalent. OR Certificate of having passed the Duffierin or "Rajendra" Final passing out Examination OR Ministry of Transport Certificate of Competency as second Mate (Foreign going) or higher. (ii) 3 years' practical experience either in the Indian Navy or Merchant Navy or a Hydrographic Survey Organization including about 2 years' practical experience in Hydrographic Surveying. (Qualifications relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified; in particular the qualification regarding experience is relaxable in case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes for posts reserved for them).
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation or transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion or deputation or transfer grades from which promotion or deputation or transfer to be made		If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment
8	9	10	11		12	13
No	2 years	50% by promotion failing which by transfer on deputation (including short term contract) and failing both by direct recruitment. 50% by direct recruitment failing which by transfer on deputation (including short term contract) or transfer.	Promotion : Assistant Marine Surveyor with 3 years' regular service in the grade. Transfer on deputation (including short term contract) or transfer : Officers under the Central Government, State Governments, Major Ports, Port Trusts, Public Sector Undertakings and Minor Ports Dredging and Survey Organisations holding analogous posts or with at least 3 years' service in posts in the scale of Rs 550-900 or equivalent and possessing the qualifications and experience prescribed for direct recruits. (Period of deputation or contract shall ordinarily not exceed 3 years).		Group 'B' Departmental Promotion Committee consisting of :— (1) Chief Engineer and Administrator—Chairman (2) Deputy Conservator or Harbour Master or Traffic Manager or Executive Engineer (to be nominated by Chief Engineer and Administrator)—Member (3) Financial Adviser and Chief Accounts Officer—Member (4) Officer from other Central Government representing Scheduled Caste or Scheduled Tribe—Member (5) Secretary - Member-Secretary	Selection for appointment by direct recruitment and transfer or deputation or contract shall be made in consultation with the Union Public Service Commission.

पदान

सा० का० वि० 116.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और मंगलौर और तूतोकोरिन बन्दरगाह परियोजना (वर्ग 1 और वर्ग 2 पद) भर्ती नियम, 1965 को, जहाँ तक उनका सम्बन्ध खदान प्रबन्धक के पद से है अधिकांश करने हुए, नौबान्न और पन्थिन्न मन्त्रालय के अधीन नव मंगलौर पत्तन में खदान प्रबन्धक के समूह 'ख' पद पर भर्ती की पद्धति को अनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात्—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का नाम नव मंगलौर पत्तन (खदान प्रबन्धक) भर्ती नियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद-संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :—उन पदों की संख्या, वर्गीकरण और उनके वेतनमान वे होंगे जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, और अर्हताएं आदि :—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

4. किसी रक्षा सेवा में या भारत की रक्षा से संबंधित पदों पर कार्य करने का वायित्व :—उक्त पद पर नियुक्ति कोई भी व्यक्ति, यदि ऐसा अपेक्षित हो, किसी रक्षा सेवा में या भारत की रक्षा से संबंधित पदों पर, चार वर्ष से अधिक अवधि के लिए, जिसमें प्रशिक्षण में व्यतीत की गई अवधियां भी, यदि कोई हो, सम्मिलित हैं, कार्य करने के लिए दायी होंगी :

परन्तु ऐसे व्यक्ति से,—

(क) नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति पर पूर्वोक्त रूप में कार्य करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी।

(ख) 40 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने के पश्चात् पूर्वोक्त रूप में कार्य करने की सामान्यतः अपेक्षा नहीं की जाएगी।

5. निर्हताएं :—वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए, किसी व्यक्ति से विवाह किया हो,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्त्रीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

6. शिथिल करने की शक्ति :—जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उसके लिए जो कारण है उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या वर्गों के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा, शिथिल कर सकेगी।

7. व्यावृत्ति :—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष वर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा अचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु सीमा	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
खदान प्रबन्धक	1	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह 'ख' राजपत्रित।	650-30-740-35- 810-40-1000-20 100-40-1200-20	लागू नहीं होता	35 वर्ष से अधिक (सरकारी सेवकों के लिए शिथिलनीय) टिप्पणः—आयु सीमा अवधारित करने के लिए, निम्नलिखित तारीख भारत के अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न जो अग्रहमान और निकोबार द्वीपसमूह और लक्षद्वीप संघ राज्य क्षेत्रों में रहते हैं) आवेदनों की प्राप्ति की अन्तिम तारीख होगी।	आवश्यकः किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से खनन इंजीनियरी में उपाधि या समतुल्य। या किसी मान्यताप्राप्त विश्व विद्यालय या संस्था में खनन इंजीनियरी में डिप्लोमा या समतुल्य तथा धातुत्पादक खान विनियमों के अनुसरण में खानों में कार्य करने की कम से कम 3 वर्ष का अनुभव। (अर्हताएं अन्यथा सुअर्हिता अभ्यर्थियों की दशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिलनीय विशेषतया अनुभव सम्बन्धी अर्हता अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों की दशा में उनके लिए आरक्षित पद की बाबत शिथिल की जा सकती है)।

मीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति की दशा में लागू होगी या नहीं	परिवर्धन की अवधि भर्ती की पदवी/भर्ती मीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पदवियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिपत्त	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में श्रेणियां जिसमें प्रोन्नति प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण की जायगी/किया जाएगा	यदि विभागीय प्रोन्नति मगिनि है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा
---	--	--	---	---

8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	2 वर्ष टिप्पण : सभी अधि-कारियों (कवल मीधे भर्ती बाने) द्वारा, परीक्षा की अवधि के भीतर द्वितीय श्रेणी में खान प्रबन्धक सक्षमता प्रमाणपत्र अवश्य अर्जित कर लिया जाना चाहिए।	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण (जिस में अल्पकालिक सविदा सम्मिलित है) या स्थानान्तरण द्वारा, जिसके त होने पर मीधे भर्ती द्वारा।	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण (जिसमें अल्पकालिक सविदा भी सम्मिलित है) या स्थानान्तरण केंद्रीय या राज्य सरकार महापत्तन न्याय या पब्लिक सेक्टर उपक्रमों के अधीन सदृश पद धारण करने वाले अधिकारी या ऐसे अधिकारी, जिन्होंने 550-900 रु० के या समतुल्य बेतन-मान के पदों पर 3 वर्ष सेवा की हो और जिनके पास मीधे भर्ती के लिए स्तम्भ 7 में विहित अर्हताएं और अनुभव हो। (प्रतिनियुक्ति सविदा की अवधि सामान्यतया 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी)	लागू नहीं होता	जबत संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से किया जाएगा।

[सं० पी० ई० एल०-55/75-IV]

PORTS

G.S.R. 116.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, and in supersession of the Mangalore and Tuticorin Harbour Projects (Class I and Class II posts) Recruitment Rules, 1965, in so far as they relate to the post of Quarry Manager, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the Group B post of Quarry Manager in the Port of New Mangalore, under the Ministry of Shipping and Transport, namely :—

1. Short Title and commencement.—(1) These Rules may be called the Port of New Mangalore (Quarry Manager) Recruitment Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of the said posts, classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed hereto.

3. Method of recruitment, age limit and qualifications, etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the Scheduled aforesaid.

4. Liability to serve in any Defence Service or posts connected with the Defence of India.—Any person appointed to the said post shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or posts connected with the defence of India for a period of not less than four years including the periods spent on training, if any :

Provided that such person,—

(a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of 10 years from the date of appointment;

(b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of 40 years.

5. Disqualification.—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other ground for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

6. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of person.

7. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	Number of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection Post or Non-Selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Quarry Manager	1	General Central Service, Group 'B' Gazetted.	Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.	Not applicable	Not exceeding 35 years (Relaxable for Government servants). Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in the Union territories of the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).	Essential : Degree in Mining Engineering from a recognised University or equivalent. OR Diploma in Mining Engineering from a recognised University or institution or equivalent with at least 3 years' experience in Mines in accordance with the Metalliferous Mines Regulations (Qualifications relaxable at the Union Public Service Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified; in particular, the qualification regarding experience is relaxable in case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes for posts reserved for them).

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation or transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion or deputation or transfer grad s from which promotion or deputation or transfer to be made	If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment
8	9	10	11	12	13
Not applicable	*2 years *NOTE: A Second Class Mines Manager's Certificate of Competency must be acquired by all officers (direct recruits only) within the probationary period.	By transfer on deputation (including short-term contract) or transfer failing which by direct recruitment.	Transfer on deputation (including short-term contract) or transfer. Officers under the Central or State Government, Major Port Trusts or Public Sector Undertakings holding analogous posts or with 3 years' service in posts in the scale of Rs. 550—900 or equivalent and possessing the qualifications and experience prescribed for direct recruitment in column 7. (Period of deputation or contract shall ordinarily not exceed 3 years).	Not applicable	Selection shall be made in consultation with the Union Public Service Commission.

पतन

सा० का० वि० 117—गण्डपति, मविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए और मंगलौर और तूतीकोरिन बन्दरगाह परियोजना (वर्ग 1 और वर्ग 2 पद) भर्ती नियम, 1965 को जहाँ तक उसका सम्बन्ध सम्पदा अधिकारी से है, अधिकात्म करने हुए, नौवहन और परिवहन मंत्रालय के अधीन नवमंगलौर पतन में सम्पदा अधिकारी के समूह 'ख' पद पर भर्ती की पद्धति को नियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का नाम नवमंगलौर पतन (सम्पदा अधिकारी) भर्ती नियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :—उक्त पदों की संख्या, वर्गीकरण और उनके वेतनमान ये होंगे जो इसमें उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु सीमा और अर्हताएँ आदि :—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएँ और उसमें सम्बन्धित अन्य बातें ये होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हताएँ :—वह व्यक्ति,—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होने हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है।

5. शिथिल करने की शक्ति :—जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा विवाह करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके तथा सब लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा, शिथिल कर सकती है।

6. व्यावृत्ति :—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों और अन्न रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा अभ्यन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएँ
1	2	3	4	5	6	7
सम्पदा अधिकारी	1	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ख' राजपत्रित अल्पिक वर्गीय	650-30-740-35- 810-40-रो०-35- 880-40-1000-द० रो०-40-1200	लागू नहीं होता	35 वर्ष से अर्थाधिक (सरकारी सेवकों के लिए शिथिलनीय) टिप्पण. आयु सीमा अख-धारित करने की निर्णायक तारीख भारत में रहने वाले अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न जो अण्डमान और निकोबार द्वीप-समूह तथा लक्षद्वीप सघ राज्य क्षेत्रों में रहते हैं) आवेदनों की प्राप्ति की अन्तिम तारीख होगी।	आवश्यक : (1) किसी मान्यता प्राप्त विश्व विद्यालय से, अधिमानत विधि या सिविल इंजीनियरी में उपाधि या समतुल्य। (ii) भूमियों और सम्पदा के प्रबन्ध, व्यय, और पट्टे पर देने, भूमि अर्जन, भूमि राजस्व आदि से सम्बन्धित कार्य का, पर्यवेक्षी हैसियत में, 3 वर्ष का अनुभव। (अर्हताये, अन्यथा सुअर्हित अभ्यर्थियों की दशा में सब लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती हैं; विशेष-तया अनुभव सम्बन्धी अर्हता, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों की दशा में, उनके लिए आरक्षित पदों की बाबत शिथिल की जा सकती है।)

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति की वशा में लागू होगी या नहीं	परिशीक्षा की अवधि भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिमान	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की वशा में श्रेष्ठियां जिनसे प्रोन्नति प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण की जाएगी सरचना किया जायगा	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी सेवा आयोग से परामर्श किया जायगा	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जायगा	
8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होगा	2 वर्ष	प्रतिनियुक्ति (जिसमें अल्पकालिक सविदा भी सम्मिलित है) पर स्थानान्तरण या स्थानान्तरण द्वारा, जिसके तहत हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा।	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण (जिसमें अल्पकालिक सविदा भी सम्मिलित है) या स्थानान्तरण। केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार के अधीन सहायक इंजीनियर (मिविल) या सहायक आयुक्त या तहसीलदार की पंक्ति के या समसुल्य अधिकारी या महापत्तन न्यासों में सदृश पद धारण करने वाले अधिकारी। (प्रतिनियुक्ति या सविदा की अवधि सामान्यतः 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी)	लागू नहीं होगा	जबन संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से किया जाएगा।

[सं० पी० ई० एल० 55/75-5]

PORTS

G.S.R. 117.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, and in super-session of the Mangalore and Titicorin Harbour Projects (Class I and Class II posts) Recruitment Rules, 1965, in so far as they relate to the post of Estate Officer, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the Group B posts of Estate Officer in the Port of New Mangalore, under the Ministry of Shipping and Transport, namely :—

1. Short Title and commencement—(1) These Rules may be called the Port of New Mangalore (Estate Officer) Recruitment Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of the said posts, classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed hereto.

3. Method of recruitment, age limit and qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

4. Disqualification.—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	Num- ber of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection Post or Non- Selection Post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifica- tions required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Estate Officer	1	General Central Service Group 'B' Gazetted Non-Ministerial	Rs. 650-30-740-35- 810-EB-35-880-40- 1000-EB-40-1200	Not applicable	Not exceeding 35 years. (Relaxable for Government servants). Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in the Union Terr- itories of the Andaman and Nicobar Islands and Laksha- dweep).	Essential : (i) Degree of a recognised University, preferably in Law or in Civil Engineering, or equivalent. (ii) 3 years' experience, in Super- visory capacity, of work relating to management, dis- posal and leasing out of lands and estates, land acquisitions, land revenue etc. (Qualifications relaxable at the Union Public Service Commis- sion's discretion in case of candidates otherwise well qualified; in particular, the qualification regarding experi- ence is relaxable in case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes for posts reserved for them).
Whether age and educational quali- fications prescri- bed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruit- ment or by promotion or by deputation or transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion or deputation or transfer grades from which promotion or deputation or transfer to be made	If a Departmental Promotion Com- mittee exists, what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruit- ment	
8	9	10	11	12	13	
Not applicable	2 years	By transfer on deputation (including) short term contract or transfer failing which by direct recruitment.	Transfer on deputation (in- cluding short term contract) or transfer : Officers of the rank of Assistant Engineer (Civil) or Assistant Commissioner or Tahsildar or equivalent under the Central Govern- ment or State Govern- ment or Officers holding analogous posts in Major Port Trusts. (Period of deputation or contract shall ordinarily not exceed 3 years.)	Not applicable	Selection shall be made in consulta- tion with the Union Public Service Commis- sion.	

पसन

सा० का० नि० 118:—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और मंगलौर और त्रुतिकोरिन बन्दरगाह परियोजना (वर्ग 1 और वर्ग 2 पद) भर्ती नियम, 1965 को, जहाँ तक उनका संबंध चिकित्सा अधिकारी (महायक सर्जन श्रेणी) के पद से है, अधिकांश करने हुए, नौबहन और परिवहन मंत्रालय के अधीन नव मंगलौर पत्तन में चिकित्सा अधिकारी (सिविल सहायक सर्जन श्रेणी) के समूह 'ख' पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:—(1) इन नियमों के नाम नव मंगलौर पत्तन चिकित्सा अधिकारी (सिविल सहायक सर्जन की श्रेणी) भर्ती नियम, 1976 हैं।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान:—उक्त पदों की संख्या, वर्गीकरण और उनके वेतनमान वे होंगे जो इसमें उपाब्ध अनुसूची के स्तम्भ 2 में 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अर्हताएं आदि:—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची की स्तम्भ 5 में 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

4. किसी रक्षा सेवा में या भारत की रक्षा से संबंधित पदों पर कार्य करने का दायित्व:—उक्त पद पर नियुक्त प्रत्येक व्यक्ति, यदि ऐसा अपेक्षित हो, किसी रक्षा सेवा में या भारत की रक्षा से संबंधित पदों पर, चार वर्ष में अनधिक अवधि के लिए जिसमें प्रशिक्षण पर व्यतीत की गयी अवधियां भी, यदि कोई हों, सम्मिलित हैं, कार्य करने के लिए बांधी होंगी,

परन्तु ऐसे व्यक्ति, से—

(क) नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति पर पूर्वोक्त रूप में कार्य करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी;

(ख) 40 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने के पश्चात् पूर्वोक्त रूप में कार्य करने के लिए सामान्यतः अपेक्षा नहीं की जाएगी।

5. निरर्हताएं:—वह व्यक्ति —

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होने हुए, किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुश्रेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

6. शिथिल करने की शक्ति:—जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करार आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा, शिथिल कर सकेगी।

7. व्याप्ति:—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा अचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु सीमा	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
चिकित्सा अधिकारी (सहायक सिविल सर्जन की श्रेणी का)	2	भाषाकरण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ख' राजपत्रित (प्रतिपिकवर्गीय)	650-30-740-35-810-६० रो०-35-880-40-1000-६० रो०-40-1200 रु० एवं पुनरीक्षित दरों पर व्यवसाय-निषेध-भत्ता	लागू नहीं होता	30 वर्ष से अनधिक (सरकारी सेवकों के लिए शिथिलनीय)। टिप्पण:—आयु सीमा अवधारित करने की निर्णायक तारीख भारत में रहने वाले अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न जो अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह तथा लक्षद्वीप संघ राज्य क्षेत्रों में रहते हैं) आवेदन की प्राप्ति की अन्तिम तारीख होगी।	आवश्यक: (i) भारतीय चिकित्सा परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की प्रथम या द्वितीय अनुसूची, या तृतीय अनुसूची के भाग 2 में सम्मिलित मान्यता प्राप्त चिकित्सीय अर्हता (लाइसेन्सियेट-अर्हताओं से भिन्न) (तृतीय अनुसूची के भाग 2 में सम्मिलित शैक्षिक अर्हताओं के धारकों को उक्त अधिनियम की धारा 13(3) में वर्णित शर्तें पूरी करनी होंगी)।

(ii) अनिवार्य आबसी अनः शिथुता का पूरा किया जाना (अर्हताएं, अन्यथा सुललित अभ्यर्थियों की दशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेका-नुसार शिथिलनीय)।

वांछनीय:

कण्ड का ज्ञान।

सीधे भर्ती किए जाने परीक्षा की भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा यदि विभागीय प्रोन्नति भर्ती करने में जिन					
वाले व्यक्तियों के लिए अवधि यदि कोई या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनि- भर्ती की रक्षा में वे श्रेणियां समिति है तो उसकी परिस्थितियों में संघ					
विहित आयु और हो। युक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थाना- संरचना लोक सेवा आयोग से					
पैक्षिक अर्हताएं प्रोन्न- विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने न्तरण की जाएगी/किया जाएगा परामर्श किया जाएगा					
ति की दशा में लागू वाली रिक्तियों का प्रतिपान					
होंगी या नहीं					

8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	2 वर्ष	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण; (जिसमें अल्पकालिक संविदा भी सम्मिलित) या स्थानान्तरण द्वारा जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा।	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण (जिसमें अल्पकालिक संविदा भी सम्मिलित है) या स्थानान्तरण द्वारा। केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार, महापत्तन न्यासो और पब्लिक सेक्टर उपक्रमों के अधीन सदृश पद धारण करने वाले अधिकारी। (प्रतिनियुक्ति या संविदा की अवधि सामान्यतः 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी)।	लागू नहीं होता	चयन सक्षम लोक सेवा आयोग के परामर्श से किया जाएगा।

[सं० पी० ई० एल०-55/75-6]

PORTS

G.S.R. 118.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, and in supersession of the Mangalore and Tuticorin Harbour Projects (Class I and Class II posts) Recruitment Rules, 1965, in so far as they relate to the post of Medical Officer (of Assistant Surgeon Grade), the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the Group B post of Medical Officer (of Civil Assistant Surgeon's Grade) in the Port of New Mangalore, under the Ministry of Shipping and Transport, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These Rules may be called the Port of New Mangalore (Medical Officer—of Civil Assistant Surgeon's Grade) Recruitment Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of the said posts, classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed hereto.

3. Method of recruitment, age limit and qualifications, etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

4. Liability to serve in any Defence Service or posts connected with the Defence of India—Any person appointed to the said post shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or posts connected with the defence of India for a period of not less than four years including the periods spent on training, if any:

Provided that such person,—

- shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of 10 years from the date of appointment;
- shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of 40 years.

5. Disqualification.—No person,

- who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

6. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do it may, by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

7. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or non-selection post	Age limit of direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Medical Officer (of Civil Assistant Surgeon's Grade).	2	General Central Service Group 'B' Gazetted (Non-Ministerial)	Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 plus non-practicing Allowance at revised rates.	Not applicable	Not exceeding 30 years. (Relaxable for Government servants). Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in the union territories of the Andaman and Nicobar and Lakshadweep).	Essential : (i) A recognised Medical qualification included in the First or the Second Schedule or Part II of the Third Schedule (other than Licentiate qualifications) to the Indian Medical Council Act, 1956, (102 of 1956) (Holders of educational qualifications included in Part II of the Third Schedule should fulfil the conditions stipulated in Section 13(3) of the Said Act. (ii) Completion of compulsory rotating internship. (Qualifications relaxable at the Union Public Service Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified). Desirable : Knowledge of Kannada.
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation or transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion or deputation or transfer grades from which promotion or deputation or transfer to be made.	If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment	
8	9	10	11	12	13	
Not applicable	2 years	By transfer on deputation (including short-term contract) or transfer failing which by direct recruitment.	Transfer on deputation (including short-term contract) or transfer Officers holding analogous posts under the Central Government or State Government, Major Port Trusts and Public Sector Undertakings. (Period of deputation or contract shall ordinarily not exceed 3 years).	Not applicable	Selection shall be made in consultation with the Union Public Service Commission.	

पत्तन

सा० का० वि० 119.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्रीर मंगलौर और त्रिक्कोरिन बन्दरगाह परियोजना (वर्ग 1 और वर्ग 2 पद) भर्ती नियम, 1965 का, जहाँ तक उनका संबंध वृत्तिक सहायक के पद से है, अधिकांश करते हुए, नौबहन और परिवहन मन्त्रालय के अधीन नव मंगलौर पत्तन में वृत्तिक सहायक के समूह 'ख' पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का नाम नव मंगलौर पत्तन (वृत्तिक सहायक) भर्ती नियम, 1976 है।
(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :—उक्त पदों की संख्या, वर्गीकरण और उसका वेतनमान वे होंगे जो इससे उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।
3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, और अर्हताएं आदि :—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उनसे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।
4. निरर्हताएं :—वह व्यक्ति --
(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या
(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होने हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो,
उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।
परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।
5. शिथिल करने की शक्ति :—जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की भावत, आदेश द्वारा, शिथिल कर सकेगी।
6. व्याप्ति :—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संघ में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा प्रत्यक्ष पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
वृत्तिक सहायक	1	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ख' ग्राज-पक्षित, अलिपिक-वर्गीय	550-25-750-२० २०-30-900 रु०	लागू नहीं होता	30 वर्ष से अधिक (सरकारी सेवकों के लिए शिथिलनीय) टिप्पण : आयु सीमा, प्रवर्धित करने की निर्णायक तारीख भारत में रहने वाले अभ्यर्थियों से (उन से निम्न जो अद्यतन और निम्नोच्च श्रेणी समूह और निम्नोच्च संघ राज्य क्षेत्रों में रहते हैं) आवेदनों की प्राप्ति की अंतिम तारीख होगी।	आवश्यक : विज्ञान, भौतिकी, सांख्यिकी, गणित अनुसूचित भौतिकी या भू-भौतिकी में एम०एस०सी० की उपाधि। (अभ्यर्थियों ने भू-भौतिकी के साथ मौसम विज्ञान, समुद्र विज्ञान, जल-विज्ञान, भू-चुम्बकत्व या भूकम्प-विज्ञान का अध्ययन किया हो)। (अर्हताएं, अन्यथा सुप्रसिद्ध अभ्यर्थियों की तथा संघ लोक सेवा आयोग के विवेकायुक्त शिथिल की जा सकेगी)। बोध्यः : (1) जर्मन, फ्रेंच या रशियन का ज्ञान। (3) इलेक्ट्रॉनिक्स का ज्ञान।
सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोत्सर्ग की उम्र में लागू होगी या नहीं	परिक्षा की अवधि यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति, भर्ती सीधे होगी या प्रोत्सर्ग द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों में प्रतिशत	प्रोत्सर्ग/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियाँ जिनसे प्रोत्सर्ग/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण की जायेगी/किया जायेगा	यदि विभागीय प्रोत्सर्ग समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा	
8	9	10	11	12	13	
लागू नहीं होता	2 वर्ष	सीधे भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	चयन संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से किया जाएगा।	

PORTS

G.S.R. 119.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, and in supersession of the Mangalore and Tuticorin Harbour Projects (Class I and Class II posts) Recruitment Rules, 1965, in so far as they relate to the post of Professional Assistant, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the Group B post of Professional Assistant in the Port of New Mangalore under the Ministry of Shipping and Transport, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These Rules may be called the Port of New Mangalore (Professional Assistant) Recruitment Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the day of their publication in the Official Gazette.

2. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of the said posts, classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed hereto.

3. Method of recruitment, age limit and qualifications, etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

4. Disqualification.—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do it may, by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect of any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	Number of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or Non-Selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Professional Assistant	1	General Central Service Group 'B' Non-Gazetted Non-Ministerial	Rs. 550-25-750-LB-30-900	Not applicable	Not exceeding 30 years. (Relaxable for Government servants). Note:— the crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in the Union Territories of the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).	Essential : At least Second Class M.Sc., degree in Meteorology, Physics Statistics, Mathematics, Applied Physics or Geophysics. (Candidates with Geophysics should have studied Meteorology, Oceanography, Hydrology, Geomagnetism or Seismology). (Qualifications relaxable at the Union Public Service Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified). Desirable : (i) Knowledge of German, French or Russian. (ii) Knowledge of Electronics.
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation or transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion or by deputation or by transfer, grades from which promotion or deputation or transfer to be made	If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment	
8	9	10	11	12	13	
Not applicable	2 years	By direct recruitment	Not applicable	Not applicable	Selection shall be made in consultation with the Union Public Service Commission.	

[No PFL-55/75-VII]

मई दिल्ली, 3 जनवरी, 1977

पत्र

सांकां० 120.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नव मंगलौर पतन में रेडियोघाफर के समूह 'ग' पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ:—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम नव मंगलौर पतन (रेडियोघाफर) भर्ती नियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

लागू होना:—ये नियम इससे उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ में विनिर्दिष्ट पद को लागू होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान:—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वे होंगे जो इन नियमों में उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अर्हताएं आदि:—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वानुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हताएं:—वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपर्न, पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो;

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रिय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य तत्कारकों को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. नियम शिथिल करने की शक्ति:—अहा केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति:—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आदेशों और अन्य ग्राह्यता पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	अन्य पद संख्या	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
रेडियोघाफर	एक	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ग' (अराज-पन्नित अलिपिक वर्गीय)	260-8-300-२०२० 8-340-10-380- २०२०-10-430 रुपये	लागू नहीं होता	35 वर्ष टिप्पण: आयु सीमा के व्यव-धारण की निणायक तारीख, प्रत्येक मामले में भारत के (उनसे भिन्न जो अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह और लक्षद्वीप में रहते हैं) अभ्यर्थियों से आवेदन प्राप्ति की अंतिम तारीख होगी। ऐसे पदों की बाबत, जिन पर नियुक्तियां रोजगार कार्यालयों के माध्यम से की जाती हैं आयु सीमा के व्यवधारण की निणायक तारीख, प्रत्येक मामले में ऐसी अंतिम तारीख होगी, जिस तक रोजगार कार्यालयों से नाम प्रस्तुत करने के लिए कहा जाता है।	आवश्यक: (1) मैट्रिकुलेशन या समतुल्य अर्हता (2) किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से रेडियोघाफरी में डिप्लोमा या प्रमाणपत्र। वांछनीय किसी बिकिरण जिकित्सा केन्द्र में रेडियोघाफर के रूप में एक वर्ष का अनुभव।

सोचे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए बिहित आयु और शैक्षिक ग्रहंताएँ प्रोन्नति की दशा में लागू होंगी या नहीं	परिबीक्षा की अवधि यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति/भर्ती सोचे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्वानांतरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिमान	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्वानांतरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियाँ जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्वानांतरण किया जाएगा	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी सरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में सच लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा
---	------------------------------	---	---	--	--

8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	2 वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

[फा० स० पी ई एल(108)/75]

श्रीमती बी० निर्मल, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd January, 1977

(PORTS)

G.S.R. 120.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the president hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to Group C post of Radiographer in the port of New Mangalore, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Port of New Mangalore (Radiographer) Recruitment Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of posts, classification and scales of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit and qualifications, etc.—The method of recruitment, age limit qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid

4. Disqualification : No person —

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if specified that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	Number of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or Non-Selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Radiographer	One	General Central Service Group C [Non-Gazetted Non-Ministerial]	Rs. 260-8-300-EB-8-340-10-380-EB-10-430	Not applicable	35 years Note : The crucial date for determining the age limit shall in each case be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep). In respect of posts, the appointments to which are made through the Employment exchanges, the crucial date for determining the age limit will, in each case, be the last date up to which the Employment exchanges are asked to submit the names.	Essential : (i) Matriculation or equivalent qualification. (ii) Diploma or Certificate in Radiography from a recognised Institute. Desirable : One Year's experience as a Radiographer in any Radiological Centre.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation if any	Method of recruitment whether by promotion or by deputation or transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion or deputation or transfer, grades from which promotion or deputation or transfer to be made	If a Departmental Promotion Committee exists what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment
8	9	10	11	12	13
Not applicable	2 years	By direct recruitment.	Not applicable	Not applicable	Not applicable

[F. No. PEL (108)/75]

MRS. B. NIRMAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1976

New Delhi, the 31st December, 1976

सांकां० 121.—नव तूतिकोरिन पत्तन (घाट के उपयोग के लिए दर) संशोधन नियम, 1976 का प्रारूप भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 6 की उपधारा (2) की अपेक्षानुसार भारत सरकार के नौवहन और परिवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष) की अधिसूचना सं० सांकां० 1089 तारीख 7 जुलाई, 1976 की भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3, उपखंड (1), तारीख 24 जुलाई, 1976 के पृष्ठ 1988 पर प्रकाशित किया गया था जिसमें उन सभी व्यक्तियों से आक्षेप एवं सुझाव 21 सितम्बर, 1976 तक प्राप्त किए गए थे जिनके उमर में प्रभावित होने की संभावना थी,

और उक्त राजपत्र जनता का 10 अगस्त, 1976 को उपलब्ध करा दिया गया था,

और उक्त प्रारूप के सम्बन्ध में जनता से कोई भी आक्षेप या सुझाव प्राप्त नहीं हुए है।

अतः, अब, भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रबन्ध शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् —

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम नवतूतिकोरिन पत्तन (घाट के उपयोग के लिए दर) संशोधन नियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख का प्रवृत्त होंगे।

2. नवतूतिकोरिन पत्तन (घाट के उपयोग के लिए दर) नियम, 1976 की अनुसूची में,—

(i) मंत्र (8) को मद (9) के रूप में पुनः संख्यांकित किया जाएगा और इस प्रकार पुनः संख्यांकित मद (9) के पूर्व निम्नलिखित मद और प्रविष्टियाँ अन्तर्भावित की जाएंगी, अर्थात् —

'(8) अयस्क और खनिज—4.00 रुपए प्रति टन।'

(ii) टिप्पण 5 में, कोष्ठक और अंक "(8)" के स्थान पर, कोष्ठक और अंक "(9)" रखे जाएंगे।

[का० सं० पी जी आर-60/76]

G.S.R. 121.—Whereas a draft of the Port of New Tuticorin (Rates for the use of the Wharf) Amendment Rules, 1976, was published as required by sub-section (2) of section 6 of the Indian ports Act, 1908 (15 of 1908) under the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Transport Wing) No. GSR 1089 dated the 7th July, 1976, at page 1988 of the Gazette of India, Part II Section 3, Sub-section (i) dated the 24th July, 1976, inviting objections and suggestion from all persons likely to be affected thereby till the 21st September 1976;

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 10th August, 1976;

And whereas no objections or suggestions have been received from the public on the said draft;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of section 6 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908), the Central Government hereby makes the following Rules; namely :—

1. Short title and commencement.—These Rules may be called the port of New Tuticorin (Rates for the use of the wharf) Amendment Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the port of New Tuticorin (Rates for the use of the wharf) Rules, 1976,—

(i) item (8) shall be re-numbered as item (9), and before item (9) as so re-numbered, the following item and entries shall be inserted, namely :—

"(8)" Ores and minerals—Rs. 4.00 per tonne."

(ii) in Note 5, for the brackets and figures "(8)", the brackets and figure "(9)" shall be substituted.

[F. No. PGR-60/76]

नई दिल्ली, 1 जनवरी, 1977

सांकां० 122 —यतः नवमगलौर पत्तन नियम, 1976 का प्रारूप भारत सरकार के नौवहन और परिवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष) की अधिसूचना सं० सांकां० 873, तारीख 27 मई, 1976 के अधीन भारत के राजपत्र भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (1) तारीख 19 जून, 1976 के पृष्ठ 1645 से 1653 में भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 6 की उपधारा (2) की अपेक्षानुसार प्रकाशित किया गया था, जिसमें उन सभी व्यक्तियों से, जिनके इससे प्रभावित होने की संभावना है, आक्षेप और सुझाव उस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से साठ दिनों की अवधि की समाप्ति तक मांगे गए थे,

श्रीर उक्त राजपत्र 27 जून, 1976 की जनता को उपलब्ध करा दिया गया था और जनता से कोई आक्षेप या मुझाव प्राप्त नहीं हुआ है, अतः, अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् —

नव मंगनीर पत्तन नियम

अध्याय I

1 आरंभिक

1. संक्षिप्त नाम और लागू होना.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम नव मंगनीर पत्तन नियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

(3) जब तक कि इन नियमों में अन्यथा उपबध्ति न हो, ये केवल नव मंगनीर पत्तन की स्थानीय सीमाओं के भीतर लागू होंगे।

2 परिभाषाएं—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) “अधिनियम” से भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) अभिप्रेत है,

(ख) “संरक्षक” से अधिनियम के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त पत्तन संरक्षक अभिप्रेत है,

(ग) “खतरनाक माल” से भारतीय वाणिज्य पोत परिवहन (खतरनाक माल का परिवहन) नियम, 1954 द्वारा व्यापकभाषित माल अभिप्रेत है,

(घ) “खतरनाक पेट्रोलियम” ऐसा पेट्रोलियम अभिप्रेत है जिसका प्रज्वलनताप ताप बिन्दु 24.4 डिग्री सेन्टीग्रेड से नीचे है,

(ङ) “उपसंरक्षक” से पत्तन के समुद्री विभाग का प्रधान अभिप्रेत है और इसमें ऐसा बन्दरगाह मास्टर या पाइलट भी आता है जिसे समुद्री विभाग के प्रधान द्वारा इस निमित्त सम्बन्धित प्राधिकृत किया गया हो,

(च) “ईंधन तेल” से ऐसा पेट्रोलियम तेल अभिप्रेत है जिसका प्रज्वलन-ताप बिन्दु 65.6 डिग्री सेन्टीग्रेड से कम नहीं है तथा जिसे सामान्यतया इजनों और भट्टियों में ईंधन के रूप में प्रयुक्त किया जाता है,

(छ) मान के संबंध में “स्वामी” के अन्तर्गत परेषक, परेषिनी, नौभार परेषक या विक्रय अभिरक्षा, लदान या ऐसे माल के विक्रय, अभिरक्षा, लदान या उतराई अधिकर्ता आता है, और पत्तन का प्रयोग करने वाले किसी जलयान के संबंध में, इसमें आंशिक स्वामी चार्टरकर्ता, परेषिनी या उसका सहायक संबंधी भी आता है,

(ज) “पेट्रोलियम” के द्रव हाईड्रोकार्बन या हाइड्रोकार्बन और ज्वलनशील मिश्रण (द्रव, विस्फामी या ठोस) का मिश्रण अभिप्रेत है जिसमें कोई भी द्रव हाइड्रोकार्बन हो, किन्तु इसमें ऐसा तेल नहीं आता है जिसका प्रयोग सामान्यतया स्नेहक प्रयोजन के लिए किया जाता है तथा इसका प्रज्वलनताप बिन्दु 43.3 डिग्री सेन्टीग्रेड या अधिक हो,

(झ) “पत्तन” से नव मंगनीर पत्तन अभिप्रेत है,

(ञ) “पत्तन अधिकारी” से केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त किया गया मुख्य इंजीनियर तथा पत्तन प्रशासक अभिप्रेत है और इसमें पत्तन का ऐसा अन्य अधिकारी भी सम्मिलित है जो मुख्य इंजीनियर और पत्तन प्रशासक के प्राधिकार के अधीन कार्य कर रहा हो,

(ट) “टैंकर” से ऐसा स्थोरा पोत अभिप्रेत है जिसे ज्वलनशील प्रकृति द्रव स्थोराओं के प्रपूज रूप में परिवहन के लिए निमित्त किया गया है या अनुकूल बनाया गया है,

(ठ) “यातायात प्रबन्धक” से पत्तन पर तत्समय यातायात प्रचालन का आन्तार्क्षक अधिकारी अभिप्रेत है और इसमें उप-यातायात प्रबंधक और महायक यातायात प्रबंधक और अन्य अधिकारी भी सम्मिलित हैं जो यातायात प्रबंधक के प्राधिकार के अधीन कार्य कर रहे हैं।

अध्याय II

पत्तन पर जलयानों का प्रवेश

3 जलयान के प्रत्यागित आगमन की सूचना—(1) (क) जब किसी जलयान के आगमन की प्रत्याशा है तब आगमन के प्रत्यागित समय से कम से कम 48 घण्टे पूर्व उसके अधिकर्ता, यातायात प्रबंधक को एक सूचना भेजेंगे तथा उसको एक प्रति उपसंरक्षक को, उपसंरक्षक द्वारा विनिर्दिष्ट प्ररूप में भेजेंगे।

(ख) ऐसी सूचना में विनिर्दिष्ट बर्णों, भारी लिफ्ट क्रेनो और अन्य वस्तुओं की बाबत कोई भी विनिर्दिष्ट अपेक्षा उपबध्ति की जाएगी।

(ग) पत्तन पर अवतरित होने वाले स्थोरा, विघाट द्वार के अनुसार स्थोरा के नौभार विन्यास और वितरण सहित पृथक रूप में दिखलाए गए विशेष स्थोरा और भारी लिफ्ट की सदा की वास्तव विस्तृत विनिर्दिष्टियां या तो जलयान की आगमन सूचना से सलग की जाएगी या जलयान के आगमन से कम से कम 24 घण्टे पूर्व भेजी जाएगी और यह स्थोरा सूचनापत्र तीन प्रतियों में होगा।

(2) प्रत्यागित जलयानों के अधिकर्ता, स्वयं अपने हित में, समय पर यातायात प्रबंधक से सम्पर्क स्थापित करेंगे तथा उसे स्थोरा की प्रकृति, परिणाम तथा उनके द्वारा आशयित नौभार विन्यास की बाबत सभी जानकारी से और जलयान की बाबत, ऐसी जानकारी से भी अवगत कराएंगे जो उसे घाट की उचित बर्थ पर लगाने के लिए आवश्यक हो।

4 बर्थ का आबंटन—(1) पत्तन पर किसी बर्थ की बाबत किसी जलयान का तब तक वाश नहीं होगा जब तक उसे यह यातायात प्रबंधक द्वारा आबंटित न किया गया हो और ऐसे आबंटन की सूचना संरक्षक द्वारा न दी गयी हो।

(2) पत्तन पर बर्थ के आबंटन को तब अन्तिम समझा जाएगा जब तक कि जलयान पत्तन में प्रवेश करने के लिए वास्तविक रूप से तैयार न हो और ऐसी बर्थ की बाबत उसका औचित्य तथा अधिकार यातायात प्रबंधक के समाधानप्रद रूप में न कर दिया जाए।

5 कनिष्ठ जलयानों को पूर्वािकता—बर्णों का आबंटन, यातायात प्रबंधक के विवेकाधीन तथा अत्यावश्यकताओं के अधीन होगा, संकेत केन्द्र द्वारा पहले देखे गए तथा पहचान किए गए जलयान को पूर्वािकता दी जाएगी।

परन्तु सैन्यबल को बढ़ाने या उतारने वाले जलयानों, यात्री जलयानों और किसी अन्य वर्ग के जलयानों जिन्हें संरक्षक समय-समय पर इस निमित्त घोषित करे, को घाट पर लगाने के लिए पूर्वािकता मिलेगी।

6 बर्थ आबंटन करने से इन्कार—यदि यातायात प्रबंधक समझता है कि किसी पत्तन में किसी जलयान को प्रवेश न होने देने के लिए अच्छा और पर्याप्त कारण है, तो वह उस मामले को संरक्षक को निदिष्ट करेगा और संरक्षक के विनिश्चय के तबित रहने तक वह बर्थ के आबंटन से इन्कार कर सकेगा।

7 मास्टर जलयानों का समादेशन करेगा—(1) किसी जलयान का पत्तन में प्रवेश करने या उसे छोड़ने के लिए या पत्तन में एक बर्थ से दूसरे बर्थ पर ले जाए जान के लिए तब तब अनुज्ञान नहीं किया जाएगा

जब तक कि मास्टर फलक पर नहीं है। परन्तु मास्टर की मृत्यु या गंभीर बीमारी जैसी प्रसाधारण परिस्थितियों में, संरक्षक से परामर्श करके विशेष इजाजत मिल जा सकेगी।

8. संरक्षक के आदेशों आदि कार्यान्वित किए जाएंगे—जलयानों के मास्टर और स्वामी चक्रानुक्रम और पत्तन द्वार पर पहुँचने की रीति तथा पत्तन पर आने और वहाँ से बाहर जाने के संबंध में संरक्षक के सभी निर्देशों का पालन करेगा।

9. पत्तन में प्रवेश करना या उसे छोड़ना—सूर्यास्त और सूर्योदय के बीच पत्तन में प्रवेश करने वाले या उसे छोड़ने वाले समस्त समुद्रगामी जलयान अपने राष्ट्रीय ध्वज फहरावेंगे और पत्तन में प्रवेश करने समय प्रत्येक जलयान अपने संकेत अक्षर फहराएगा।

10. जलयानों का मार्गदर्शन—अधिनियम के उपबंधों तथा नीचे दी गयी शर्तों के अधीन रहते हुए, संरक्षक या उसके द्वारा इस निश्चित विशेष रूप से संश्लेषित किए गए किसी अन्य अधिकारी द्वारा निश्चित रूप से विनिर्दिष्ट छूट प्राप्त जलयानों को छोड़कर, सभी जलयानों के लिए मार्गदर्शन अनिवार्य है:

(क) पाइलट 12 घण्टा 55' और 06 2" अन्तरी अक्षांस तथा 74° 46' और 17 6" पूर्वी देशांतर पर स्थित जल प्रवाह बोया, से समुद्र की ओर एक समुद्री मील के भीतर आने वाले पोतों पर चढ़ेगा और बाहर जाने वाले पोतों से उतरेगा और जलयानों का समुद्रविष्ट बर्तों तक जाने और वहाँ से लाने में तथा उन्हें घाट पर लगाने या घाट से ले जाने में जलयानों के मार्गदर्शन में सहायता करेगा।

(ख) मास्टर, पाइलट का, सगरोध फलक पर खतरनाक माल, पोट ड्राफ्ट और पोत की गतिविधि से संबंधित मामलों के संबंध में समस्त जानकारी देगा और मार्गदर्शन तथा घाट पर लगाने या बहा से जाने का काम पूरा होने पर, पाइलट द्वारा प्रस्तुत किए गए विनिर्दिष्ट प्ररूपों में प्रमाणपत्रों को पूरा करेगा और उन पर हस्ताक्षर करेगा।

(ग) अपरिहार्य कारणों से, खण्ड (क) में विनिर्दिष्ट सीमाओं के बाहर पाइलट को ले जाने वाले बाहर जाने वाले जलयानों का दशा में, मास्टर अगले निकटतम पत्तन पर पाइलट को छोड़ने के लिए आबद्ध होगा और इस कारण उपगत किए गए समस्त खर्च का मसौदा करने के लिए दायी होगा।

(घ) जलयान का मास्टर, अधिनियम के उपबंधों के अनुसार, ऐसे संकेत प्रदर्शित करेगा जिनका उपयोग किया जाना पाइलट द्वारा अपेक्षित है या जो पाइलट द्वारा निर्दिष्ट किए जाएं।

(ङ) (1) पत्तन में प्रवेश होने वाले या उसे छोड़ने वाले प्रत्येक जलयान में भारतीय वाणिज्य पोत परिवहन (पाइलट सोपान) नियम, 1953 के अनुपालन में प्रभावशाली पाइलट सोपान की व्यवस्था होगी।

(2) यदि पाइलट के विचार में रज्जू सोपान या जलयान द्वारा व्यवस्था की गयी जहाज को रस्सियाँ असुरक्षित हो तो वह, यथास्थिति, उस पर चढ़ने या उसे छोड़ने से जब तक इंकार करेगा जब तक कि यथापेक्षित मजबूत और प्रभावशाली सोपान तथा मजबूत जहाज की रस्सियों की व्यवस्था नहीं की जाती है।

(च) जलयान, बाह्य जलमार्गों के जलप्रवाह बोया से पूर्व की ओर या किसी अन्य प्रतिष्ठित लंगर स्थान पर लंगर नहीं डालेंगे और न मास्टर, पाइलट को लेने के लिए उस जल मार्गों में प्रवेश करने का प्रयास करेगा।

(छ) (1) यदि फलक पर पाइलट के रहने हुए कोई जलयान दुर्घटनाग्रस्त हो जाता है तथा पाइलट के समावेशन के अधीन जलयान को संभालने या ड्यूटी पर तैनात पाइलट द्वारा उसे बी गयी मर्यादा के संबंध में मास्टर की कोई शिकायत हो तो वह दुर्घटना के विषय में तुरन्त उप-संरक्षक को रिपोर्ट करेगा जो जोष ही विभागीय जांच करेगा।

(2) यदि दुर्घटना जलयान के पत्तन छोड़ने समय होती है तो मास्टर उसकी पूरी रिपोर्ट अगले पत्तन पर पहुँचकर सीधे उप-संरक्षक को देगा।

(3) ऐसी रिपोर्ट के साथ प्रत्यगत घटना के किसी भाषी का हस्ताक्षरित कथन भी होगा।

(ग) जलयान, संरक्षक से ऐसा करने का प्राधिकार अभिप्राप्त करके तथा ऐसा करने के लिए अपने प्राण्य की बाबत पत्तन संकेत केन्द्र को संसूचित करने के पश्चात् मौसम के बर्दाह के कारण, फलक पर पाइलट के न होने हुए भी, पत्तन छोड़ सकेगा।

11. पत्तन कर्मचारियों का उपयोग—जलयान के मास्टर के लिए यह आवश्यक होगा कि वह, पत्तन सीमाओं के भीतर तो परिवहन करने समय पत्तन कर्मचारियों की सेवाएं उपलब्ध करे।

12. फोटोचित्र आदि लेना—कोई भी व्यक्ति, यातायात प्रबंधक द्वारा दिए गए निश्चित अनुज्ञापत्र के प्राधिकार के बिना:—

(क) फोटो चित्र लेने के लिए अपने साथ कैमरा या छाका, रेखांक, प्रतिमान या अन्य प्राकृतिक बताने के लिए कोई सामग्री नहीं रखेगा या ले जाएगा,

(ख) किसी पत्तन की सीमाओं के भीतर, जगम या स्थावर वस्तु या भवन या संस्थापन का फोटोचित्र नहीं लेगा या उसका छाका, रेखांक या प्रतिमान नहीं बनाएगा।

(ग) ऐसे क्षेत्र में प्रवेश नहीं करेगा जिसे समय-समय पर संरक्षक द्वारा उस रूप में घोषित किया गया हो।

13. तार, हाजर आदि का प्रयोग—पत्तन में प्रवेश करने वाले जलयान घाट पर एक तरफ लगाने के लिए यथा अपेक्षित इस्तेमाल के तार, रस्सियाँ और अन्य हाजर उस प्रदाय के लिए तैयार रखेंगे।

14. जलयान का कर्मीदल और साधित्र तैयार रखना—(1) जलयान के मास्टर या स्वामी, पर्याप्त संख्या में कर्मीदल नियोजित करेंगे और फलक पर ऐसे साधित्रों को तैयार रखेंगे जो उनके जलयानों की पत्तन जलमरणी के अन्दर लाने या बाहर ले जाने के लिए और पत्तन में ले जाने के लिए आवश्यक हों।

(2) व्यक्तिगत को वशा में या जब आवश्यक हो, उप-संरक्षक कर्मचारियों को इतनी संख्या में नियोजित करेगा और ऐसे साधित्र मास्टर या स्वामी के खर्च पर उपलब्ध कराएगा जो वह आवश्यक समझे।

15. अन्य पूर्वावधानियाँ—(क) जलयानों के, जब वे पत्तन में प्रवेश कर रहे हो या उसे छोड़ रहे हो या पोत में हटाए जा रहे हो या जब कि वे किसी जैट्टी, घाट या बोया से सुरक्षित हो, उनके रस्से अलग करने पर दोनों लंगर किसी भी समय रखा जा हाने के लिए तैयार रहेंगे।

(ख) जब जलयान घट्टियों या जट्टियों की ओर पत्तन में प्रवेश कर रहे हो, उसे छोड़ रहे हों, हटाए जा रहे हो या उसमें पड़े रहने हो, तब उनकी बगले सभी प्रेशरों से मुक्त होंगे तथा उनकी नावें, डेविट और डेरिक फलक पर लटकेगी और जहाज से तट पर आने वाले को सोपान फलक पर भण्डारकृत किए जाएंगे।

(ग) जलयानों के मास्टर और स्वामी उन सभी दुर्घटनाओं के लिए उत्तरदायी होंगे जो खण्ड (क) और (ख) के म विनिर्दिष्ट किसी पूर्वावधानी वरतने में असफल रहने के कारण हों।

16. जो जलयान पत्तन प्रवेश जल सरणी पर पहुँचे हुए है उनका हटाया जाना.—(1) पत्तन द्वारा के निकट बंदरगाह में या जल सरणी के जलप्रवाह में या बन्दरगाह के पत्तन मार्गदर्शन समुद्र में प्रवेश जल सरणी के निकट पहुँचे हुए जलयान को मास्टर या स्वामी द्वारा उस वृत्त में हटाए जाएंगे जब कि उप-संरक्षक द्वारा उसकी अपेक्षा की जाए।

(2) यदि ऐसा हटाया जाना तुरन्त नहीं किया जाता तो उसे ऐसे जलयान के मास्टर या स्वामी के जोखिम और खर्च पर उप-संरक्षक के आदेशों और निर्देशों के अधीन किया जाएगा।

अध्याय III

पत्तन में जो जलयानों के लिए किये गये

17. मास्टर या यदि अपने जलयानों को उनके बंधों पर रखेंगे.—(1) पत्तन के भीतर सभी जलयान ऐसे बंधों पर ठहरेंगे जो उन्हें यातायात प्रबंधक या उप-संरक्षक द्वारा समनुविष्ट किए गए हो तथा वे अपने बंधों से परिवर्तन नहीं करेंगे या वहाँ से नहीं हटेंगे जब कि उक्त अधिकारी में से किसी एक द्वारा ऐसी अपेक्षा की जाए।

(2) कोई भी जलयान, हटने वाले जलयान के भारमाधक बंदरगाह मास्टर द्वारा ऐसा करने की अपेक्षा किए बिना, गृह नहीं फेंकेगा जो कि जलयान को हटाने में सहायता करने के लिए उस पर कम कर बाधा गया है।

18. विपटन द्वारा का उस वृत्त में बन्द किया जाना जबकि वे काम नहीं कर रहे हों.—ऐसे जलयानों के, जब कि वे स्थोरा नहीं ले जा रहे हों, सभी विपटन द्वारा बन्द किए जाएंगे या अच्छी तरह संरक्षित किए जाएंगे।

19. उप-संरक्षक के आदेशों के अधीन पत्तन में लगर डालने वाले, लगर उठाने वाले और हटाए जाने वाले जलयान.—(1) पत्तन में किसी जलयान के लगर डालने, लगर उठाने या उसके हटाए जाने के संबंध में, जलयानों के मास्टर या स्वामी, उप-संरक्षक के निर्देशों का पालन करेंगे और उप-संरक्षक को कोई बाधा नहीं पहुँचायेंगे।

(2) उप-संरक्षक के पूर्वतन लिखित आदेशों के बिना किसी जलयान से अपने बंध से हटने की अपेक्षा नहीं की जाएगी।

(3) यदि यह आवश्यक हो जाए तो अपने आदेशों को प्रबल करने के लिए उप-संरक्षण ऐसी कार्रवाई करेगा जो आवश्यक हो और ऐसी कार्रवाई करने में उपयोग किए गए कोई खर्च, ऐसी किसी शास्त्र जिसके लिए मास्टर या स्वामी व्यक्तिगत की वृत्त में वायी हो, पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, ऐसे मास्टर या स्वामी द्वारा संशय होंगे।

(4) जलयानों के मास्टर, उप-संरक्षक से उन अधिकतम भारों की बाबत सुनिश्चित करेंगे जो उनके जलयानों में लादे जा सकेंगे।

20. अनुचित रूप से लगर डालना.—पत्तन में जलयानों के मास्टर या स्वामी, अपने जलयानों के रस्सों या हाथरों की, इस प्रयोजन के लिए विशेष रूप से उपबंधित जहाजी कूटों, लगर-स्वतों या अन्य साधनों से भिन्न पत्तन में किसी स्थान या स्थानों पर बांधने नहीं देंगे।

21. जलयान सक्षम व्यक्तियों के प्रभारधीन रहेंगे.—जब कोई जलयान पत्तन में रहता है तो मास्टर या कोई अन्य जिम्मेदार अधिकारी और कर्मचारी की पर्याप्त संख्या सदैव फलक पर रहेंगी।

22. डेक पर चौकीदार रखा जाएगा.—पत्तन में का जलयान डेक पर एक क्वार्टन मास्टर या चौकीदार सदैव इयुटी पर रखेगा जो जलयान से लट पर आने-जाने की सीढ़ी का भारमाधक होगा और वह लंगर आने वाली रस्सियों और जलयान की लाईनों को देखेगा तथा उनके समायोजन

के लिए भी उत्तरदायी होगा और व्यक्तिगत की वृत्त में, जलयान का मास्टर या स्वामी ऐसे व्यक्तिगत के परिणामस्वरूप किसी नुकसान के लिए उत्तरदायी होगा।

23. जलयान का नौक नही चलाया जाएगा.—(1) जब जलयान पत्तन में बंध पर हो या लंगर में हो तब संरक्षक की पूर्वतन लिखित अनुज्ञा के बिना तथा ऐसी शर्तों के अधीन रहेंगे हुए, जो वह निर्दिष्ट करे, विद्युत द्वारा उनका कोई नौक नहीं चलाया जाएगा।

(2) ऐसी अनुज्ञा के होते हुए भी, मास्टर या स्वामी ऐसे किसी नुकसान के लिए उत्तरदायी होंगे जो किसी नौक को विद्युत या हाथ से चलाए जाने के कारण हो।

24. पत्तन में फेंके गए लंगर या अन्य गिभर आदि का प्रत्युद्धरण किया जाना.—मास्टर, पत्तन में उनके जलयानों से फलक से गिराए गए किसी लंगर या अन्य गिभर को, तुरन्त बोया करने के लिए उत्तरदायी होंगे और वे जल से ऐसे किसी लंगर या गिभर को हटाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएंगे।

25. जलयानों को उचित रूप से स्थिर किया जाएगा.—पत्तन में जलयानों को इस प्रकार लादा जाएगा या स्थिर रखा जाएगा कि भाग लगने या अन्य आपात की वृत्त में, खतरे के बिना उनको उनके बंधों से हटाया जा सके।

26. जलयानों की मरम्मत.—जलयानों की मरम्मत करने की प्रार्थना करने वाला मास्टर निम्नलिखित शर्तों के अधीन ही ऐसा कर सकेगा, अर्थात्:—

(1) जलयानों की उप-संरक्षक से पहले अनुज्ञा लिए बिना गतिहीन नहीं किया जाएगा।

(2) जलयानों को बंधों से उस वृत्त में हटाए जाने की संभावना होगी जब कि अन्य जलयानों द्वारा स्थोरा ले जाने के लिए वे अपेक्षित हों।

(3) उप-संरक्षक, यदि वांछनीय समझे, 10.00 और 17.00 बजे के बीच अत्यधिक शोर करने वालों छीलन या मरम्मतों का प्रतिषेध कर सकेगा।

(4) ईंधन तेल भण्डार टैंक या ईंधन प्रणाली के सामीप्य में अनावृत्त बतियों के प्रयोग या उसके गैस काटने तथा मलाई साधित की अत्यधिक करने वाली मरम्मतें या ऐसी मरम्मतें जिनके कारण किसी व्यक्ति को, ईंधन भण्डार टैंक या ऐसे जलयान में जिसमें पैट्रोलियम भण्डारित किया गया हो प्रवेश करना पड़ता है, सब तक प्रारंभ नहीं की जाएगी जब तक समुचित प्राधिकारी से ऐसा प्रमाण-पत्र न ले लिया जाए कि वह गैसमुक्त है।

27. माल आदि को पत्तन में गिरने नहीं दिया जाएगा.—किसी स्थोरा, माल या अन्य पदार्थ को किसी जलयान, बट्टि या बेगमार से पत्तन जल सरणी या पत्तन में नहीं गिरने दिया जाएगा।

28. जल में गिरने वाले स्थोरा, माल आदि की बाबत सूचना का दिया जाना.—कोई व्यक्ति या किसी जलयान का मास्टर या स्वामी या किसी जलयान में लवान या उतराई करने में लगे नौकर जो किसी जलयान, बेगमार या बट्टि से किसी स्थोरा, माल या पदार्थ को जल में गिरने देता है, घटना की तुरन्त सूचना और उससे संबंधित सभी विशिष्टियाँ यातायात प्रबंधक तथा उप-संरक्षक को देगा और उक्त स्थोरा, माल या पदार्थ को उनके खर्च पर जल से निकालने के लिए तुरन्त कदम उठाएगा।

29. जल में गिरने वाले माल या कूड़ा-कचरा आदि का निकास आना.—यदि कोई व्यक्ति जलयान का मास्टर या स्वामी या नौकर उसके द्वारा नियम 28 के अधीन जल से किसी स्थोरा, माल या

अन्य पदार्थ को निकालना अपेक्षित है, ऐसे समय, जो उप संरक्षक की उम सृचना में विनिर्दिष्ट है, जिसमें उसमें ऐसा करने के लिए कहा गया है, के भीतर निकालने में असफल रहता है, तो उप संरक्षक ऐसे स्थान, माल या पदार्थ को निकालवा मकेगा और ऐसे निकालने में उपगत खर्च ऐसे व्यक्ति, मास्टर, स्वामी या नौभरक से, ऐसी अन्य शास्त्र पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, जिसके लिए ऐसा व्यक्ति, स्वामी या नौभरक दायी हो, वसूल किए जाएंगे।

30. अनुज्ञा के बिना राख, कूड़ा-करकट आदि की षट्टि आदि में जमा नहीं किया जाएगा—कोई व्यक्ति यातायात प्रबंध के प्राधिकार के बिना, किसी षट्टि या बंगमार्ग, पत्तन के षीड या किसी भाग में राख, रोड़ी, पत्थर, टोकरियां, गीणिया, मिन्डर, धूल, उपले, कचरा, कूड़ा-करकट, छीलन, सामान या अन्य वैसे ही खुली सामग्री या पदार्थ जमा नहीं करेगा।

31. पत्तन में सामग्री के शिपने की राक्षसाम, राख आदि का व्ययन—
(1) जलयानों के मास्टर या स्वामी या नौभरक जो राख, रोड़ी-पत्थर, ईंटों, मिन्डर, कोयला, धूने की धूल, कूड़ा-करकट, मिगल पत्थर, खपरैल या अन्य खुली सामग्री का लदान या उतगई कर रहे हैं, ऐसी लदान या उतगई के लिए कैनवास कपडे या काष्ठ वर्णिका का प्रयोग संरक्षक के समाधान प्रदरूप में करेंगे।

(2) षट्टि पर ऐसे स्थानों पर जा यातायात प्रबंधक द्वारा निर्दिष्ट किए जाएं, राख, मिन्डर, धूल और कूड़ा-करकट उतारा जाएगा तथा, यथास्थिति, मास्टर, स्वामी या नौभरक उन्हें ऐसे स्थान से हटा मकेगा।

32. तेलयुक्त गन्दे जल आदि को पत्तन में पम्प नहरी किया जाएगा—

(1) किसी जलयान से पत्तन में कोई बैलास्ट जल जिसमें ऐसे तेल है, जो जल को दूषित करता है या दूषित करने योग्य है, नहीं छोड़ा जाएगा।

(2) यदि पोत के चारों ओर तेल तैरता हुआ पाया जाता है तो मास्टर का यह उत्तरदायित्व होगा कि वह यह सिद्ध करे कि वह उसके पोत से नहीं आया है।

33. जलयानों की सफाई—जलयान की सफाई या रंग रोगन या गन्दे जल, बायस्कर या पत्तन में जलयान के दोहरे अधस्तन में काम करने के लिए, ऐसे समय के दौरान जो इस निमित्त संरक्षक द्वारा नियत किया जाए, के सिवाय किसी व्यक्ति को नियोजित नहीं किया जाएगा।

34. किसी जलयान के डैक से प्रक्षेप—किसी जलयान के डैक से ऐसे प्रक्षेपों की जो पत्तन में किसी अन्य जलयान के लदान या उतगई में हस्तक्षेप करने हैं, तुरन्त यातायात प्रबंधक को अध्यापेक्षा पर हटाया जाएगा।

35. प्रतिरक्षक—षट्टि, जेट्टो बर्थों पर पत्तन द्वारा उपबर्धित प्रतिरक्षकों का मास्टर या उनके नौभरकों द्वारा उठाया या हटाया नहीं जाएगा।

36. ध्वनि संकेत—समुद्र में टक्कर निवारण अन्तर्राष्ट्रीय धिनियम, 1960 के धिनियम 15, 28 और 31 में विनिर्दिष्ट प्रयोजनों और ऐसे आपात् की वशा से, जब कि जलयान की सुरक्षा के हित में तट से सहायता की अत्यंत आवश्यकता हो या जबकि भारसाधक पायलट ऐसे करता ठीक समझे, को छोड़कर पत्तन सीमाओं के भीतर रहते हुए जलयानों के फलक पर ध्यानाकर्षण के लिए ध्वनि संकेतों का प्रयोग करना प्रतिषिद्ध है।

37. नाव आदि का डूबना—बबरगाह में किसी ऐसे जलयान का मास्टर या स्वामी जिसके एक और स्थान, मखूला या अन्य नाव, स्थान या यात्री लेने अधवा स्थान या यात्री छोड़ते समय डूब गयी है, ऐसे डूबने के तथ्य और स्थान जहाँ पर यह घटना हुई, को बाबत संरक्षक को तुरन्त रिपोर्ट करेगा।

38. खतरनाक पशु और अग्नि-आयुध—पत्तन में किसी जलयान के फलक पर खतरनाक पशु और भारी हुई बंदूकें या अग्नि-आयुधों को नहीं रखा या रहने दिया जाएगा।

39. खतरनाक स्थानों वाले जलयान आदि—संरक्षक, पत्तन में ऐसे सभी जलयानों के तुरन्त हटाए जाने के लिए आदेश कर मकेगा जिनके फलक पर पशु, खार या अन्य आक्रामक या खतरनाक स्थान या ऐसे व्यक्ति हैं, जो संशयमक रोगों से पीड़ित हैं।

40. जलयानों के मास्टर आदि नुकसानी के लिए उत्तरदायी होंगे—जलयानों के मास्टर और स्वामी अपने नौयकों की अपेक्षा के कारण पत्तन के किसी संस्थापन या सम्पत्ति को होने वाली हानि या नुकसान के लिए उत्तरदायी होंगे और संरक्षक को उनके जलयानों को तब तक रोकने का अधिकार होगा जब तक कि ऐसी हानि या नुकसान का मुख्य संबन्ध नहीं किया जाता है या ऐसे सवाय के लिए प्रतिपूर्ति नहीं दी जाती है।

41. पत्तन पर जलयान आदि का मास्टर आदि के जोखिम पर रहना—पत्तन में सभी जलयान अपने मास्टर या स्वामी के जोखिम पर रहते हैं और वे ऐसी किसी हानि या नुकसान के लिए जो शेषपूर्ण नौपरिवहन के परिणामस्वरूप या लंगरों या नौवन्ध से भटकने के कारण उत्पन्न हों, उत्तरदायी होंगे।

42. मास्टर आदि का कर्मिंदल आदि के कार्यों के लिए उत्तरदायित्व—जलयानों के मास्टर और स्वामी, कर्मिंदल और ऐसे व्यक्ति, जिन्हें उनके जलयान के बाहर या फलक पर उनके द्वारा नियोजित किया गया है, के कार्यों के लिए दायी और उत्तरदायी ठहराए जाएंगे।

43. पत्तन अधिकारी विलम्ब आदि के लिए दायी नहीं होंगे—पत्तन में प्रवेश करने वाले, ठहरने वाले या बहा से बाहर जाने वाले जलयान के संबंध में किसी विलम्ब या अपने नियंत्रण से बाहर की परिस्थितियों के कारण माल के लदान या उतगई में विलम्ब के लिए पत्तन अधिकारी दायी नहीं होंगे।

44. मास्टर आदि द्वारा जलयानों में आग लगने की सूचना दी जानी—

(1) कोई व्यक्ति जो किसी पत्तन में आग देख रहा है—

(क) तुरन्त पोत के ऐसे अधिकारी को सूचित करेगा जो उप-नियम (2) के उपबंधों के अनुसरण में खतरे का संकेत देने के लिए उत्तरदायी होगा।

(ख) यदि पोत षट्टि के एक ओर हो तो आग का तट पर लगी आग मानेगा और उपनियम (क) के उपबंधों के अनुसार खतरे का संकेत देगा और पत्तन के अधिकारी को भी सूचित करेगा और वह भी उपनियम (2) के अनुसार खतरे का संकेत देगा।

(2) खतरे का संकेत देने के लिए निम्नलिखित पद्धतियां अपमाई जाएगी, अर्थात्—

1. दिन में गिरता हुआ—अन्तर्राष्ट्रीय ध्वज 'डी ब्लू' फहराएगा, पोत की सीटी या सायरन पर लगातार तब तक सीटी बजाएगा जब तक कि अग्नि बंझा नहीं पहुंच जाता।

2. रात्रि के समय गिरता हुआ—सीटी या सायरन उपरोक्त रूप में बजाएगा, अन्य बतियों में ऊपर 6 फीट की दूरी पर जो लाल बत्ती लगाएगा, जब पोत एक ओर हा तब उपरोक्त प्रक्रिया के अतिरिक्त टेलीफोन द्वारा खतरे का संकेत दिया जाएगा।

3. दिन या रात्रि के समय तट पर—निकटतम टेलीफोन के पास जाएगा और पत्तन एक्सचेंज को टेलीफोन करेगा और सम्पर्क स्थापित होने पर स्पष्ट रूप से बतलाएगा—तट पर आग लग गयी है।

टिप्पण—पत्तन पी० बी० एल० प्रचालक यह सावधानी करेगा कि किसी भी प्रकार के विलम्ब के बिना पत्तन अधिन कार्यालय से सम्पर्क स्थापित हो जाए।

45. जल के नीचे उद्धारण या मरम्मत करने पर प्रतिवेद्य—कोई भी व्यक्ति, जंगर, केबिन तार, मामग्री या पानी में छोड़ गए या छोड़े समझे गए स्थोरा या जलयानों से पानी के नीचे की गयी मरम्मतों का उप-संरक्षक या उनके द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किसी अधिकारी की पूर्ण अनुज्ञा के बिना उद्धारण नहीं करेगा।

अध्याय IV

लदान या उतराई करने वाले जलयानों और माल के बाद परिवहन और पोत लदान के लिए घाटों और शोडों की बाबत नियम

46. यातायात प्रबंध के अधीन पत्तन पर कार्य—(1) पत्तन पर जलयानों को लदान और उतराई यातायात प्रबंधक के नियंत्रणाधीन होगी जो अपने विवेकानुसार ऐसे माल को पत्तन पर छोड़ने से प्रतिनिद्ध कर सकेगा जो उसकी राय में यातायात में बाधा या भीड़ करने वाला है, या पत्तन के सुविधाजनक उपयोग में बाधा डालने वाला है।

(क) यातायात प्रबंधक, अपने विवेकानुसार और स्वामी के खर्च पर ऐसे माल को किसी अन्य स्थान पर हटा सकेगा जिसका, पत्तन परिसरों पर भंडारण या तो पत्तन पर उनके अवतरण होने पर, या तत्पश्चात् यातायात में बाधा डालने वाला है या भीड़ करने वाला है।

(3) प्रत्येक जलयान द्वारा अधिभोग किए जाने वाले घट्टिस्थान का प्रभाजन भी यातायात प्रबंधक द्वारा समान रूप से किया जाएगा।

47. केनों का उपयोग—घायात स्थोरा उतारने या निर्यात स्थोरा की लदान के लिए घट्टि केनों का आवंटन यातायात प्रबंध के विवेकानुसार होगा।

48. बेकार पड़े जलयान—यातायात प्रबंधक, अपने विवेकानुसार ऐसे जलयान की जो उसकी राय में पत्तन में बेकार पड़े हुए है, उसके बर्ध से हटवा सकेगा या पत्तन से बाहर करवा सकेगा।

49. घीमी गति में काम करने वाले जलयान—पत्तन में आयात स्थोरा उतारने वाले या निर्यात स्थोरा की लदान करने वाले जलयान से उस दशा में उसके बर्ध छोड़ने की अपेक्षा की जाएगी जबकि छोड़ने या लदान की दर समरूप जलयानों और समरूप स्थोराओं की औसत से कम हो।

50. स्थोरा भरने से पूर्व जलयानों का बांधा जाना—पत्तन पर किसी जलयान में माल का लदान या उससे उतराई तब तक नहीं की जाएगी जब तक कि जलयान को उसे आवंटित बर्ध पर बाधा नहीं जाता।

51. भार हटाने या लदान के प्रारंभ से पूर्व माल-सूची का पेश किया जाना—(1) (क) ऐसे जलयान का मास्टर, स्वामी या अधिकर्ता जो स्थोरा को पत्तन पर छोड़ने के लिए ले जा रहा है, यातायात प्रबंध को भार हटाने से कम से कम 6 स्पष्ट दिन पूर्व आयात सामान्य माल-सूची की एक प्रति देगा।

(ख) माल-सूची में, प्रत्येक दिखाए गए परेषण में प्रपुज द्रवों की दशा में लिटर और अन्य मामलों में किलो में सकल भार सहित पूरे व्योरे दक्षित होंगे।

(ग) अनुबंधित समय के भीतर ऐसा माल-सूची के न दिए जाने का यह परिणाम होगा कि सम्बद्ध जलयान का भार हटाने के लिए अनुज्ञान नहीं करने दिया जाएगा।

(घ) जहां विभिन्न भारों के पैकेज किसी परेषण में हों वहां प्रत्येक पैकेज का मैट्रिक प्रणाली से सकल भार भी दिया जाएगा।

(ङ) लोड्डा और इस्पात परेषणों की दशा में,

(क) प्रत्येक हैच का वर्णन,

(ख) परिमाण, और

(ग) प्रत्येक जैच मैट्रिक प्रणाली में भार उपदर्शित करने वाली हैच सूचियां भार हटाने को अनुज्ञा दिए जाने से पूर्व, दी जाएगी।

(2) (क) यदि ऐसे स्थोरा को जो किसी अन्य पत्तन या पोत-परिवहन के लिए है, छोड़ने दिया जाता है, तो ऐसे स्थोरा को छोड़ने देने से पूर्व, मैट्रिक प्रणाली में सकल भार की बाबत पूरे व्योरे देते हुए अनु-पूरक माल-सूची में दी जाएगी।

(ख) यदि मूल आयात सामान्य माल-सूची, जो जलयान की बाबत दी गयी है, ने ऐसे परेषण के व्योरा पहले ही सम्मिलित नहीं है तो—

(3) (क) माल के पोत परिवहन के लिए दिए गए प्रत्येक निर्यात आवेदन और शोध्यों के निवारण के लिए यातायात प्रबंधक के कार्यक्रम में प्रस्तुत किए गए प्रत्येक सीमाशुल्क निर्यात पोत परिवहन बिल में स्थोरा का वर्णन, स्थोरा का परिमाण और मैट्रिक प्रणाली में प्रत्येक परेषण का सकल भार तथा ब्रगज द्रवों की दशा में लिटर सहित, दस्तावेजों के अन्तर्गत आए हुए परेषणों के व्योरे दक्षित होंगे।

(ख) जहां परेषण में विभिन्न भारों के पैकेज हों वहां प्रत्येक पैकेज का मैट्रिक प्रणाली में सकल भार भी दिया जाएगा।

(1) पत्तन से जाने वाले प्रत्येक वाणिज्य जलयान, चाहे उसमें लदान किया गया हो या उसमें बेलास्ट हो, के अधिकर्ता उसके रवाना होने से तीन दिन पूर्व यातायात प्रबंधन को उसकी निर्यात माल-सूची की एक प्रति देंगे।

52. पैकेजों का खोला जाना—यातायात प्रबंधक की अनुज्ञा के बिना आयातकर्ता, निर्यातकर्ता या स्वामी द्वारा मूल्यांकन, परीक्षण या सर्वेक्षण के लिए बंदरगाह के भीतर कोई पैकेज नहीं खोला जाएगा।

53. पत्तन से लोहा, इस्पात, मशीनरी, पैकेज लंबे और अधिक भारी सामान का हटाया जाना—पत्तन में अवतरित लोहा, इस्पात, मशीनरी, पैकेज, लम्बे और अधिक भारी सामानों के परेषणों की यातायात प्रबंधक द्वारा परेक्षितियों, स्वामियों, या आयातकर्ताओं के खर्च पर और उस दशा में उनके पूर्व सूचना दिए बिना ही जबकि वह पत्तन के सुरक्षित और सुविधापूर्वक कार्य करने के लिए ऐसा करना आवश्यक समझता है, किसी अन्य स्थान को उसके विवेकानुसार हटाया जा सकेगा।

54. इमारती लकड़ी का छोड़ा जाना—यातायात प्रबंधक के अनु-मोदन के बिना, इमारती लकड़ी जल में किसी जलयान से नहीं छोड़ी जाएगी और यदि उसे ऐसा छोड़ दिया जाता है, तो ऐसे छोड़ने के पश्चात् उसे भगले उच्च उबार के समय पत्तन से बाहर हटा दिया जाएगा।

55. कोयला या अन्य गन्धे स्थोरा का छोड़ जाना और पोत परिवहन—(1) प्रपुज में या अन्यथा कोयले या अन्य गन्धे स्थोरा का पत्तन में पोतों से या पोतों में छोड़ा जाना या पोत परिवहन, केवल यातायात प्रबंधक को लिखित अनुज्ञा से ही किया जा सकेगा और वह ऐसे मामलों में जहां वह यह समझता है, कि ऐसे छोड़े जाने या पोत परिवहन के कारण कोयला या समरूप धूल से सम्पत्ति को हानि या नुकसान होने की संभावना है, ऐसी अनुज्ञा देने से इंकार कर सकेगा।

(2) तट पर या तट से प्रपुज से या अन्यथा कोयला या अन्य गन्धे स्थोरा के छोड़े जाने के लिए दी गयी अनुज्ञा, आयातकर्ता या नौभार परेषक या उनके प्रत्याशित अधिकर्ताओं के इस प्रकार के अव्यवधीन होगी कि वे घाट से अवशिष्ट की सफाई की पूरी लागत की क्षतिपूर्ति करेंगे।

56. कलाकृतियां, मोना चांदी आदि—(1) पत्तन, किसी कलाकृति या बहुमूल्य वस्तु जिसका मूल्य पैकेज सहित पचास रुपए से अधिक है या जिसमें सिस्का, सोना चांदी, सोने या चांदी की वस्तुएं, आभूषण, बहुमूल्य रत्न और सोना है, वाले किसी पैकेज की बाबत तब तक कोई उत्तरदायित्व

नहीं लेगा जब तक कि स्वामी या परेषिनी द्वारा यातायात प्रबन्धक को लिखित सूचना न दी गयी हो और पैकेज विशेष रूप से यातायात प्रबंधक को परिवहन न किया गया हो तथा पोत परिवहन के लिए बंदरगाह में पैकेज के अवतरण होने या लाए जाने से कम से कम 6 घंटे पूर्व रसीद न ले ली गयी हो।

(2) यदि उपनियम (1) में निर्दिष्ट वस्तुओं में से किसी वस्तु वाले पैकेज यातायात प्रबन्धक को उक्त लिखित सूचना दिए बिना घाट या बंगसार पर लाया जाता है, तो उस वृत्त में 0.7 कि. पैकेज नियति के लिए हो, उसका पोत परिवहन किया जाएगा या उस वृत्त में जब कि उसका आयात किया गया हो, उसे सीमाशुल्क कार्यालय या पत्तन शीलों पर स्वामी के एकमात्र अधिकार पर हटाया जा सकेगा और वहां वह उसके अधिकार पर तब तक रहेगा जब कि उसकी निकासी नहीं होती है।

57 पत्तन घाटों को दूषित करने वाले स्थोराओं का लवण और उत्तराई:—

(1) शोरा और ऐसे प्रकार का माल जो पत्तन घाटों या अभिवहन शीलों को दूषित करने वाले हैं या अन्य माल को नुकसान पहुंचाने वाले हैं, को यातायात प्रबंधक की अनुज्ञा से ही तथा माल के स्वामी या परेषिनी के पत्तन प्राधिकारियों को वे व्यय, जो उनके द्वारा घाट या अभिवहन शीलों की सफाई में उपयोग किए गए हों, संवत्त करने का वचन देने पर किसी जलयान में विनिर्जित किए जा सकेंगे।

(2) (क) पत्तन घाटों पर प्रपुंज में पोत परिवहन से पूर्व इसमें या अन्य पालों में मछली, मछली का अन्य तेलों को निधारने की अनुज्ञा नहीं दी जाएगी।

(ख) जहां प्रपुंज में तेलों का पोत परिवहन किया जाता हो, वहां तेलों का परिवहन, टैंक-वैगनों या टैंकर लारियों द्वारा किया जाएगा और वहां से सीधे ही जलयान के टैंकों में उनको पम्प किया जाएगा, यहां जहां तेल टैंक बाजों में ले जाया गया हो, वहां उसे बाजों से सीधे ही जलयान के टैंकों में पम्प किया जाएगा।

58 खाद्य पदार्थों को दूषित करने वाले स्थोराओं का संभाला जाना:—

(1) स्थोरा की भर्ती, जैसे कि रसायनिक खाद्य, कीटनाशक, विषैले पदार्थ, जिनसे खाद्य पदार्थों को दूषित होने की संभावना है, को परिवहन करने तक भंडारण के लिए किसी बर्थ पर तब तक नहीं छोड़ा जाएगा जब तक कि ऐसे स्थोरा का छोड़ा जाना यातायात प्रबंधक द्वारा लिखित रूप में विनिर्दिष्ट तथा अनुज्ञात नहीं किया गया हो।

(2) ऐसे सभी मामलों में, जहां ऐसी अनुज्ञा नहीं दी गयी है, जलयान या तो ऐसे स्थोरा को सीधे घाट पर छोड़ेगा बशर्ते कि स्टीमर अधिकारियों ने परेषितियों के साथ यातायात प्रबंधक के समाधान प्रदर्श में अवतरण बिन्दु, रेल या सड़क परिवहन से सीधे ही निकासी करने के लिए पर्याप्त इंतजाम कर दिया हो या स्टीमर अधिकारियों द्वारा भाड़े पर लिए गए बाजों के एक और ऐसे स्थोरा को अवतरण करेगा जिसे भंडारण के लिए यातायात प्रबंधक द्वारा नियत विधुओं पर ले जाया जाएगा।

59. जलयानों का अपने बर्थों से स्थानान्तरण:—(1) यातायात प्रबंधक या तो स्वयं या उपसंरक्षक के माध्यम से किसी जलयान को यह निदेश दे सकेगा कि वह पत्तन में एक बर्थ से दूसरे बर्थ को हटा जाए।

(2) इस नियम के अधीन किसी जलयान से हटने की अपेक्षा करने से पूर्व 12 घंटों की सूचना दी जाएगी।

(3) पत्तन किसी ऐसे विलम्ब के लिए उत्तरदायी नहीं होगा जो इस नियम के अधीन किसी जलयान के स्थान परिवर्तन करने में हो।

60. नौभरक को अनुज्ञप्तियां दिया जाना:—(1) संरक्षक, प्रत्येक वर्ष कतिपय अनुमोदित फर्मों और व्यक्तियों को, पत्तन में जलयानों के नौभरण कार्य करने के लिए अनुज्ञा देते हुए अनुज्ञप्तियां जारी करेगा

और पत्तन में किसी जलयान के फलक पर तब तक किसी नौभरक को काम नहीं करने दिया जाएगा जब तक उसके पास ऐसी अनुज्ञप्ति न हो।

(2) संरक्षक, इस नियम के अधीन जारी की गयी किसी अनुज्ञप्ति को किसी भी समय रद्द कर सकेगा या उसे ऐसी अवधि के लिए निलम्बित कर सकेगा जो अनुज्ञप्ति के किसी निबंधन के भंग के लिए विनिर्दिष्ट की जाए।

(3) यदि अनुज्ञप्ति की मंजूरी के पश्चात् यह मालूम होता है कि अनुज्ञप्ति के प्रावधान में सुधारणेशन या तालिक तथ्यों का मिश्रण कथन है या यदि अनुज्ञप्तिधारी को, यथास्थिति, दिवालिया घोषित किया गया हो या उसके कारबार का समाधान हो गया है या यदि अनुज्ञप्तिधारी या उसके एक कर्मकार पत्तन सम्पत्ति या किसी जलयान या उसके उपस्कर को नुकसान पहुंचाते हैं या यदि अनुज्ञप्तिधारी या उसके कर्मकार पत्तन में किसी कार्य में बाधा पहुंचाते हैं, तो अनुज्ञप्ति को इसी प्रकार रद्द या निलम्बित किया जा सकेगा।

परन्तु कोई अनुज्ञप्ति तब तक रद्द या निलम्बित नहीं की जाएगी जब तक अनुज्ञप्तिधारी को युक्ति युक्त अवसर नहीं दिया जाता है कि वह हेतुक शक्ति उसकी अनुज्ञप्ति को, यथास्थिति, क्यों न रद्द या निलम्बित कर विषा जाए।

परन्तु यह और कि हेतुक दर्शित करने का ऐसा अवसर देना उस वृत्त में आवश्यक नहीं होगा जब कि, अनुज्ञप्ति को उसके किसी निबंधन के उल्लंघन के लिए, या इन नियमों में से किसी के उल्लंघन के लिए या ऐसा कार्य करने के लिए जिसके कारण इस नियम के अधीन अनुज्ञप्ति को रद्द या निलम्बित किया जा सकता है, अनुज्ञप्ति धारक के विरुद्ध जांच के संबंध रहने तक, अनुज्ञप्ति निलम्बित की जाती है।

(4) किसी फर्म या व्यक्ति को जारी की गयी नौभरण अनुज्ञप्ति हस्तास्तरणीय नहीं होगी।

(5) यदि संरक्षक को यह मालूम होता है कि उक्त अनुज्ञप्तिधारी ने किसी अन्य कर्म या व्यक्ति को संरक्षक, जो ऐसी अनुज्ञप्ति जारी करने के लिए सक्षम प्राधिकारी है, के लिखित अनुमोदन के बिना अनुज्ञप्ति को उप पट्टे पर दिया है, तो किसी कर्म या व्यक्ति को दी गयी नौभरण अनुज्ञप्ति तुरन्त रद्द करने के लिए दायी होगी।

61 नौभरको को अनुज्ञप्ति जारी करने की शर्त:—(1) प्रत्येक नौभरक, जलयान के लवण या उत्तराई या उसके आनुवंशिक कार्य के दौरान अपने द्वारा नियोजित सभी कर्मचारीवृत्त और अधिकारियों द्वारा सम्यक् अनुपालन और पालन किए जाने के लिए, उस निमित्त तत्समय प्रयुक्त सभी सुसंगत विधियों, नियमों या विनियमों की बाबत उत्तरदायी होगा।

(2) प्रत्येक नौभरक यह सुनिश्चित करेगा कि सभी लवण और उत्तराई संक्रियाएं सभी प्रकार से भारतीय डाक अधिकार अधिनियम, 1934 (1934 का. 19) द्वारा या उसके अधीन विहि अपेक्षाओं के अनुस्यू होंगी और उनका वहन उसके अपने गिअर की सहायता से हो रहा है तथा किसी दोषपूर्ण गिअर के उपयोग के कारण होने वाले किसी क्षति या नुकसान के लिए वह एकमात्र रूप से उत्तरदायी होगा।

(3) (क) प्रत्येक नौभरक प्रत्येक विषाट्टार पर जिस पर लवण, उत्तराई या बंकर किया जा रहा हो, स्थोरा की या कोयला लवण या उत्तराई और ईंधन के बंकर का अधीक्षण करने के लिए कम से कम एक अनुभव प्राप्त फोरमैन और एक टिड्डल नियोजित करेगा।

(ख) टिड्डल फलका में माल के परिवहन या अपरिवहन का पर्यवेक्षण करेगा और जब कभी जलयान डेकों के साथ-साथ और बीच में स्थोरा का लवण कर रहा हो, वहां वह यह देखेगा कि डेक विषाट्टारों

जिनमें कामबोमो और भ्रष्ट और पिछले बीमो की व्यवस्था की गयी है, ऐसे सभी बम अपने उचित स्थानों पर हैं तथा विपाटद्वारा के आवरण उचित तौर पर रखे गए हैं और प्रभावी रूप में संरक्षित किए गए हैं जिससे कार्य करने में पूर्व वे अपने स्थान से हट न सकें। फोरमैन डैक पर रहेगा और यह देखेगा कि विपाटद्वार के बगों के बाहर जैन जर्जर नहीं निकाली जाती है तथा टुक जहाज के मेड को नहीं पकड़ता है या पोल के किसी गिरर को दूषित नहीं करता है या तट पर किसी संरचना या परिनिमित्त को नुकसान नहीं पहुंचाता है।

(ग) फोरमैन जैन बालक को मरी संकेत देगा और वह बीमो और विपाटद्वार आवरणों के उठाने और रखने के कार्य का अधीक्षण करेगा और यह देखेगा कि डैक पर क व्यक्ति खतरे से बाहर है और वे किसी उत्पादन के नीचे खड़े न हों।

(घ) जहां काम दिन या रात के लिए रोक दिया जाता है, वहां फोरमैन तलफार्म लेगा और अपना यह समाधान करेगा कि फलका पर कोई व्यक्ति नहीं है।

(ङ) लदान, उतारई या बकर मजियाओं के दौरान किस व्यक्ति या सम्पत्ति को ली जाने वाली क्षति या नुकसान की दृष्टि में, नौभरक पोत स्वामी तथा बहन प्राधिकारियों के प्रति एकमात्र रूप में उत्तरदायी होगा।

62 स्टीमर अधिकर्ताओं का रजिस्ट्रीकरण—(1) पत्तन में कोई भी स्टीमर अधिकर्ता जब तक काम नहीं करेगा जब तक कि उसके पास संरक्षक द्वारा जारी किया गया रजिस्ट्रीकरण प्रमाण पत्र न हो।

(2) अधिकर्ताओं द्वारा पालन किए जाने वाले पत्र वर्ष रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र को नवीकृत किया जाएगा।

(3) संरक्षक, इस नियम के अधीन जारी किए गए रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र की रद्द कर सकेगा या उसे ऐसी अवधि के लिए निलम्बित कर सकेगा जो किसी ऐसे निबंधन या शर्त के अंग के लिए विनिर्दिष्ट की जाए, जिसके अधीन ऐसा रजिस्ट्रीकरण अनुज्ञात किया गया है।

(4) रजिस्ट्रीकृत स्टीमर अधिकर्ताओं से, ऐसी रकम के लिए जमा खाते खोलने की अपेक्षा की जाएगी जो पत्तन के संरक्षक द्वारा नियत की जाए ताकि पत्तन द्वारा उनकी की गयी सेवाओं के लिए पत्तन प्रमारों के तुरन्त संवाय के लिए उनकी बाध्यता की पूर्ति की जा सके।

63 निकासी और अप्रेषण अधिकर्ताओं का रजिस्ट्रीकरण—(1) पत्तन में किसी निकासी और अप्रेषण अधिकर्ता को कार्य और वोट परिवहन का कारबार तब तक नहीं करने दिया जाएगा जब तक कि उसके कब्जे में संरक्षक द्वारा जारी किया गया रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र न हो।

(2) निकासी और अप्रेषण अधिकर्ताओं के निष्पादन के अधीन रहने हुए प्रत्येक वर्ष रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र का नवीकरण किया जाएगा।

(3) संरक्षक, किसी भी समय इस नियम के अधीन जारी किए गए रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र को रद्द कर सकेगा या उसे ऐसी अवधि के लिए निलम्बित कर सकेगा जो किसी ऐसे निबंधन या शर्त के अंग के लिए विनिर्दिष्ट की जाए जिसके अधीन ऐसा रजिस्ट्रीकरण अनुज्ञात किया गया है।

(4) रजिस्ट्रीकृत निकासी और अप्रेषण अधिकर्ताओं से यह भी अपेक्षा की जाएगी कि वे पत्तन में ऐसी रकम के लिए जमा खाते खोलें जो संरक्षक द्वारा नियत की जाए ताकि पत्तन द्वारा उनकी की गयी सेवाओं के लिए पत्तन प्रमारों के तुरन्त संवाय के लिए उनकी बाध्यता की पूर्ति की जा सके।

64 स्टीमर अधिकर्ताओं या निकासी या अप्रेषण अधिकर्ताओं के रजिस्ट्रीकरण को रद्दकरण या निलम्बन—स्टीमर अधिकर्ताओं का निकासी या अप्रेषण अधिकर्ताओं का रजिस्ट्रीकरण, उसके अनुष्ठित किए जाने के पश्चात् उम दशा में रद्द या निलम्बित किया जाएगा जब कि यह पाया जाता है कि रजिस्ट्रीकरण के आवेदन में तात्त्विक तथ्यों की बाबत दूर्य पदेशन या मिथ्या कथन है या जब कि रजिस्ट्रीकरण के धारक को यथा स्थिति विवाधिया घोषित किया गया हो या उसका कारबार का समापन हो गया हो या जब कि वह और उसका कर्मकार पत्तन का सम्पत्ति के या उसके किसी जलयान का उपकरण को नुकसान पहुंचाते हैं या पत्तन में किसी कार्य में बाधा डालते हैं।

परन्तु ऐसा रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र तब तक रद्द या निलम्बित नहीं किया जाएगा जब तक ऐसे रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के धारक को कारण बताने के लिए युक्तियुक्त अवसर न दिया गया हो कि उसके रजिस्ट्रीकरण को, यथास्थिति क्यों न रद्द या निलम्बित किया जाना चाहिए।

परन्तु यह और कि कारण बताने का ऐसा अवसर उस दशा में आवश्यक नहीं होगा जब रजिस्ट्रीकरण के धारक के विरुद्ध, रजिस्ट्रीकरण के निबन्धनों के उल्लंघन के लिए या ऐसा कार्य करने के लिए जिसके कारण रजिस्ट्रीकरण इस नियम के अधीन रद्द या निलम्बित किया जा सकता है, जांच के लम्बित होने के कारण रजिस्ट्रीकरण निलम्बित किया जाता है।

65 मास्टर, स्वामी या नौभरक के अधीक्षण के अधीन किसी जलयान के स्थोरा का छोड़ा जाना—ऐसे जलयान के फलक पर जलयान के मास्टर, स्वामी या पत्तन में ऐसे कार्य करने के लिए संरक्षक से अनुज्ञति प्राप्त नौभरक के निदेशों और अधीक्षण के अधीन के सिवाय, किसी जलयान से दायित्व वाला स्थोरा पत्तन में नहीं छोड़ा जाएगा और ऐसा मास्टर, स्वामी या नौभरक ऐसे जलयान के फलक पर माल के लापरवाही या अनुचित परिवन्धन से उत्पन्न होने वाली किसी हानि या नुकसान के लिए दायी होगा और वह हर दशा में निम्नलिखित पूर्वावधानियों का पालन करेगा, अर्थात्—

(i) कि उसमें किसी माल की लदान करने से पूर्व, परिवन्धन मोड़ या विस्फुलन के बिना चपटा रखा गया है।

(ii) कि प्रत्येक परिवन्धन करने के पश्चात् और उठाने पर पहले समाव पर चासू चाप की मकड़ी की शलाका से कस कर बांधा जाएगा जिससे कि पकड़ सुनिश्चित हो जाए।

66 मास्टर, आदि और स्थोराओं का कार्य करने वाले नौभरक फलक पर समुचित प्रकाश की व्यवस्था करेंगे—(1) पत्तन में जलयानों के मास्टर, स्वामी और ऐसे जलयानों के स्थोराओं का कार्य करने वाले नौभरक, जलयान के उन सभी भागों में, जहाँ या तो पत्तन जेनो चट्टियों, बेगसारी के उपयोग या अन्य सम्पत्ति या अन्यथा के उपयोग से काम किया जा रहा हो, बाँध्यों की समुचित व्यवस्था करने के लिए समुक्त और पृथक्कृत उत्तरदायी होंगे।

(2) व्यक्तिगत की दशा में उसके परिणामस्वरूप जीवन, धर्म या सम्पत्ति की हुई किसी हानि या नुकसान की बाबत वे संयतत और पृथक्कृत उत्तरदायी होंगे।

67 परिवन्धन-श्रेणों के रूप-सज्जा का प्रयोग जलयान की मेड पर नहीं किया जाएगा—अर्थात् मारा के परिवन्धनों को पत्तन में उतारई करने वाले किसी जलयान के खुले विपाटद्वार के विस्फुल नीचे लगाया

जाएगा और किसी भी परिस्थितियों में जलयान को मंड के नीचे से माल को हटाए जाने के प्रयोजनार्थ, पत्तन क्रेनो का प्रयोग नहीं किया जाएगा।

68. जलयान के विषयों का प्रयोग.—माफ की लदान या उतराई के लिए अपने क्रेनो या विषयों को लगाने वाले जलयानों के मास्टर और स्वामी, किसी भी कारण से माल को उत्पन्न होने वाली हानि या नुकसान के लिए उत्तरदायी होंगे।

टिप्पणः—(1) क्रेनों को ऐसे स्थानों पर लगाया जाएगा जैसा कि नौ-भरकों द्वारा निर्दिष्ट किया जाए।

(2) पत्तन अधिकारी यह देखेंगे कि पत्तन क्रेन पोत गिअर से पर्याप्त दूर काम करे।

69. भारी लिफ्ट.—यातायात प्रबन्धक, किसी जलयान से दस मिटर की टन से अधिक भार की किसी एक पैकेज का अवतरण इस प्रयोजन के लिए उपबंधित पत्तन क्रेनो बिना, उस दशा में प्रतिषिद्ध करेगा जब कि उसकी यह राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या उपयुक्त है।

70. भारी लिफ्टों का छोड़ा जाना.—(1) दस मीटर की टन से अधिक भार की एक वस्तु या पैकेज को तब तक नहीं छोड़ा जाएगा जब तक कि यातायात प्रबन्धक द्वारा इस निमित्त उनके द्वारा अधिकथित निबन्धनों और शर्तों के अधीन ऐसा अनुज्ञान नहीं किया जाता।

(2) ऐसी वस्तुओं और पैकेजों को होने वाली किसी हानि या नुकसान की बाबत पत्तन प्राधिकारी बायी या उत्तरवायी नहीं होंगे।

71. भारी पैकेजों का अंकन और पैक किया जाना.—एक मीटर की टन और उससे ऊपर भार (जिसे इसमें इसके पश्चात् इस नियम में भारी पैकेज कहा गया है) को एकल वस्तुओं या पैकेजों का पत्तन में किसी जलयान के फलक पर या बट्टि दीवारों के पार्श्व में तब तक लदान नहीं किया जाएगा जब तक कि ऐसी प्रत्येक वस्तु या पैकेज का सकल भार उस पर स्पष्टतया और मजबूती से अंकित न किया गया हो और उसे परेवकों या अधिकर्ताओं द्वारा नीचे की गयी रीति से पैक न किया गया हो—

(क) भारी पैकेजों के अंकन की रीति.—(i) भारी पैकेज पर सकल भार अंग्रेजी प्रादेशिक भाषा, यदि संभव हो तो या ऐसी वस्तुओं या पैकेजों को होने वाला नुकसान अंकित न किया गया ऐसे रंग में अंकित किया जाएगा, जो आसानी से नहीं मिट सकता।

(ii) जहां भारी पैकेज का रंग हल्का है, वहां काले रंग और जहां पैकेज का रंग काला है वहां सफेद या पीले रंग का प्रयोग ऐसे अंकनों के लिए किया जाएगा।

(ख) सकल भार टनों या किलोग्राम में अंकित किया जाएगा :—खण्ड (क) के उपबन्धों के अधीन रहते हुए, किसी भारी पैकेज का सकल भार उस पर मेट्रिक टनों या किलोग्रामों में अंकित किया जाएगा।

(ग) अंकन का स्थान :—सकल भार, भारी पैकेज के दोनो ओर इस प्रकार अंकित किया जाएगा जिससे कि पैकेज को किसी भी स्थिति में रखने से अंकन आसानी से दिखाई दे।

(घ) अक्षरों या अंकों का आकार :—भारी पैकेज के सकल भार को अंकित करने में प्रयुक्त प्रत्येक अक्षर या अंक लम्बाई में कम से कम साढ़े सात सेन्टीमीटर (तीन इंच) और चौड़ाई में आधा सेन्टीमीटर (धीयाई इंच) होगा।

(ङ) पैकिंग की रीति :—(i) भारी पैकेज में माल को मजबूत आवरण में ऐसी रीति से सुरक्षित रूप से पैक किया जाएगा जिससे पैकेज के अन्दर मान द्विजुल न सके जिसके फलस्वरूप माल या आवरण टूट न जाए।

(ii) आवरण ऐसी सामग्री और प्रकृति का होगा जो लदान उतराई के दौरान संभालने जाने वाले पैकेजों के भार को सह सके जिससे ऐसे व्यक्तियों, जो पैकेज को संभालने हैं, को होने वाली क्षति को जोखिम से कम हो जाए।

(च) कनिष्ठ परिस्थितियों में लगभग भार का अंकन किया जाना.—जब उम स्थान पर जहां भारी पैकेज का परेपण किया गया है, पैकेज में मही भार अवधारित करने के लिए माधन उपलब्ध नहीं है, तब पैकेज का प्रत्याशित न्यूनतम और अधिकतम भार मीटरों टनों या किलोग्रामों में उम पर ऐसे रूप में अंकित किया जाएगा जो इसके पूर्व विनिर्दिष्ट की गयी है।

परन्तु इस प्रकार प्रत्याशित अधिकतम भार का निर्धारण इस प्रकार किया जाएगा कि यह पैकेज में के वास्तविक भार से कम न हो।

(2) परेपक और उनके अधिकर्ता, जलयानों के अधिकर्ता और नौभरक इस नियम के उपबन्धनों के किसी भग के लिए उत्तरदायी होंगे।

72. परिसंकटमय पदार्थ.—साधारण निबन्धन सभी पदार्थों का जिन्हें परिसंकटमय वर्गीकृत किया गया है (जिसे कि खतरनाक माल के परिवहन की बाबत संयुक्त राष्ट्र मद्य विनियमन समिति की जो कि जेनेवा में अगस्त, 1954 की बैठकी थी, सिफारिशों में परिभाषित है) पत्तन सीमाओं के भीतर संभालने, परिवहन और रखे जाने या लाक्षणिक गुणों के कारण ये उम रूप में गुणावगुण वर्गीकरण, ऐसे निबन्धनों और शर्तों के अधीन होंगे जिन्हें उम सरकार समय-समय पर अधिरोपित करे।

73. पत्तन द्वारा व्यवस्थित किए गए गिअर और अन्य वस्तुओं का उपयोग.—(1) पत्तन द्वारा व्यवस्थित किए गए स्थोरा चलाने वाले सभी गिअर और अन्य वस्तुओं का, जब उनकी और आवश्यकता नहीं है, पत्तन के भंडार और डिपो को वापस कर दिया जाएगा और उन्हें बट्टियों या सड़कों पर पड़े नहीं रहने दिया जाएगा।

(2) जलयानों के मास्टर और स्वामी और नौभरको से अध्ययक्षा की तारीख से भंडार डिपों में वापस करने की तारीख तक, ऐसी सभी वस्तुओं पर किराया फीस प्रभारित की जाएगी।

(3) पत्तन द्वारा व्यवस्थित की गयी सभी वस्तुओं की बट्टियों या सड़कों से, उम काम के जिसके लिए वे लायी गयी थी वे समाप्त होने के दो घण्टों के भीतर हटाया जाएगा, व्यक्तिगत की दशा में, यातायात प्रबन्धक द्वारा उसे हटाया जाएगा और जलयान का मास्टर या स्वामी या नौभरक या ऐसा अन्य व्यक्ति जिसका वह गिअर है, ऐसे हटाए जाने में उपगत सभी खर्चों के लिए बायी होगा।

74. आयुध.—(1) पत्तन में प्रवेश करने वाले और ऐसे प्रत्येक जलयान का जिसके फलक पर आयुध और गोला बारुद वाले पैकेजों को छोड़ने के लिए आयात स्थोरा हो, मास्टर, स्वामी या अधिकर्ता पत्तन में पहुंचने के पश्चात् यथा संभव शीघ्र यातायात प्रबन्धक की ऐसे सभी पैकेजों की पूरी सूची देगा।

(2) ऐसे पैकेजों को छोड़ने के पश्चात् के मास्टर द्वारा गेड फोर-मैन के प्रत्यक्ष आदेशन में दिया जायेगा में विनिर्दिष्ट प्ररूप में उसके लिए एक रमीड देगा और उन पैकेटों को अभिवहन गेड में सुरक्षित बन्द करेगा।

(3) आयुध और गोला बारुद वाले सभी पैकेटों की बाह्य दशा की चेने से पूर्व सावधानीपूर्वक परीक्षा की जाएगी और ऐसी कोई बात जो विनियम रूप में उल्लेखनीय हो, उसकी टिप्पणियों वाले स्मम्भ में दर्ज की जाएगी।

(4) आयुध और गोला बारुद वाले पैकेटों को किसी भी परिस्थितियों में रात्रि के समय किसी जलयान से नहीं छोड़ा जाएगा।

81. जलयात्राओं की पत्तन तक पहुँच और पुलिस पदधारी :—जब कभी मांग की जाए, तब अग्नि और बत्तियों के सवध में निरीक्षण करने के प्रयोजनार्थ, पत्तन में के जलयान पतन और पुलिस पदधारियों को पत्तन तक नियमित रूप से पहुँचाने होंगे, इन नियमों के उल्लंघन में प्रयुक्त किसी अग्नि या बत्ती के बुझाने के लिए किसी पुलिस या चौकीदार के आदेशों की कोई भी अव्यक्ति अवज्ञा नहीं करेगा।

अध्याय VII

82. घट्टि आदि तथा पत्तन क्षेत्र यातायात प्रबंधक के प्राधिकारी के अधीन रहेंगे :—(1) पत्तन की सीमाओं के भीतर घट्टि, शौड, द्वारा और अन्य क्षेत्र यातायात प्रबंधक के भारसाधन में रहेंगे, जो माल के प्रवहन और पोत परिवहन और या तो शौडों में या खुले में उनके भंडारकरण से संबंधित सभी सक्तियाओं की बाबत निदेश देगा और उनका प्रबंध करेगा, पत्तन में पड़े रहने वाले मसस्त माल की उचित अभिरक्षा उसके पास होगी और वह ऐसे कदम उठाएगा जो पत्तन के भीतर समुचित व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक होंगी।

2(क) कोई भी व्यक्ति, यातायात प्रबंधक के प्राधिकार द्वारा या उसके अधीन उसे जारी किए गए अनुज्ञापत्र या टोकन के बिना, पत्तन क्षेत्र में प्रवेश नहीं करेगा, पुलिस अधिकारी या उस निमित्त सम्बन्धित मण्डल किए गए किसी पोत अधिकारी द्वारा मांग किए जाने पर ऐसे अनुज्ञापत्र या टोकन को निरीक्षणार्थ पेश किया जाएगा।

(ख) कोई व्यक्ति उपर्युक्त रूप में जारी किए गए किसी अनुज्ञापत्र या टोकन का अन्य व्यक्ति द्वारा प्रयोग नहीं करने देगा।

(ग) ऐसे अनुज्ञापत्र या टोकन, जिसे किसी व्यक्ति को जारी किया गया है, और उसने किसी अन्य व्यक्ति को ऐसे प्रयोग करने दिया है, अधिकृत और रद्द किया जाएगा।

83. पत्तन के विभिन्न अनुभागों के काम के घण्टों का विनियमन :—यातायात-कार्य, प्रयोजनों के लिए जिन विभिन्न अनुभागों में पोत-परिमर विभक्त किए गए हैं, उनमें से प्रत्येक में जिन घण्टों में कार्य किया जाएगा, के समय समय पर यातायात प्रबंधक द्वारा, सम्बन्धित अनुभागों में सूचना चला करके अधिसूचित किया जाएगा और यातायात प्रबंधक की लिखित अनुज्ञा के बिना, इस प्रकार अधिसूचित काम के घण्टों के अतिरिक्त पत्तन परिसरों के भीतर कोई काम नहीं किया जाएगा।

84. रात्रि और अवकाश कार्य :—रात्रि या रविवार या अवकाश दिनों में काम करने के लिए आवश्यक यातायात प्रबंधक को दिए जाएंगे, जो सीमा-शुल्क विभाग से आवश्यक अनुज्ञा पेश किए जाने पर उनके उचित संचालन के लिए आवश्यक इन्तजाम करेगा और ऐसे दिनों और रात्रि के समय काम के लिए, इस प्रयोजनार्थ विनिर्दिष्ट विशेष प्रभार संवत्त किए जाएंगे।

85. स्पष्टीकरण :—इस नियम के प्रयोजन के लिए अवकाश दिन वे होंगे जो उपसंस्था द्वारा समय समय पर अधिसूचित किए जाएंगे।

85. पत्तन में प्रवेश :—पत्तन के प्रवेश द्वारा और विकेट द्वारा, पत्तन प्राधिकारियों द्वारा उसके लिए विनिर्दिष्ट घण्टों के भीतर खुले रखे जाएंगे और किसी अन्य समय पर केवल ऐसे व्यक्तियों को प्रवेश करने और बाहर जाने दिया जाएगा जिनके पास यातायात प्रबंधक द्वारा इस प्रयोजन के लिए जारी किए गए विशेष पास हों।

86. डाक श्रमिकों और नाविकों के भोजन लेने के लिए अवकाश स्थान रखे जाएंगे :—नाविकों या डाक श्रमिकों को अपने भोजन लेने में समर्थ बनाने के लिए, यातायात प्रबंधक के विवेकानुसार उसके आदेश द्वारा समय-समय पर अवकाश की अपेक्षानुसार कनिष्ठ स्थान अवकाश किए जाएंगे और ऐसे भोजन लेने वाले सभी व्यक्ति उन्हीं स्थानों और उनकी जाने वाली और उनसे आने वाले ऐसे मार्गों तक निर्बंधित किए जाएंगे, जो सूचना-पट्टों द्वारा उपदर्शित किए जाएंगे।

87. पेटियों को खोलने और उनकी मरम्मत करने के लिए अनुज्ञप्त काष्ठकारों को शौड जाने दिया जाएगा :—यातायात प्रबंधक, पत्तन में पेटियों के स्वामियों के कहने पर उनकी खोलने या मरम्मत करने के लिए कष्ट-कारों के रूप में कार्य करने के लिए अर्हित व्यक्तियों को अनुज्ञप्ति प्रदान करेगा और उस रूप में अनुज्ञप्त व्यक्ति से भिन्न किसी व्यक्ति को ऐसे

प्रयोजनों के लिए प्रयुक्त होने वाले औजारों या उपकरणों को पत्तन में नहीं ले जाने दिया जाएगा।

88. फेरी वालों की अनुज्ञप्ति जारी किया जाना :—कोई व्यक्ति यातायात प्रबंधक, से अनुज्ञप्ति लिए बिना पत्तन के भीतर या किसी जलयान के प्लक पर माल को फेरी नहीं लगाएगा या उसे नहीं बेचेगा और इस प्रयोजन के लिए यातायात प्रबंधक व्यक्तियों की अनुज्ञप्ति जारी कर सकेगा जो कि हर वर्ष नवीकरणीय होंगे, परन्तु ऐसे व्यक्ति सीमा शुल्क कलक्टर से लिखित में पूर्ण अनुमोदन अधिप्राप्त करेंगे और ऐसी अनुज्ञप्ति के कारण उसका धारक ऐसे जलयान के मास्टर, स्वामी या अधिकर्ता की अनुज्ञा के बिना पत्तन में जलयान के प्लक पर जाने का हकदार नहीं होगा।

89. पत्तन से टूटो और हाथगाड़ियों का हटाया जाना :—ऐसे टूट और हाथगाड़ी जिनमें सामान मंदा हुआ है और जिन्हें तुरन्त पत्तन से बाहर नहीं ले जाया गया है, माल के स्वामी के जोखिम और खर्च पर यातायात प्रबंधक द्वारा हटाया जा सकेगा और व्यापारियों या अन्य व्यक्तियों के टूट और हाथगाड़ी जो पत्तन में पड़े हुए छोड़े दिए गए हैं, और यातायात प्रबंधक द्वारा हटाई और अधिकृत की जा सकेंगी।

90. किसी भी पत्तन पर किसी सम्पत्ति का नाश या नुकसान :—ऐसा व्यक्ति जो पत्तन जलसरोथी या प्रवेश पर या पत्तन के भीतर किसी लंगर की मूरिंग, रज्जू, जंजीर, जीवन-बोया, रक्षा लाईन, जीवन-रक्षा उपकरण या किसी बीया या बीया रज्जू या केबल को काटता है, विरहित करना है या नुकसान पहुंचाता है, ऐसी शक्ति पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना जिसके लिए वह किसी अन्य विधि के अधीन दायी हो, नुकसान, मरम्मत और वसूली की रकम सदात्त करने के लिए दायी होगा।

91. अधिकारियों को बाधा आदि पहुंचाया जाना :—कोई भी व्यक्ति, पत्तन के किसी कर्मचारी को, अपने कर्तव्यों का पालन करने में नहीं सनाएगा उस पर प्रहार नहीं करेगा, प्रतिरोध नहीं करेगा, रुकावट नहीं डालेगा, बाधा नहीं डालेगा, अड़चन नहीं डालेगा या विघ्न नहीं डालेगा या सनाने, प्रहार करने, प्रतिरोध करने, रुकावट डालने, बाधा पहुंचाने या अड़चन डालने या विघ्न डालने के लिए आगे नहीं आएगा या प्रयास नहीं करेगा या उसके विधिपूर्ण आदेशों की अवज्ञा नहीं करेगा, या गालीगलौज या मंतापकारी भाषा का प्रयोग नहीं करेगा या किसी अन्य व्यक्तियों को इन बातों में से किसी को करने के लिए सहायता नहीं देगा या नहीं उकसाएगा।

92. फीस या उपदान का दिया जाना :—पत्तन के किसी अधिकारी या सेवक को जिसे अनुशासनिक कार्रवाई के कष्ट के कारण, ऐसी किसी फीस, उपदान या पारितोषिक लेने से निषिद्ध किया गया है, कोई फीस, उपदान या पारितोषिक नहीं दिया जाएगा।

93. संकेत :—(1) संकेतों के अन्तराष्ट्रीय कोड का प्रयोग करके जलयानों द्वारा सभी आवश्यक संकेत दिए जाएंगे और मस्तूल-शीर्ष संकेत केन्द्र पर फहराए हुए जबकी ध्वज द्वारा उन्हें अधिस्वीकृति दी जाएगी।

(2) केन्द्र मागने के लिए दिन के समय ध्वज 'जेड' और रात्रि के समय छोटे-छोटे अन्तरालों पर 'जेड' का प्रदीपन करके पत्तन संकेत केन्द्र को मार्स और सेमाफोर कोडों द्वारा संसूचना दी जा सकेगी।

94. खराब मौसम के लिए इन्तजाम :—प्रतिकूल या खराब मौसम के बापू रहने के दौरान पत्तन के प्रत्येक जलयान के मास्टर से निम्नलिखित निदेशों का पालन करने की अपेक्षा की जाएगी, अर्थात् :—

(क) सूर्यास्त और सूर्योदय के बीच उसे अपने जलयान से अनुपस्थिति नहीं होना चाहिए।

- (ख) प्रत्येकान्विक सूचना पर समुद्र में जाने के लिए उसे सभी प्रकार से अपने जलयान तैयार रखने चाहिए और यदि यह उसके लिए संभव न हो तो उसे इस मध्य की संसूचना उप संरक्षक को पुराना देनी चाहिए।
- (ग) खतरे का संकेत फहराया जाने पर, उसे अपने जलयान की सुरक्षा के लिए सभी उपाय करने चाहिए क्योंकि पत्तन प्राधिकारियों द्वारा और अनुदेश सही दिए जा सकेंगे।

9.4. जलयान द्वारा भारतीय स्वास्थ्य नियम का अनुपालन:—पत्तन में पहुँचने वाले सभी जलयान, अपने विश्रामकाल और पत्तन से खाना होने समय भारतीय पत्तन स्वास्थ्य नियम, 1955 के उपबन्धों का अनुपालन करेंगे।

[का० सं० पी०जी०एल०-12/74]

वीरेन्द्र राज मेहता, निदेशक

New Delhi, the 4th January, 1977

G.S.R. 122.—Whereas draft of the port of New Mangalore Rules, 1976 was published as required by sub-section (2) of Section 6 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908) at pages 1645 to 1653 of the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i), dated the 19th June, 1976 under the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Transport Wing) No. G.S.R. 873, dated the 27th May, 1976 inviting objections and suggestions from all persons likely to be effected thereby till the expiry of a period of sixty days from the date of publication of that notification in the Official Gazette;

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 27th June, 1976;

And whereas no objections or suggestions have been received from the public;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

CHAPTER I

Preliminary

1. Short title commencement and application—(1) These rules may be called the Port of New Mangalore Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official gazette.

(3) They shall, unless otherwise provided in these rules, be applicable only within the local limits of the Port of New Mangalore.

2. Definitions— In these rules, unless the context otherwise requires,—

- (a) "Act", means the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908);
- (b) "Conservator" means the Conservator of the port appointed by the Central Government under the Act;
- (c) "dangerous goods" means as defined in the Indian Merchant Shipping (Carriage of Dangerous Goods) Rules, 1954;
- (d) "dangerous petroleum" means petroleum having its flash point below 24.4 degrees centigrade;
- (e) "Deputy Conservator" means the head of the Port's Marine Department and includes the harbour master or any pilot duly authorised to assist by the head of the Marine Department in this behalf;
- (f) "fuel oil" means petroleum oil having a flash point of not less than 65.6 degrees centigrade and ordinarily used as fuel in engines and furnaces;

(g) "Owner", in relation to goods, includes any consigner, consignee, shipper or agent for the sale, custody loading or unloading of such goods; and in relation to any vessel making use of the port, includes any part-owner, charter, consignee, or mortgagee in possession thereof;

(h) "petroleum" means any liquid hydro-carbon or mixture of hydro-carbon and any inflammable mixture (Liquid, viscous or solid) containing any liquid hydro-carbon, but does not include any oil ordinarily used for lubricating purpose and having a flash point at or above 93.3 degrees centigrade;

(i) "Port" means the Port of New Mangalore;

(j) "Port authorities" means the Chief Engineer and Administrator, of the Port appointed by the Central Government and includes any other officer of the Port acting under the authority of the Chief Engineer and Administrator, of the Port;

(k) "Tanker" is a cargo ship constructed or adapted for the carriage in bulk of liquid cargoes of an inflammable nature;

(l) "Traffic Manager" means the officer for the time being in charge of traffic operations in the Port and includes the Deputy and Assistant Traffic Managers and any other officer acting under the authority of the Traffic Manager.

CHAPTER II

Admission of Vessels into Port

3. Intimation of a vessel's expected arrival.—(1) (a) When a vessel is expected to arrive, her agents shall at least fortyeight hours before the expected time of arrival, send a notice to the Traffic Manager with a copy to the Deputy Conservator in the form specified by the Deputy Conservator.

(b) Any special requirements regarding particular berths heavy lift cranes and other things shall be indicated in such notice.

(c) Detailed particulars of cargo to be landed at the port, with items of special cargo and heavy lifts shown separately with their stowage and distribution of cargo hatchwise shall either be attached to the vessel's arrival notice or be sent at least 24 hours before the arrival of the vessel and this cargo advice shall be in triplicate.

(2) The agents of expected vessels shall in their own interest contact the Traffic Manager in time and apprise him with all the information regarding the nature, quantity, and the stowage of cargo they intend working and also such information regarding the vessel as will be necessary for berthing her at a suitable berth.

4. Allotment of Berth.—(1) A vessel shall have no claim to a berth in the port until one has been specially allotted by the Traffic Manager and intimation given of such allotment by the Conservator.

(2) Allotment of any berth in the port shall only be considered as provisional until a vessel is actually ready to enter the port and her suitability for and the right to such berth is established to the satisfaction of the Traffic Manager.

5. Priority for certain vessels.—The allotment of berths shall be within the discretion of the Traffic Manager and subject to exigencies, the vessel first sighted and identified by the signal station shall be given priority:

Provided that Government vessels embarking or disembarking troops, passenger vessels and any other class of vessels which the Conservator may from time to time declare in this behalf shall be eligible for a degree of priority in berthing.

6. Refusal to allot a berth.—If the Traffic Manager considers that there is good and sufficient reason for not admitting a vessel into the port, he may refer the matter to

the Conservator and pending the decision of the Conservator, he may refuse to allot a ber h.

7. Master to be in command of vessel.—A vessel shall not be permitted to enter or leave the port or be moved from one berth to another in the port unless the master is on board :

Provided that under exceptional circumstances, such as death or a serious illness of the master, special arrangements may be made in consultation with the Conservator.

8. Orders etc. of the Conservator to be carried out.—Master and owner of vessels shall obey all directions of the Conservator in relation to the rotation and manner of approaching the port entrance and of coming into or going out of port.

9. Entering or leaving port.—All sea going vessels on entering or leaving the port between sun-rise and sun-set shall fly their national flag, and when entering the port, each vessel shall hoist her signal letters.

10. Piloting of vessels.—Subject to the provisions of the Act, and the conditions given below, pilotage is compulsory for all vessels except for those which are specifically exempted in writing by the Conservator or some other officer specially empowered by him in this behalf :—

- (a) The pilot shall board incoming ships and disembark from outgoing ships within one nautical mile seaward of the fairway buoy located at Latitude 12° 55' 06.2" N and Longitude 74° 46' 17.6" E and shall assist in piloting vessels to and from their assigned berths and in berthing or unberthing such vessels.
- (b) The master shall supply the pilot with all the information with regard to quarantine, dangerous goods on board, ship's draft and matters relating to the ship's behaviour and shall on completion of pilotage and berthing or unberthing, complete and sign and certificates on specified forms presented by the pilot.
- (c) In the event of an out-going vessel carrying a pilot outside the limits specified in clause (a) for unavoidable reasons, the master shall be bound to leave the pilot at the next nearest port and shall be liable to pay all expenses incurred on this account.
- (d) The master of a vessel shall in accordance with the provisions of the Act, display such signals as are required by the pilot to be used or as may be directed by the pilot.
- (e) (i) Every vessel entering or leaving the port shall be provided with an efficient pilot ladder in compliance with the Indian Merchant Shipping (Pilot Ladder) Rules, 1953.
(ii) If a pilot considers the rope ladder or monropes provided by a vessel to be unsafe, he may refuse to board or leave her, as the case may be until a strong and efficient ladder and stout mon-ropes are provided as required.
- (f) Vessels shall not anchor eastward of the outer channel fairway buoy or in any other prohibited anchorage, nor shall a master attempt to enter the channel to pick up a pilot.
- (g) (i) If any accident occurs to a vessel while a pilot is on board and if the master of a vessel has any complaint to make regarding the handling of the vessel under the command of the pilot, or the advice given to him by the pilot on duty, he shall report about the accident at once to the Deputy Conservator who shall immediately hold a departmental enquiry.
(ii) If the accident occurs while the vessel is leaving the port the master shall send in full report direct to the Deputy Conservator from his next port of call.
(iii) Such report shall be accompanied by a signed statement of any witness to the incident in question.
- (h) A vessel may leave the port without having on board a pilot under stress of weather after obtaining an authority to do so from the Conservator and after

intimating the port Signal Station of her intention to do so.

11. Use of Port tugs.—It shall be incumbent upon the master of a vessel to avail of the services of the Port tugs, while navigating within the port limits.

12. Taking photographs etc.—No person shall, except under the authority of a written permit granted by the Traffic Manager :—

- (a) have or carry with him a camera for taking photographs or any material for making a sketch, plan, model or other devices ;
- (b) take any photographs or make any sketch, plan or model of any movable or immovable object or building or installation within any Port limits,
- (c) any other area declared as such by the Conservator from time to time.

13. Supply of wires, hawsers, etc.—Vessels entering the port shall have in readiness for supply such steel wire ropes and other hawsers as may be required to facilitate berthing alongside.

14. Vessel's crew and appliances to be in readiness.—(1) Masters or owners of vessels shall employ sufficient number of crew, and keep in readiness such appliances on board as may be necessary for working their vessels in and out of the port channel and in the port.

(2) In default or whenever necessary, the Conservator shall employ such number of personnel, and make available such appliances as he may consider necessary at the expense of the master or the owner.

15. Other precautions.—(a) Vessels when entering, leaving or when being moved in the port or in the event of parting their moorings when secured to a jetty, quay or buoys shall have both anchors ready for letting off at any time.

(b) Vessels when entering, leaving, being moved, or lying in the port alongside quays or jetties shall have their sides free of all projections and their boats, davits and derricks shall be swung in board and gangway ladders shall be stored in board.

(c) Masters and owners of vessels shall be responsible for all accidents which may result from failure to adopt any of the precautions specified in clauses (a) and (b).

16. Vessels lying outside the port entrance channel to be moved.—(i) A vessel lying in the harbour near the entrance to the port or in the fairway of the channel, or near the entrance channel in the pilotage waters of the harbour shall be removed by the master or owner if and when required by the Conservator.

(2) If such removal is not effected promptly, it shall be carried out under the orders and directions of the Conservator at the risk and expense of the master or owner of such vessel.

CHAPTER III

Regulations for vessels in the Port

17. Master etc. to Place his Vessels in Her Berth.—(1) All vessels within the port shall take up such berths as may be assigned to them by the Traffic Manager of the Conservator and shall change their berths or move when required by either of the said officers.

(2) No vessel shall cast off a warp that has been made fast to her to assist the vessel moving, without being required to do so by the pilot or the Harbour Master in charge of the vessel moving.

18. Closing of Hatchways when not Working.—Vessels when not working cargo shall have all hatchways closed or well protected.

19. Mooring Unmooring and Moving Vessels in Port under orders of the Deputy Conservator.—(1) Masters of owners of vessels shall obey the directions of, and shall offer no

obstruction to, the Deputy Conservator, in regard to the mooring, unmooring or mooring of any vessel in the port.

(2) A vessel shall not be required to be moved from her berth without the previous orders in writing of the Deputy Conservator.

(3) In case it becomes necessary, the Deputy Conservator shall take such action as may be necessary to enforce his orders and any expenses incurred in taking such action shall, without pre-judice to any penalty to which the master of owner in default may be liable, be payable by such master or owner.

(4) Master of vessels shall ascertain from the Deputy Conservator the maximum drafts to which their vessels may load.

20. Mooring improperly.—Masters or owners of vessels in the port shall not permit the ropes or hawsers of their vessels to be made fast to any place or places in the port other than the bollards, mooring posts or other appliances specially provided for the purposes.

21. Vessels to be in-charge of competent persons.—When a vessel remains in the port, the master or any other responsible officer and sufficient number of crew shall always be on board.

22. Watchman to be kept on deck.—A vessel in the port shall maintain a Quarter Master or a Watchman always on duty on the deck, who shall be in charge of the vessel's shore gangway and attend to the mooring ropes and line of the vessel, and shall also be responsible for their adjustment and in case of default, the master or the owner of the vessel shall be liable for any damage as a result of such default.

23. Vessel's Propeller not to be worked.—(1) While a vessel is berthed or moored in the port, any propeller shall not be moved by power without the previous written permission of the Deputy Conservator and subject to such conditions as he may direct.

(2) Notwithstanding such permission masters and owners shall be responsible for any damage that may result from the moving of any propeller by power or hand.

24. Anchor or other gear dropped in port, etc. to be recovered.—Master shall be responsible for the immediate buoying of any anchor or other gear they may be dropped over-board from their vessels in the port and shall take all steps necessary for the removal from the water of any such anchor or gear.

25. Vessels to be properly ballasted.—Vessels in the port shall be kept so loaded or ballasted that in the event of fire or other emergency, they may be removed from their berths without danger.

26. Repairs to Vessels.—Master intending to carry out repairs to vessels may do so only subject to the following conditions, namely:—

- (i) vessels shall not be immobilised without first obtaining permission from the Deputy Conservator;
- (ii) vessels are likely to be moved from the berths when the berths are required for working cargo by other vessels;
- (iii) the Deputy Conservator may if considered desirable, prohibit chipping or repairs causing excessive noise between 10.00 and 17.00 hours;
- (iv) repairs involving the use of naked lights, gas cutting and welding apparatus to, or in the vicinity of, fuel oil storage tank or the fuel system, or involving the entry of a person into any fuel storage tank or such vessel wherein petroleum may have been stored, may not be commenced unless a gas free certificate from the appropriate authority has been obtained.

27. Goods etc. not to be allowed to fall into Port.—No cargo, goods or any other substance shall be allowed to fall from any vessel, quay or pier into the port channel or in the port.

28. Notice to be given of Cargo, goods etc. falling into water.—Any person or the master or owner of any vessel or the stevedore engaged in loading or unloading any vessel who allow any cargo, goods or other substance to fall from any vessel, pier, or quay into the water shall forthwith give notice of the concurrence and furnish all particulars connected therewith to the Traffic Manager and the Deputy Conservator and shall take immediate steps to remove the said cargo, goods or substance from the water at their cost.

29. Recovery of goods, rubbish etc. falling into water.—If any person, master or owner of a vessel or stevedore required under rule 28 to remove any cargo, goods or other substance from the water, fails to remove within such time as has been specified in a notice from the Deputy Conservator calling upon him to do so, the Deputy Conservator may remove such cargo, goods or substance and any expenses incurred in such removal shall be recovered from the person, master, owner or stevedore, without prejudice to any other penalty to which the person, owner or stevedore may be liable.

30. Ashes, rubbish, etc. not to be deposited on quays etc. without permission.—No person shall without authority from the Traffic Manager, deposit, upon any quay or pier, in the shed or any part of the port, any ash, ballast, baskets, bottles, cinders, dirt, dung, refuse, rubbish, shavings, stores or other similar loose materials or substances.

31. Prevention of materials falling into Port, disposal of ashes etc.—(1) Master or owners of vessels or stevedores loading or unloading, ashes, ballast, bricks, cinders, coal, dust, rubbish, singles, stone, tiles or any other loose matter shall use for such loading or unloading, a canvas cloth or wooden chute, to the satisfaction of the Conservator.

(2) Ashes, cinders, dust and rubbish shall be landed on the quay in such places as may be directed by the Traffic Manager and the Master, owner or the stevedores, as the case may remove them from such place.

32. Oily bilge water etc. not to be pumped into Port.—(1) No ballast water containing oil liable to foul or capable of fouling the water shall be discharged from any vessel into the Port.

(2) If any oil is found floating around the ship, it shall be the responsibility of the master to prove that it is not from his ship.

33. Cleaning of vessels.—No person shall be employed in cleaning or painting a vessel or in working in the bilges, boilers or double bottom of a vessel in the Port except during such time as may be fixed by the Conservator in this behalf.

34. Projections from deck of a vessel.—Projections from the deck of any vessel which interfere with the loading or unloading of any other vessel in the Port shall forthwith be removed on a requisition by the Traffic Manager.

35. Fenders.—Fenders provided by the Port at the quay, jetty berths shall not be lifted or removed by the masters or their stevedores.

36. Sound Signals.—The use of sound signals for attracting attention is prohibited on board the vessels while within the limits of the Port, except for the purposes specified in regulations 15, 28 and 31 of the International Regulations for preventing Collisions at Sea, 1960, and in case of emergency when assistance from the shore is urgently required in the interests of the safety of the vessel or when the pilot in charge thinks fit to do so.

37. Sinking of boats etc.—The master or owner of cargo vessel in the harbour, alongside of which any cargo, masula or other boat is sunk whilst taking in cargo or passenger or discharging cargo or passenger, shall forthwith report the fact of such sinking and the place where it occurred to the Conservator.

38. Dangerous animals and fire-arms.—Dangerous animals and loaded guns or fire-arms shall not be kept or allowed on board any vessel in the Port.

39. Vessels with dangerous cargoes etc.—The Conservator may order immediate removal from the port of all vessels having on board animals manures or other offensive or dangerous cargoes or persons suffering from infectious diseases.

40. Masters etc. of vessels responsible for damages.—Masters and owners of vessels shall be responsible for any loss or damage caused to any of installations or property of the port due to the negligence of their servants and the Conservator shall have the right to detain their vessels until the value of the loss or damage is paid or security for such payment is given

41. Vessels etc. in port at the risk of master etc.—All vessels in the port lie at the risk of their Masters or owners who shall be held responsible for any loss or damage that may arise in consequence of their faulty navigation or by reason of their breaking adrift from their anchors or moorings.

42. Masters etc. responsibility for acts or crew etc.—Masters and owners of vessels shall be held liable and responsible for the acts of the crew and any person employed by them either outside, or on board, their vessels

43. Port authorities accept no liability for delay etc.—The port authorities shall not be liable for any delay in respect of vessel entering, remaining in, or going out of the port or for delay in the loading or unloading of goods owing to circumstances beyond their control

44. Notice regarding outbreak of fire on vessels to be given by masters etc.—(1) Any person noticing a fire in a ship shall immediately :—

- (a) inform an officer of the ship who shall be responsible for raising the alarm in accordance with the provisions of sub-rule (2) ;
- (b) if the ship is alongside a quay, threat the fire as on shore and raise the alarm in accordance with the provisions of sub rule (2) and also inform an officer of the ship who shall also raise the alarm in accordance with the provisions of sub-rule (2).

(2) The following methods shall be used for raising an alarm, namely :—

- 1 Afloat by day.—Hoist International Flag 'D Q' sound continuous blasts on ship's whistle or siren until the arrival of the Fire float.
2. Afloat by night.—Sound whistle or siren as above hoist two red lights above the other 6(six) feet apart, when ships are alongside the alarm is to be raised by telephone in addition to the above procedure.
3. Ashore by day or night.—Run to the nearest Telephone and ring up Port Exchange and on being connected, state clearly :—

Fire in ship at.....

Fire ashore at... ..

Note :—The Port PBK Operator should take care that the connection to Port Fire Office is given without any delay whatsoever.

45. Prohibition of underwater salvaging of repairs.—No person shall salvage any anchors, cables, stores, or for cargoes lost or supposed to be lost therein or undertaken under water repairs to vessels without the prior permission of the Conservator or an officer authorised by him in that behalf.

CHAPTER IV

Rules in respect of wharves and sheds for the loading and unloading of vessels; and for the delivery and shipment of goods

46. Work in port under the Traffic Manager.—(1) The loading and unloading of vessels in the port shall be subject to the control of the Traffic Manager who may at his discretion, prohibit the discharge of such goods in the port which in his opinion are likely to obstruct traffic or cause congestion or hinder the convenient use of the port,

(2) The Traffic Manager may also, at his discretion, and at the cost of the owner remove to any other place, goods, the storage of which on the port premises which on the port premises either upon their landing in the port or thereafter, is likely to obstruct traffic or cause congestion.

(3) The appointment of quay space to be occupied by each vessel shall similarly be determined by the Traffic Manager

47. Use of Cranes.—The allotment of quay cranes for discharging import cargo or for loading export cargo shall be at the discretion of the Traffic Manager.

48. Vessels lying idle.—The Traffic Manager may, at his discretion, move from her berth, or order out of the port, any vessel which in his opinion has remained idle in the Port.

49. Vessels working slowly.—A vessel discharging import cargo or loading export cargo in the port may be required to give up her berth if the rate of discharge or loading is below the average for similar vessels and for similar cargoes.

50. Vessels to be moored before working cargo.—Goods shall not be loaded into or unloaded from a vessel in the port until the vessel has been moored at her allotted berth.

51. Production of manifest before breaking bulk or before commencement of loading.—(i) (a) The master, owner or agent of a vessel carrying cargo for discharge at the port shall furnish the Traffic Manager, with a true copy of the complete Import General Manifest not less than six clear working days before being permitted to break bulk.

(b) The manifest shall show full details of each consignment manifested including literage in the case of liquids in bulk and gross weight in kilos in other cases.

(c) Non-submission of such manifests within the stipulated time may result in the vessel concerned not being permitted to break bulk.

(d) Where the consignment consists of packages of different weights, the gross weight in the metric system of each package shall be furnished in addition.

(e) In the case of iron and steel consignments hatch lists indicating (a) description, (b) quantity and (c) weight in metric system in each hatch, shall also be submitted before permitted to break bulk

vii) (a) If cargo meant for any other port or meant for transshipment is allowed to be discharged, a supplementary manifest giving full details of gross weights, in metric system shall be filed before being permitted to discharge such cargo.

(b) if details of such consignments are not already included in the original Import General Manifest filed for the vessel.

(iii) (a) Every export application submitted for shipment of goods and every customs export shipping bill presented at the office of the Traffic Manager for assessment of dues shall show full details of the consignments covered by documents including the description of the cargo, quantity of cargo and the gross weight of each consignment in metric system, including literage in the case of liquids in bulk.

(b) Where the consignment consists of packages of different weights, the gross weight in the metric system of each package shall be furnished in addition.

(iv) The agents of a merchant vessel departing from the port, whether loaded or in ballast shall before three days of her departure, furnish the Traffic Manager with a copy of her Export Manifest.

52. Opening of Packages.—No package shall be opened inside the harbour by the importer, exporter or owner, for appraisement, examination or survey, without the permission of the Traffic Manager.

53. Removal of iron, steel, machinery packages, long and unwieldy heavy lifts from the Port.—Consignments of iron, steel machinery packages, long and unwieldy heavy lifts landed in the port may be removed by the Traffic Manager at his discretion to any other place at the cost of the consignees, owners or importers and without any previous notice to them if he considers it necessary so to do for the safe and convenient working of the Port.

54. Timber Discharging.—Timber shall not be discharged from a vessel overside into the water without the approval of the Traffic Manager and if so discharged, shall be removed out of the port on the next high tide after such discharge.

55. Discharge and Shipment of Coal or any other Dirty Cargo.—(1) The discharge and shipment of coal or other dirty cargo in bulk or otherwise from and into ships in the port, may be effected only with the written permission of the Traffic Manager who may refuse such permission in cases where he considers any loss or damage to property is likely to arise from coal or similar dust, caused by such discharge or shipment.

(2) Permission accorded to discharge or to ship coal or other dirty cargo, in bulk or otherwise, on and from shore, shall be subject to the importer or shipper or their accredited agents agreeing to reimburse the entire cost of clearing the wharf of the residue.

56. Works of Art Bullion etc.—(1) The port shall not accept any responsibility in respect of any package containing a work of art or an article of virtue of which the value including that of the package exceeds Rs. 50 or containing specie, bullion, gold or silver articles, jewellery, precious stones or coral unless written notice is given to the Traffic Manager by the owner or consignee and the package is specially delivered to the Traffic Manager and a receipt thereof obtained at least six hours before the package is landed or brought into harbour for shipment.

(2) If any package containing any of the articles referred to in sub-rule (1) is brought to any wharf or pier without the said written notice being given to the Traffic Manager, the package, if for export, shall be shipped, or if imported shall be removed to the Customs House or to the port sheds at the sole risk of the owner and shall remain at his risk until cleared.

57. Loading and Unloading of Cargoes likely to Foul Port Wharves.—(1) Mollasses and other goods of a nature likely to foul the port wharves or transit sheds or to cause damage to other goods may be discharged from a vessel in the port only with the permission of the Traffic Manager and subject to the owner or consignee of the goods undertaking to pay to the port authorities the expenses if any, incurred by them for clearing the wharf or transit shed.

(2) (a) The decanting on the port wharves from drums or other receptacles, of vegetable, fish or other oils preparatory to their shipments in bulk shall not be permitted.

(b) Where shipment in bulk of oils, are to be effected, the oils shall be transported to the port in tank wagons, or tank lorries and pumped directly therefrom into the vessels tanks, or where the oil has been transported in tank barges, directly from barges into the vessel's tanks.

58. Handling of Cargoes to Contaminate Food Stuffs.—(1) Items of cargo, such as chemical manures, insecticides, poisonous substances which are likely to contaminate food stuffs, shall not be discharged at any berth for storage, pending delivery, unless the discharge of such cargo has been specifically permitted in writing by the Traffic Manager.

(2) In all cases, where such permission has not been given, the vessel shall either discharge such cargo direct on to the quay provided adequate arrangements have been made by the steamer agents with the consignees to the satisfaction of the Traffic Manager for the clearance of such cargo direct from the landing point, rail or road transport, or land such cargo overside into barges hired by the steamer agents, to be taken up to the points fixed by the Traffic Manager for storage.

59. Transfer of Vessels from their Berths.—(1) The Traffic Manager may either himself, or through the Conservator, direct any vessel, to move from one berth in the port to any other berth is vacant.

(2) A notice of 12 hours shall be given before a vessel is required to be shifted under the rule.

(3) The port shall not be responsible for any delay which may be caused to a vessel in effecting a transfer under this rule.

60. Issue of Licences to Stevedores.—(1) The Conservator shall, from year to year, issue licenses to certain approved firms and individuals granting them permission to perform the work of stevedoring vessels in the port and no stevedore shall be allowed to work on board any vessel in the Port unless he is in possession of such licence.

(2) The Conservator may at any time cancel any licence issued under this rule or may suspend the same for such period as may be specified for breach of any of the terms of the licence or for breach of any of the provisions of this rule.

(3) The licence may likewise be cancelled or suspended if after the grant thereof, it is discovered that the application for the licence contained any misrepresentations or misstatements of material facts or if the licence has been adjudged insolvent or has gone into liquidation, as the case may be, or if the licensee or his workmen cause any damage to port property or to any vessel or equipment thereof or if the licensee or his workmen cause any obstruction to any work in the port :

Provided that no such licence shall be cancelled or suspended until the holder of the licence has been given a reasonable opportunity for showing cause why his licence should not be cancelled or suspended, as the case may be :

Provided further that no such opportunity for showing cause shall be necessary when the licence is suspended pending an inquiry against the holder of the licence for contravention of any of the terms thereof or for contravention of any of these rules or for doing anything for which the Licence is liable under this rule to be cancelled or suspended.

(4) The Stevedoring Licence issued to a firm or individual is not transferable.

(5) The Stevedoring Licence issued to a firm or individual is liable for immediate cancellation, if it is discovered by the Conservator that the said Licence has sublet the Licence to any other firm or person without the written approval of the Conservator who is to issue such licence.

61. Terms for issue of Licence to Stevedores.—(1) Every stevedore shall be responsible for the due observance and performance by all staff and labour employed by him, during the loading or unloading of a vessel or work incidental thereto, of all the relevant laws, rules and regulations for the time being in force in that behalf.

(2) Every stevedore shall ensure that all loading and unloading operations shall conform in all respects to the requirements prescribed by or under the Indian Dock Labour Act, 1934 (19 of 1934) and are carried out with his own gear and he shall be solely responsible for any accident or damage resulting from the use of any defective gear.

(3) (a) Every stevedore shall employ at least one experienced foreman and a tindal to superintend the loading or unloading of cargo or bunkering of coal, of fuel at each hatchway at which loading, unloading or bunkering is being carried on.

(b) The tindal shall supervise the slinging or unslinging of goods in the hold and wherever a vessel is loading cargo in between decks along, he shall see that the between deck hatches that are provided with cross beams and fore and aft beams have all such beams fixed in their proper places, and that the hatch covers are properly put on and effectively secured to prevent their displacement before commencing work; the foreman shall remain on deck and see that the crane chain is not taken out of the square of the hatchway, and that the hook does not catch coamings or foul any of the ships gear or damage any structure or erection ashore.

(c) The foreman shall give correct signals to the crane driver and shall superintend the taking off and putting on the beams and hatch covers and shall see that persons keep out of danger on deck and do not stand under any hoist.

(d) The foreman shall, where work is stopped for the day or night, search and satisfy himself that no one is remaining in the hold.

(e) The stevedore shall be solely responsible to the owner of the ship and to the port authorities in the event of any

injury or damage being caused to any person or property in the course of the loading, unloading, or bunkering operations.

62. Registration of Steamer Agents.—(1) No steamer agent shall work in the Port unless he is in possession of a registration certificate issued by the Conservator.

(2) The registration is subject to renewal every year depending on the performance of the agents.

(3) The Conservator, may at any time cancel any registration certificate issued under this rule or may suspend the same for such period as may be specified for breach of any of the terms under which such registration is permitted.

(4) The registered steamer agents shall be required to open a deposit account for such amount as may be fixed by the Conservator of the Port so as to meet their obligation for prompt payment of Port charges for the services rendered to them by the Port.

63. Registration of Clearing and Forwarding Agents.—

(1) No Clearing and Forwarding Agent shall be permitted to work in the Port and transact shipping business unless he is in possession of a registration certificate issued by the Conservator.

(2) The registration is subject to renewal every year depending on the performance of the Clearing and Forwarding Agents.

(3) The Conservator, may at any time, cancel any registration certificate issued under this rule or may suspend the same for such period as may be specified for breach of any of the terms under which such registration is permitted.

(4) The registered Clearing and Forwarding agents shall also be required to open a deposit account with the Port for such amount as may be fixed by the Conservator to meet their obligation for the prompt payment of Port charges for the services rendered to them by the Port.

64. Cancellation or Suspension of Registration of Steamer Agents or Clearing or Forwarding Agents.—The Registration of a Steamer Agent or Clearing and Forwarding agent may be cancelled or suspended if, after the grant thereof, it is discovered that the application for the Registration contained any misrepresentations or misstatements of material facts (or if the holder of the Registration has been adjudged insolvent or has gone into liquidation, as the case may be, or if he or his workmen cause any damage to port property or to any vessel or equipment thereof, or cause any obstruction to any work in the port :

Provided that no such registration shall be cancelled or suspended until the holder of such registration has been given a reasonable opportunity for showing cause why his registration should not be cancelled or suspended, as the case may be :

Provided further that no such opportunity for showing cause shall be necessary when the registration is suspended pending an inquiry against the holder of the registration for contravention of any of the terms, thereof or for contravention of any of these rules or doing anything for which the registration is liable under this rule to be cancelled or suspended.

65. Discharge of Vessel's Cargo to be under the Superintendence of Master, Owner or Stevedore.—The liabilities Cargo shall not be discharged from any vessel in the port except under the directions and superintendence on board such vessel of the master or owner of the vessel or of a stevedore licensed by the Conservator to perform such work in the port and such master, Owner or stevedore shall be personally liable in respect of any loss or damage arising from the careless or improper slinging of goods on board such vessel and shall in every instance observe the following precautions namely :—

- (i) that the sling is laid out flat without turning or kinks before any goods are loaded therein;
- (ii) that after each sling has been made up and with the first strain on heaving up, the running loop is

well beaten home with a wooden bar in order that the grip may be made secure.

66. Masters, etc., and Stevedores Working Cargo's to provide Proper Lights on Board.—(1) Masters and owners of vessels in the port and the stevedores working the cargoes of such vessels shall be jointly and severally responsible for the proper provision of lights in all those parts of vessels, where work is being carried on either with the use of the Port's cranes, quays, piers or other property or otherwise.

(2) In default, they shall jointly and severally be liable in respect of any loss or damage to life, limb or property resulting therefrom.

67. Making up of Slings.—Cranes not to be used under Vessel's Coamings.—Slings of import goods shall be made up directly under the open hatchway of any vessel unloading in the port and under no circumstances the Port's cranes shall be employed for the purpose of breaking out or removing goods from under the coamings.

68. Use of Vessel Winches.—Masters and owners of vessels employing their own cranes or winches for the loading or unloading of goods shall be responsible for any loss or damage to goods arising from any cause whatsoever.

Note.—(1) Cranes may be fixed in positions as directed by the Stevedors.

(2) Ship's Officer shall see that the Port cranes work quite clear of ship's gear.

69. Heavy Lifts.—The Traffic Manager may prohibit the landing from any vessel of any single article or package of over 10 tonnes in weight, except by the cranes of the ports provided for the purpose, if he is of opinion that it is necessary or advisable to do so.

70. Discharge of Heavy Lifts.—(1) Single articles and packages of over 10 tonnes in weight shall not be discharged unless so permitted by the Traffic Manager under the terms and conditions laid down by him in this behalf.

(2) The port authorities shall not be liable or responsible in respect of any loss or damage occurring to such articles or packages.

71. Marking and Packing of Heavy Packages.—(1) Single articles and packages of one metric ton and over in weight (hereinafter referred to in these rules as heavy package), shall not be loaded on board any vessel in the port or alongside the quay walls unless the gross weight of each such article or package has been plainly and durably marked upon it and packed by the consignors or the agents in the manner set out below.

(a) Manner of Marking of Heavy Packages.—(i) The gross weight on a heavy package shall be marked thereon in English and the regional language, if possible, with a kind of paint which is not easily effaceable.

(ii) Where a heavy package is of a light colour, black paint, and where the package is of a dark colour, white or yellow paint shall be used for such markings.

(b) Gross weight to be marked in Metric tons or Kilograms.—Subject to the provisions of clause (f) the gross weight of a heavy package shall be marked thereon in metric tons or Kilograms.

(c) Place of Marking.—The gross weight shall be marked on two sides of the heavy package so that in whatever position the package is placed, the marking is easily visible.

(d) Size of Letters or Figures.—Every letter or figure, used to mark the gross weight of a heavy package shall be at least seven and half Cms. (three inches) in length and half Cm. (one quarter of an inch) in breadth.

(e) Manner of Packing.—(i) The goods in heavy package shall be securely packed in a strong covering in such manner that there is no movement of the goods inside the package resulting in any disintegration of the goods or the covering.

(ii) The covering shall be of such materials and nature as can stand the strain of the packages being handled dur-

ing the course of loading or unloading so that the risk of any injury to persons who handled the package is minimised.

(f) Marking of Approximate Weight in Certain Circumstances.—Where at the place the heavy package is consigned there are no means available for determining the correct weight of the package, the anticipated minimum and maximum weight of the package in metric tons or kilograms shall be marked thereon in the manner hereinbefore specified :

Provided that such anticipated maximum weight shall be so assessed that it does not fall below the actual weight of the package.

(2) Consignors and their agents, agents of vessels and stevedores shall be held responsible for any breach of the provisions of this rule.

72 Hazardous Substances—General Restrictions.—The handling, transport and stowage within the port limits of all substances, classified as hazardous (as defined in the recommendations of the United Nations' Committee of experts of Transport of Dangerous goods, which met at Geneva in August, 1954) or merit classification as such by virtue of their characteristic properties shall be subject to such restrictions and conditions, as the Conservator may, from time to time, impose.

73. Use of the Gear and other Articles provided by the Port—(i) All cargo handling gear and other articles provided by the port shall, when no longer required, be returned to the Stores Depot of the port and shall not be left lying in the quays or roads.

(2) Masters and owners of vessels and stevedores shall be charged hiring fees on all such articles from the date of requisition till its return to the stores depot.

(3) All articles not provided by the port shall be removed from the quays or roads within two hours after the job for which they are brought is finished, in default, removal shall be effected by the Traffic Manager and the master or owner of the vessel or stevedores or any other person to whom such gear belongs shall be liable for all the expenses incurred in such removal.

74. Arms.—(1) The master, owner or agent of every vessel entering the port and having on board as import cargo for discharge, package containing arms and ammunition, shall as soon as possible after arrival in the port furnish to the Traffic Manager a complete list of all such packages.

(2) After discharge, such packages shall be handed over by the master into the direct charge of the shed foreman who shall grant a receipt therefor in the specified form and shall immediately lock up the packages in the transit shed.

(3) The external condition of all packages containing arms and ammunition shall be carefully examined before a receipt is given therefore and any matter which calls for special mention shall be entered in the remarks column thereof.

(4) Packages containing arms and ammunition shall under no circumstances be discharged from a vessel at night.

(5) The port authorities shall not in any way be responsible or liable for any packages contained arms and ammunition discharged from a vessel otherwise than in strict conformity with this rule.

(6) The Port may exempt, any vessel or line of vessel, from the provisions of this rule for such period as the Conservator may think fit.

75. Ammunition and Explosives.—The master of any vessel arriving in the port with ammunition or explosives, other than firearms, forming part of the ship's equipments of distress signals, or over 45 kgs. (100 lbs.) in eight of gun powder, on board as cargo, shall display a red flag B

of the International Code at the fore during day-time, and between the sunset and sunrise shall exhibit a red light at the fore for so long as the ammunition, explosives or gunpowder are on board within the limit of the port.

76. Landing of Explosives or other dangerous Cargo.—

(i) No package containing gun powder or other explosive or any dangerous cargo shall be landed within the limits of the port without the previous permission of the Collector of Customs and the Conservator, and in the landing or shipment thereof, all orders or directions which may be made or given by the Port authorities from time to time to ensure safety shall be rigidly adhered to and observed.

(ii) (a) Every vessel while loading, discharging or handling explosives or cased dangerous petroleum shall bank all fires and stores them up only when explosives or cased dangerous petroleum are not being loaded, discharged or handled and only when hatches containing explosives or cased dangerous petroleum are completely closed.

(b) All ventilators to the stock hold shall be carefully attended and properly trimmed and wind-sails shall be rigged to the stock hold to prevent any pocket of gas accumulating in vessels which have any cased dangerous petroleum on board.

CHAPTER V

Discharge and shipment of Fuel Oil and non-dangerous Petroleum

77. Discharge of Fuel Oil in bulk.—Vessels carrying petroleum in bulk shall observe the provisions of the petroleum Rules, 1937, and all other orders or directions which the Traffic Manager, may make or give from time to time, to ensure safety.

78. Bunkering Petroleum Fuel Oil.—Bunkering of vessels with petroleum fuel oil in the port barges and tank vehicles shall be permitted subject to the following conditions, namely :—

- (a) During all such time as any vessel is receiving fuel into her bunkers, the master or first mate of such vessel is present on board and he shall see that the provisions of these rules are complied with and that all reasonable precautions for safety are observed;
- (b) a ship's officer shall be on watch and an attendant of the oil company supplying bunkers shall be stationed alongside the flexible connecting pipe while bunkering is in progress;
- (c) no smoking, cooking, naked lights or forges shall be allowed on the vessel's decks while bunkering is in progress;
- (d) a suitable gutter or other contrivance shall be placed under the connecting service pipe to prevent any oil from dripping on the wharf or into the port basin;
- (e) Masters and owners of vessels receiving fuel oil and suppliers of fuel oil for bunkering shall jointly and severally be held liable for any damage caused to any property belonging to the port or cargo in charge of the Traffic Manager by any defect in or failure of the apparatuses or appliances of the vessels or the suppliers;
- (f) no cargo other than steel plates, iron rails, and similar goods unaffected by oil, shall be allowed on the wharf within fifty feet of the oil stand pipes, and shed doors immediately behind them shall be kept closed while bunkering is in progress;
- (g) before bunkering commences, the attendant shall see that the telephone connection to the oil company's depot is in working order.

CHAPTER VI

Rules with respect to Fire and Lights

79. Smoking etc.—Smoking and the use of any unprotected fire or light in any shed or warehouse within the port is strictly prohibited and no person shall smoke or light lucifer matches or other inflammable article on any pier or quay or on board any vessel within the port, except in such places as may be allotted for the purpose.

80. Fires and Lights.—(a) No Vessel shall be fumigated except at a place appointed by the Deputy Conservator for the purpose.

(b) Pitch or dammer shall not be heated on board vessels within the port; but in a boat alongside or astern; nor shall spirits be drawn off and board such vessels by candle or other unprotected artificial lights.

(c) Vessels, while loading cotton, shall not have any unprotected lights in the hold.

(d) When gunpowder, ammunition or other explosives exceeding 45 Kgs., (100 lb.) in weight are being shipped on or discharged from, any vessel within the limits of the port, no fires, lights or smoking shall be permitted on board, except as provided in the Explosives Rules, 1940.

81. Accessibility of Vessels to Port and Police Officials.—Vessels in port shall allow free access to the Port and police officials for inspection purposes in regard to fires and lights whenever demanded and no person shall disobey the orders of any police officer or watchman for extinguishing any fire or light used in contravention of these rules.

CHAPTER VII

Miscellaneous

82. Quays etc. and port area to be under the authority of the Traffic Manager.—(1) The quays, sheds, gates and other areas within the limits of the port shall be under the charge of the Traffic Manager, who shall direct and manage all operations connected with the landing and shipping of goods, and their storage either in the sheds or in the open; he shall have proper custody of all goods lying in the port and take such steps as may be necessary for the proper maintenance of order within the port.

2(a) No person shall enter any part area without a permit or token issued to him by or under the authority of the Traffic Manager; such permit or token shall on demand by a police officer or any port officer, duly empowered in that behalf be produced for inspection.

(b) No person shall allow any other person to use any permit or token issued to him as aforesaid.

(c) Any permit or token issued to any person and allowed by him to be used by another shall be liable to be confiscated and cancelled.

83. Regulation of working hours of the various sections of the Port.—The hours during which work may be carried on in each of the several sections into which for traffic working purposes, the port premises are divided shall be notified by the Traffic Manager, from time to time, by means of notices posted in the sections concerned, and no work shall be done, within the port premises outside the working hours so notified, except within the permission in writing of the Traffic Manager.

84. Night and holiday work.—Applications for work at night or on Sundays or holidays shall be made to the Traffic Manager, who on production of the necessary permission from the Customs Department shall make necessary arrangements for the proper conduct thereof and work on such days and at night shall be subject to the payment of special charges specified for the purpose.

Explanation.—Holidays for the purpose of this rule shall be those notified by the Conservator from time to time.

85. Entry into the Port.—The entrance gates and wicket gates of the port shall be kept open during the hours specified there for by the port authorities and ingress and egress by these gates at any other time shall be only to persons holding special passes issued for this purpose by the Officers authorised by the Conservator.

86. Sites set apart for Dock Labourers and Boatmen to obtain food.—Certain sites shall, from time to time, be set apart as occasion may require, by order of the Traffic Manager at his discretion to enable boatmen or Dock Labourers to obtain their food and all persons bringing such food shall be restricted to these sites and pathways leading thereto, and therefrom, which shall be indicated by notice-boards.

87. Licensed carpenters to be allowed in the sheds for opening and repairing cases.—The Traffic Manager shall grant licenses to persons qualified to work as carpenters in the port for opening and repairing cases at the instance of the owners thereof, and no person other than these licensed as such shall be allowed to carry into the port any tools or other instruments used for such purposes.

88. Issue of licenses to hawkers.—No person shall hawk or sell goods within the port or on board any vessel within the port without a licence from the Traffic Manager and for this purpose, the Traffic Manager may issue licences to persons which shall be renewable yearly; provided that such persons shall obtain the prior approval in writing of the Collector of Customs and that such licence shall not entitle the holders to go on board any vessel in the port without the permission of the master, owner or agent of such vessel.

89. Removal of trucks and hand-barrows out of port.—Trucks and hand-barrows loaded with goods and not taken out of the port immediately shall be liable to removal by the Traffic Manager at the risk and expense of the owner of the goods and trucks and hand-barrows belonging to merchants and others and left lying at the port shall be liable to removal and confiscation by the Traffic Manager.

90. Destruction of or damage to any of the port property.—Any person who cuts, defaces, or damages any mooring, rope chain, life-buoys, life line or life saving appliance or any buoys, buoy-rope or cable belonging to any anchor within the port channel or entrance or in the port shall, without pre-judice to any penalty to which he may be liable under any other law, be liable to pay the amount of the damage, repair and recovery.

91. Obstruction etc. to Officers.—No person shall molest, assault, resist, hinder, obstruct, impede, or interrupt, or offer or attempt to molest, assault, hinder, obstruct, impede, or interrupt any employee of the port in the performance of his functions, or disobey his lawful orders, or use abusive or offensive language or aid or incite others to do any of these things.

92. Offer of fees or gratuity.—No fee, gratuity or reward shall be offered to any officer or servant of the port, who is forbidden on pain of disciplinary action to receive any such fee, gratuity or reward.

93. Signals.—(1) All necessary signals may be made by vessels by using the International Code of signals and they shall be acknowledged by the answering pendent being hoisted at the signal station masthead.

(2) Communications by the Morse and Semaphore codes may be made to the Port Signal Station, using flag 'Z' during the day and flashing 'Z' at short intervals at night to call up station.

94. Bad Weather Arrangements.—During the prevalence of adverse or threatening weather the Master of every vessels in the port is required to attend to the following directions, namely:—

(a) he should not be absent from his vessel between sunset and sunrise;

(b) he should keep his vessel ready in all respects to proceed to sea at short notice and if this is not possible for him, he must communicate the fact at once to the Deputy Conservator;

(c) on the hoisting of the danger signal, he should take all measures for the safety of his vessel, as no further instructions will be furnished by the port authorities.

95. Vessels to comply with Indian Port Health Rules.—All vessels arriving in the port shall, during their stay and while departing from the port shall comply with the provisions of the Indian Port Health Rules, 1955.

[F. No. PGL-12/74]

V. R. MEHTA, Director

वित्त मंत्रालय
राजस्व और बैंकिंग विभाग
केंद्रीय उत्पाद शुल्क

नई दिल्ली, 22 जनवरी, 1977

सा.का.नि. 123.—केंद्रीय सरकार, केंद्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद सं 36 के अधीन आने वाले जूतों के नमूने को, जो कारखाना परिसर के भीतर परीक्षण के प्रयोजनार्थ मंगाए गए हों, उस पर उद्घरण्य संपूर्ण उत्पाद शुल्क से छूट देती है :

परन्तु ऐसे नमूने की संख्या पूर्वगामी महीने के दौरान कारखाने से निकाले गए जूतों के एक हजार जोड़े पर एक से अधिक नहीं होनी चाहिए।

[अधिसूचना सं. 3/77-सी.शु./का. सं. 47/3/75-सी एक्स-2]

एन. ओबराय, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE
Department of Revenue and Banking
CENTRAL EXCISES

New Delhi, the 22nd January, 1977

G.S.R. 123.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts the samples of footwear, falling under Item No. 36 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), drawn for test purposes within the factory premises, from whole of duty of excise leviable thereon :

Provided that the number of such samples shall not exceed one footwear to one thousand pairs of footwear cleared from the factory during the previous month.

[Notification No. 3/77-CE/F. No. 47/3/75-CX. 2]

N. OBHRAI, Under Secy.

